www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक

संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, गुरुवार, 7 दिसंबर 2023 | वर्ष – 33 | अंक –218 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 4.00 रु

सिर्फ वादे ही करती आ रही केंद्र सरकार : कांग्रेस पृष्ठ 3

- आसमान में सूराख कैसे करेगी कांग्रेस
- चुनाव नतीजों के बाद मुख्यमंत्रियों की पसंद पर ध्यान केंद्रित पृष्ठ 4

- गाजा में कोई सुरक्षित जगह नहीं : दुजारिक
- पन्नून पर भारत की जांच के नतीजों का उत्सुकता से इंतजार पृष्ठ 9

दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जीत के लिए बल्लेबाजी अहम होगी : राहुल द्रविड़ पृष्ठ 10

जम्मू-कश्मीर ने नेहरू की गलतियों की वजह से समस्याएं झेली : अमित शाह

पूर्व प्रधानमंत्री ने सही कदम उठाए होते, तो पीओके हमारा होता

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। लोकसभा से जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 को मंजूरी मिल गई। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर से संबंधित जिन दो विधेयकों पर सदन में विचार हो रहा है, वे उन सभी लोगों को न्याय दिलाने के लिए लाए गए हैं, जिनकी 70 साल तक अनदेखी की गई और जिन्हें अपमानित किया गया। अमित शाह ने देश के पहले प्रधानमंत्री पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर ने जवाहर लाल नेहरू की दो गलतियों की वजह से समस्याओं को झेला है। इनमें पहली संघर्ष विराम की घोषणा और फिर कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले जाना शामिल था। यदि जवाहरलाल नेहरू ने सही कदम उठाए होते, तो पीओके हमारा हिस्सा होता। उन्होंने सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों का दर्द समझते हैं तथा एकमात्र ऐसे नेता हैं जिन्होंने पिछड़ों के आंसू पोंछे हैं।

- कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले जाना थी गलती
- जम्मू कश्मीर से जुड़े विधेयक लोकसभा में पास

लोगों को न्याय दिलाने के लिए लाए विधेयक

उन्होंने कहा कि मैं यहां जो विधेयक लेकर आया हूं, वह उन लोगों को न्याय दिलाने और उनका अधिकार दिलाने से संबंधित है, जिनके खिलाफ अन्याय हुआ, जिनका अपमान हुआ और जिनकी उपेक्षा की गई। किसी भी समाज में जो लोग वंचित हैं उन्हें आगे लाना चाहिए, यही भारत के संविधान की मूल भावना है। उन्हें इस तरह से आगे लाना होगा जिससे उनका सम्मान कम न हो। अधिकार देना और सम्मानपूर्वक अधिकार देना दोनों में बहुत अंतर है। इसलिए इसका नाम कमजोर और वंचित वर्ग की बजाय अन्य पिछड़ा वर्ग किया जाना जरूरी है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कुछ लोगों ने इसे कम आंकने की भी कोशिश की। किसी ने कहा कि सिर्फ नाम बदल रहा है। मैं उन सभी से कहना चाहूंगा कि अगर हमारे अंदर थोड़ी सी भी सहानुभूति है तो हमें देखना होगा कि

> किसी भी समाज में जो लोग वंचित हैं उन्हें आगे लाना चाहिए, यही भारत के संविधान की मूल भावना है : अमित शाह, गृह मंत्री

नाम क साथ उनका सम्मान जुड़ा ह। य वहा लोग देख सकते हैं जो इन्हें अपने भाई की तरह समझकर आगे लाना चाहते हैं, वे इसे नहीं समझ सकते जो इसे अपने राजनीतिक फायदे के लिए वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करते हैं। नरेंद्र मोदी एक ऐसे नेता हैं, जिनका जन्म एक गरीब परिवार में हुआ और आज देश के प्रधानमंत्री बन गए। वे गरीबों का दर्द जानते हैं।

तो कश्मीरी पंडितों छोड़कर नहीं जाना पड़ता

उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर पुनर्गठन संशोधन विधेयक उन सभी लोगों को न्याय दिलाने के लिए लाया गया है, जिनकी 70 साल तक अनदेखी की गई और जिन्हें अपमानित किया गया। करीब 46,631 परिवार और

> इस मुद्दे पर सदन में एक बार पूरे दिन चर्चा करा ली जाए तो 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो जाएगा: अधीर रंजन चौधरी, कांग्रेस नेता

1,57,967 लाग जम्मू कश्मार स दशभर म विस्थापित होने को मजबूर हुए, उन्हें न्याय दिलाने के लिए सरकार विधेयक लाई है। अगर वोट बैंक के बारे में सोचे बिना शुरुआत में ही आतंकवाद से निपटा जाता तो कश्मीरी पंडितों को घाटी छोड़कर नहीं जाना पड़ता।

बॉक्स में

तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया : अधीर रंजन

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के मंत्री और बीजेपी के कई नेता कश्मीर की बात आने पर पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की अनावश्यक आलोचना करने लगते हैं।

कांग्रेस नेता ने यहां तक कहा कि इस मुद्दे पर सदन में एक बार पूरे दिन चर्चा करा ली जाए तो 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो जाएगा। इस पर शाह ने कहा कि वो ऐसी चर्चा के लिए तैयार हैं।

मिचौंग तूफान से चेन्नई में तबाही, 20 की मौत

- वायु सेना हेलिकॉप्टर से पहुंचा रही खाना
- 72 घंटे से बिजली नहीं, इंटरनेट भी है बंद

चेन्नई, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी से 2 दिसंबर को उठा साइक्लोन मिचौंग 5 दिसंबर को आंध्र प्रदेश तट से टकराया। उससे पहले तूफान ने चेन्नई में काफी तबाही मचाई। यहां एक दिन में सबसे ज्यादा 50 सेमी बारिश हुई। बारिश के चलते कई इलाके पिछले दो दिनों से बाढ़ में डूबे हैं। कई इलाकों में 72 घंटे से बिजली नहीं आ रही, इंटरनेट बंद है। भारतीय वायु सेना के हेलिकॉप्टर से बाढ़ में फंसे लोगों तक खाना पहुंचाया जा रहा है। तमिलनाडु में तूफान की वजह से राज्य में 2 दिनों में 3 महीने की बारिश हुई। चेन्नई शहर पानी में डूब गया, जिससे 20 लोगों की मौत हो गई। राज्य के चेन्नई, चेंगलपट्टू, तिरुवल्लूर और कांचीपुरम जिलों में स्कूलों में होने वाली छमाही परिक्षाएं पोस्टपोन कर दी गईं। पीएम मोदी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर चक्रवात के चलते जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना जताई। मौसम विभाग के महानिदेशक ने बुधवार को कहा- तूफान मिचौंग कमजोर हो गया है। अब इससे किसी नुकसान का खतरा नहीं है। उधर, साइक्लोन के चलते ओडिशा में बारिश हो रही है।

स्टालिन ने मोदी को लिखा पत्र 5,060 करोड़ की मदद मांगी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 5,060 करोड़ रुपए की अंतरिम राहत देने और चक्रवात मिचौंग से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए एक केंद्रीय टीम भेजने की भेजने की अपील की। मिचौंग तूफान के कारण चेन्नई और उसके तीन पड़ोसी जिलों में भारी बारिश हुई। श्री स्टालिन ने कहा कि राज्य सरकार ने भी चक्रवात से हुए नुकसान का आकलन करना शुरू कर दिया है और एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी तथा केंद्र सरकार से अतिरिक्त धन का अनुरोध करेगी।

राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग- लोकसभा में बुधवार को द्रमुक के वरिष्ठ सदस्य टी आर बालू ने शक्तिशाली चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण तमिलनाडु और राजधानी चेन्नई में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण हुई तबाही को देखते हुए इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की गयी। श्री बालू ने शून्य काल में कहा कि चक्रवाती तूफान के प्रकोप के कारण तमिलनाडु के कई इलाकों और राज्य की राजधानी चेन्नई में भारी बारिश के कारण भारी नुकसान हुआ है।

सार संक्षेप

अंबेडकर को पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित सांसदों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने संसद भवन परिसर में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। संविधान के शिल्पकार कहे जाने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर बुधवार को संसद भवन परिसर में एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गोगामेड़ी हत्याकांड की जांच के लिए एसआईटी गठित

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में दिन दहाड़े श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगमेड़ी की हत्या कर देने के मामले की सघन जांच के लिए एसआईटी गठित की गई हैं। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने आज इस मामले की सघन जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) दिनेश एन एम के पर्यवेक्षण में एसआईटी गठित की। श्री मिश्रा ने बताया कि गोगामेड़ी हत्याकांड के दोनों अभियुक्त की पहचान हो गई है। उन्होंने बताया कि एफआईआर दर्ज होते ही दोनों अभियुक्तों पर पांच-पांच लाख रुपए का ईनाम घोषित होगा और इन अभियुक्तों के बारे में जानकारी देने वालों को पांच-पांच लाख रुपए का इनाम मिलेगा।

प्रोटेम स्पीकर के लिए बृजमोहन अग्रवाल का नाम सबसे ऊपर

रायपुर, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। प्रोटेम स्पीकर को लेकर रमन सिंह ने कहा, जो सबसे ज्यादा विधानसभा में जीत के आया होता है वह प्रोटेम स्पीकर बनता है। उस क्रम में यदि देखा जाए तो मुझे लगता है सबसे पहला नाम बृजमोहन अग्रवाल का आता है। आठवीं बार जीत कर आए हैं। बृजमोहन का नाम सबसे ऊपर है।

छत्तीसगढ़ को नए मुख्यमंत्री को लेकर पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने कहा, पार्लियामेंट का सत्र चल रहा है। सारे वरिष्ठ लोग की व्यस्तता भी है। दो-तीन दिन के अंदर पर्यवेक्षक आ जाएंगे और निर्णय हो जाएगा। मुख्यमंत्री पद को लेकर डॉ. रमन सिंह ने कहा, मेरी कोई महत्वाकांक्षा नहीं है। पार्टी का जो निर्देश होगा उसका पालन किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में बैकडेट में किए जा रहे साइन को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने अफसरों को समझाइश दी है। उन्होंने कहा, प्रशासनिक क्षेत्र से जानकारी आ रही है वह चिंताजनक है। 3 तारीख के डेट में कुछ वित्तीय विषय को लेकर कुछ अन्य विषय को लेकर बैकडेट पर साइन कराई जा रही है। काफी सारी फाइलों पर 3 तारीख के बाद बैक डेट पर साइन की गई है।मैं समझता हूंकि यह सरासर गलत है और उचित नहीं है।रमन सिंह ने कहा, जो भी मुख्यमंत्री बनेगा छत्तीसगढ़ में इस विषय की विवेचना तो करेगा। यह ऐसा समय है जब तक सरकार का गठन ना हो जाए कोई नए निर्णय नहीं लिए जा सकते। कोई नए आदेश जारी नहीं हो सकते। वह अधिकारी जो आज भी पुराने जितने भी किए हुए काम है उसको सही साबित करने में लगे हुए हैं। उनको मैं स्पष्ट चेतावनी दे रहा हूंकि ऐसी गड़बड़ी करना अब तो बंद करो अब तो सरकार बदल गई है। कम से कम छत्तीसगढ़ के हित में काम करना पड़ेगा।

बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर उन्होंने कहा, जो इस प्रकार अवैध रूप से छत्तीसगढ़ में रायपुर में और आसपास जो अवैध कब्जे थे प्रशासन समझ गया है। आने वाली सरकार इस तरह के अवैध कब्जे अवैध धंधे को बर्दाश्त नहीं करेगी इसलिए प्रशासन सरकार बदलते ही अपने रवैया में परिवर्तन ला रहा है। अच्छी बात है। अभी कोई सरकार नहीं है तो आदेश अधिकारी को लेकर कोई सवाल नहीं होता। सरकार के मंशा के अनुरूप काम कर रहे हैं। महादेव एप और भ्रष्टाचार को लेकर रमन सिंह ने कहा, महादेव एप पर इतने सारे मामले जांच किए हैं पूरे प्रमाण सहित प्रस्तुत किया है। सरकार बदल गई है तो सरकार बदलने के बाद प्रक्रिया में तेजी आएगी। महादेव एप या भ्रष्टाचार के दूसरे मामले हैं उसमें रफ्तार आएगी। सरकार का भी इस पूरे मामले में जितने भी तेजी के साथ निराकरण हो सके करने का प्रयास करेंगे।

विधानसभा चुनाव जीतने वालों ने छोड़ी सांसदी

सांसदी से अब तक 11 ने दिया इस्तीफा, अरुण साव और गोमती साय के नाम शामिल

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कुल 21 सांसदों को मैदान में उतारा था। इनमें से 12 सांसद चुनाव जीते, जबकि 9 हार गए। जीते हुए 12 सांसदों में से 11 ने बुधवार को लोकसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया। सिर्फ राजस्थान से चुनाव जीतने वाले बालकनाथ ने अभी इस्तीफा नहीं दिया है। संसद सदस्यता छोड़ने वालों में मध्य प्रदेश से नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल, राकेश सिंह, उदय प्रताप और रीति पाठक हैं। वहीं छत्तीसगढ़ से अरुण साव, रेणुका सिंह और गोमती साय जबकि राजस्थान से राज्यवर्धन सिंह राठौड़, दीया कुमारी और किरोड़ी लाल मीणा शामिल हैं।

रेवंत का भी संसद सदस्यता से इस्तीफा-तेलंगाना में विधानसभा चुनाव जीते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने भी संसद सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। रेवंत कल तेलंगाना के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

राजस्थान से बीजेपी की तरफ से सात सांसदों ने चुनाव लड़ा। जिनमें बाबा बालकनाथ, किरोड़ीलाल मीणा, दीया कुमारी, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, भागीरथ चौधरी, नरेंद्र खीचड़ और देवजी पटेल शामिल थे। इन सात में से सिर्फ चार ही चुनाव जीत सके। चुनाव जीतने वालों में राज्यवर्धन, बालकनाथ, दीया कुमारी और किरोड़ीलाल का नाम है। राजस्थान से जिन तीन सांसदों ने इस्तीफा दिया है, वे संसद सदस्यता छोड़कर विधानसभा की सदस्यता लेंगे। पार्टी इन तीनों विधायकों को मंत्री पद दे सकती है। राजस्थान से बाबा बालकनाथ ने सांसद पद से इस्तीफा अभी लोकसभा स्पीकर को नहीं सौंपा है। ऐसे में वह या तो आने वाले दिनों में इस्तीफा देंगे। अगर नहीं देते हैं तो उन्हें विधायक पद छोड़ना पड़ेगा। जहां पर उपचुनाव कराए जाएंगे।

मायावती ने अन्न योजना पर उठाए सवाल

गरीबों को सरकारी अन्न का मोहताज बना दिया

लखनऊ, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की मुफ्त राशन योजना पर कटाक्ष करते हुये बहुजन समाज पार्टी मायावती ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी के चलते देश की 81 करोड़ से अधिक गरीब आबादी का जीवन सरकारी अन्न का मोहताज बनाना संविधान निर्माता बाबा साहब डा भीमराव अंबेडकर के विकसित भारत के सपने को तोड़ने के समान है। डा अंबेडकर की जयंती के मौके पर सुश्री मायावती ने कहा कि विभिन्न चुनाव परिणामों से लगता है कि ये दबे-कुचले व उपेक्षित लोग अगर अपने परिवार के ऐसे बेहाल और बदहाल जीवन से खुश नहीं हैं।लेकिन लोग इतना साहस भी नहीं दिखा पा रहे हैं कि वे चुनाव में अपना विरोध दर्ज कराकर सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की नीतियों पर चलने वाली देशहित की अच्छी सरकार चुनने का सार्थक प्रयास कर सकें।

रेवंत रेड्डी आज मुख्यमंत्री पद की लेंगे शपथ

हैदराबाद, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। तेलंगाना के मनोनीत मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य के लोगों को गुरुवार को अपने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। रेवंत रेड्डी ने लोगों को लिखे एक खुले पत्र में उन्हें दोपहर 1.04 बजे एल.बी. स्टेडियम में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया।

कांग्रेस नेता ने कहा, तेलंगाना में इंदिराम्मा राज्यम का समय आ गया है जो छात्रों के संघर्ष, शहीदों के बलिदान और सोनिया गांधी की दृढ़ इच्छाशक्ति से बनाया गया था। रेवंत ने पत्र में यह भी कहा, लोकतांत्रिक, पारदर्शी शासन प्रदान करने और कमजोर वर्गों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं तथा युवाओं के कल्याण के लिए सरकार बनाने के लिए वह 7 दिसंबर को हैदराबाद के एल.बी. स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

सोनिया, खड़गे को भी बुलाया

रेवंत ने दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी से मुलाकात की और उन्हें व्यक्तिगत रूप से समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। कर्नाटक हिमाचल प्रदेश के सीएम, राजस्थान छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम को भी आमंत्रित किया।

भूपेश बघेल, अशोक चव्हाण, दिग्विजय सिंह, वीरप्पा मोइली, मणिकम टैगोर, पी. चिदंबरम, सुशील कुमार शिंदे, मीरा कुमार और अन्य कांग्रेस नेताओं को भी आमंत्रित किया है। इसके अलावा उन्होंने आंध्र प्रदेश के सीएम वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी, तमिलनाडु के सीएम एम.के. स्टालिन, तेलंगाना के पूर्व सीएम के. चंद्रशेखर राव, आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू को भी निमंत्रण दिया है। शपथ ग्रहण समारोह में तेलंगाना जन समिति (टीजेएस) के नेता कोदंडराम, दलित अधिकार कार्यकर्ता कांचा इलैया, नागरिक स्वतंत्रता कार्यकर्ता हरगोपाल और तेलंगाना शहीदों के परिवारों को भी आमंत्रित किया गया है।

अक्टूबर की तुलना में नवम्बर में 10 फीसदी बढ़ी थाली की कीमत

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। वेज 'थाली' की कीमत अक्टूबर की तुलना में नवंबर में 10 फीसदी बढ़ गई, जबकि प्याज और टमाटर की कीमतें बढ़ने से नॉन-वेज थाली की कीमत केवल 5 फीसदी बढ़ी। क्रिसिल की एक रिपोर्ट में ये बात कही गई है।नवंबर के दौरान बेमौसम बारिश ने प्याज और टमाटर की फसल को नुकसान पहुंचाया, जिससे बाजार में दोनों की कमी हो गई और कीमतें बढ़ गईं। क्रिसिल ने कहा, प्याज और टमाटर की कीमतों में क्रमश: 93 प्रतिशत और 15 प्रतिशत की वृद्धि के कारण वेज थाली की कीमत साल-दर-साल 9 प्रतिशत बढ़ गई। दालों की कीमत में भी 21 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिससे वेज थाली की कीमत 9 प्रतिशत बढ़ गई।शाकाहारी थाली में रोटी, सब्जियां, चावल, दाल, दही और सलाद होता है। इसकी औसत लागत की गणना उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत में प्रचलित इनपुट कीमतों के आधार पर की जाती है।नॉन वेज थाली के लिए, चिकन की कीमत में गिरावट के कारण कीमतों में वृद्धि कम हुई। नॉन वेज थाली में चिकन की लागत कुल लागत का 50 प्रतिशत है। नॉन-वेज थाली में दाल की जगह चिकन ले लेता है जबकि बाकी चीजें वैसी ही रहती हैं। सितंबर की तुलना में अक्टूबर में वेज और नॉन-वेज थाली की कीमत में 1 फीसदी और 3 फीसदी की कमी आई थी। महीने के दौरान आलू, टमाटर और ब्रॉयलर की कीमतों में गिरावट आई थी।

प्याज, टमाटर की ऊंची कीमतों का असर

लश्कर के आतंकवादी सहयोगी की आवासीय भूमि कुर्क

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में लश्कर-ए-तैयबा के एक कथित आतंकवादी सहयोगी की आवासीय भूमि को कुर्क कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आतंकवादी सहयोगी इरफान अहमद भट के परिवार की 14 मरला आवासीय भूमि को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत अष्टेंगू बांदीपोरा में कुर्क किया गया था।

पहाड़ों पर बदला मौसम *श्रीनगर में पारा शून्य से दो डिग्री नीचे*

ऊपरी इलाकों में जम कर हुई बर्फबारी, केदारनाथ धाम में 1 फीट तक बर्फ जमी

बागेश्वर, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में मौसम बदल गया है। राज्य के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का दौर जारी है। केदारनाथ, बदरीनाथ में बर्फबारी के चलते पहाड़ों पर सफेद चादर बिछ गई है। पहाड़ियां चांदी सी चमक रही हैं। केदारनाथ धाम में तो 1 फीट तक बर्फ जम गई है, जिसके कारण वहां चल रहे निर्माण कार्य को रोकना पड़ा है।

इतना ही नहीं केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में रात का तापमान माइनस 8 तक पहुंच गया है, जिसके कारण वहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इसके अलावा उच्च पहाड़ी इलाकों में भी बर्फबारी का दौर जारी है। बागेश्वर जिले में भी बर्फबारी हो रही है। बागेश्वर जिले के कपकोट तहसील के पिंडर घाटी में ऊंचाई वाले स्थानों में बर्फबारी हुई है। बागेश्वर के चिल्ठा चॉप की चोटियां बर्फ से ढक गई हैं। राज्य में तापमान तेजी से गिरता जा रहा है, मैदानी इलाकों में भी तापमान कम होने लगा है। बारिश के साथ ही हिमपात से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ठंड से बचने के लिए लोगों ने गर्म कपड़े पहनने शुरू कर दिए हैं। साथ ही हीटर और अलाव का भी उपयोग कर रहे हैं। मंगलवार को मौसम विभाग ने पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का अलर्ट जारी किया था। जिसके बाद मंगलवार शाम को आसमान में बादल छाए और रात में सभी क्षेत्रों में बारिश हुई। कपकोट तहसील में तीन हजार मीटर की उंचाई पर चिल्ठा मंदिर के साथ ही जातोली, बैलुनी बुग्याल, फुरकिया और पिंडारी जीरो प्वाइंट में हिमापात हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि निचले इलाकों में हल्की बारिश हुई है, लेकिन उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। चिल्ठा टॉप बर्फ से पूरी तरह ढंक गया है। यहां स्थित मंदिर परिसर भी बर्फ के आगोश में डूब गया है। जिला आपदा अधिकारी शिखा सुयाल ने कहा कि मौसम विभाग ने पहले ही चेतावनी जारी कर दी थी। तहसील कपकोट के उच्च हिमालयी गांवों में बर्फबारी होने के समाचार मिले हैं।उन्होंने बताया कि मौसम को देखते हुए सभी विभागों को अलर्ट पर रखा गया है। खाद्य पूर्ति की व्यवस्था वहां पहले ही की जा चुकी है। बर्फबारी अधिक हुई तो सड़कों को खोलने के लिए जेसीबी मशीनें भी तैनात की जाएंगी।

श्रीनगर में मौसम की सबसे सर्द रात

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बुधवार को माइनस 2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ इस मौसम की अब तक की सबसे सर्द रात दर्ज की गई। मौसम विभाग ने कहा कि बुधवार तड़के श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो इस मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान है।

राज्यपाल ने डॉ. अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया

रायपुर, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें नमन किया। उन्होंने अपने निवास में डॉ. अंबेडकर के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। राज्यपाल ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने समाज के वंचित एवं कमजोर तबके के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सामाजिक समरसता पर बल देते हुए हमेशा शोषितों और पीड़ितों के लिए आवाज बुलंद की और सदैव दलितों की सुरक्षा के लिए संघर्ष किया। भारत के संविधान निर्माण में उनकी मुख्य भूमिका थी। वे हमारे देश के गौरव पुत्र है। उनका योगदान चिरस्मरणीय है। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव अमृत कुमार खलखो, उप सचिव दीपक अग्रवाल सहित राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों ने भी बाबा साहेब अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

पदोन्नति शिक्षकों को पदस्थ किया जाए- दिनेश

तखतपुर 06 दिसंबर (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य एवं जिला प्रभारी दिनेश राजपूत में प्रेस विज्ञप्ति की जारी कर बताया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा माह अगस्त 2023 को अधिसूचना जारी कर संविदा में कार्यरत कर्मचारियों को साल में 30 आकस्मिक अवकाश प्रदान करने का आदेश जारी किया गया था। लेकिन जिला कलेक्टर एवं संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग के द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश नहीं देने के कारण सत्र का अंतिम तक आदेश जारी नहीं किया गया जिसके कारण संविधान में कार्यरत कर्मचारियों को उनके अधिकार का अवकाश प्राप्त नहीं हो रहा है, यह अवकाश दिसंबर माह में खत्म हो जाएंगे। जिसके चलते कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। राजपूत ने बिलासपुर संभाग के संयुक्त संचालक से मुलाकात कर शासन के आदेश अनुसार तत्काल सभी जिला के जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर संविदा कर्मचारियों को तत्काल अवकाश प्रदान करने हेतु ज्ञापन सौप। संयुक्त संचालक ने कहा कि अविलंब कलेक्टर से अनुमोदन लेकर संविदा कर्मचारियों को आकस्मिक अवकाश की स्वीकृति प्रदान की जाएगी।

जीपीएम जिले में पदस्थ 23 आरक्षक पदोन्नति पर प्रधान आरक्षक बने

पुलिस नियंत्रण कक्ष में हुआ कार्यक्रम
प्रमोशन सेरेमनी में पुलिस अधीक्षक के साथ पदोन्नत प्रधान आरक्षक के परिवार हुए शामिल

गौरेला पेंड्रा मरवाही 06 दिसंबर (देशबन्धु)। जिले में प्रधान आरक्षकों के खाली पद हेतु योग्य आरक्षको का विभागीय पदोन्नति परीक्षा आयोजित की गई थी जिसमें से 23 आरक्षको की योग्यता सूची दिनाँक 08/06/2023 को पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज द्वारा जारी की गई थी। आदेश के परिपालन में विभागीय प्रमोशन कोर्स उपरांत दिनांक 5/12/2023 को पदोन्नत आरक्षकों को प्रधान आरक्षक बनाया गया हैं। जीपीएम जिले के 23 आरक्षको को वरिष्ठता क्रम में आरक्षक रामकृष्ण मिश्रा, राजेंद्र कुमार भारद्वाज, पवन राठौर, संशूधन बरैठ,जगदीश नारायण शंभू नामदेव, संतोष कुमार बंजारे, चंद्र प्रताप सिंह, मनहरण सिंह मरावी, अजय राजपूत, परमेश्वर सिंह, मोतीराम पैकरा, रवि त्रिपाठी, चौपाल कश्यप, मदन सिंह आर्मो, संतोष कुमार तिवारी, सुशांत कुमार वर्मा, रमडिक लाल जायसवाल, मोहनलाल रजक आशीष मिश्रा, विनोद प्रताप सिंह परिहार, रणजीत सिंह कंवर, देवनारायण राठौर एवं सतीश यादव को प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नति दी गयी हैं। इसी क्रम में दिनांक 05/12/ 2023 को पुलिस नियंत्रण कक्ष जीपीएम में (पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मनीषा ठाकुर रावटे, उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती मीरा अग्रवाल के द्वारा प्रधान आरक्षक का फीता लगा कर शुभकामनाएं और बधाई दिया गया।

पुलिस अधीक्षक श्री पटेल ने सभी पदोन्नत प्रधान आरक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन करेंगे। पुलिस विभाग की छबि को बरकरार रखेंगे, आपका व्यवहार आम जनता और स्टाफ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अव्वल दर्जे का होना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों के द्वारा पदोन्नत प्रधान आरक्षकों को प्रेरित करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित किये।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे, उप पुलिस अधीक्षक मीरा अग्रवाल, रक्षित निरीक्षक श्री भूपेंद्र कुर्रे, पदोन्नत प्रधान आरक्षकगण एवं कार्यालयीन स्टाफ मौजूद थे।

सार-संक्षेप

चखना दुकानों पर चला बुलडोजर

तखतपुर 06 दिसंबर (देशबन्धु)। सरकार बदलते ही प्रशासन एक्शन मुड में दिखा और नगर की शराब भट्ठी के पास चखना दुकानों पर बुलडोजर चलाकर तोड़ा गया और आबकारी विभाग द्वारा सख्त हिदायत दी गई कि भविष्य में अगर शराब दुकान के आसपास चखना दुकान लगाया जाता है तो कार्यवाही की जाएगी।

प्रदेश में सरकार बदलते ही सरकार अब एक्शन मोड में आ गई है अभी शपथ समारोह भी नही हुआ है पर शराब दुकानों के पास चल रहे चखना सेंटरों पर सबसे पहले प्रशासन की निगाह पड़ी और मुख्य मार्ग सहित शराब दुकान के आसपास पिछले काफी समय से संचालित हो रही थी विधानसभा चुनाव के बाद आए परिणाम के बाद तखतपुर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी धर्मजीत सिंह ने जीत तय की। इसके बाद से यह कवायद लगाए जा रहे थे कि कानून व्यवस्था को लेकर प्रशासन हरकत में आएगा और परिणाम के तीन दिन बाद ही सबसे पहले नगर के शराब दुकान के पास चल रही देशी और अंग्रेजी दुकान के पास चल रहे चखना सेंटरों को पहले से ही सूचना देकर बंद करा दिया गया था और वहां पर बने उनके दुकानों को आज बुलडोजर सभी दुकानों को हटाकर अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इसके अलावा बेलसरी चौक में स्थित छोटी छोटी दुकानों को भी शराब दुकान के पास की दुकान मानकर आबकारी और पुलिस विभाग की टीम के द्वारा बुलडोजर चलाकर तोड़फोड़ किया गया। अब देखना है कि यह दुकानें अब कितने दिन तक नही लगती है।

भाजपा की जीत पर युवाओं ने की आतिशबाजी

तखतपुर 06 दिसंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्यप्रदेश मैं मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर ग्राम बरेला में खुशी की लहर उमड़ पड़ी है जिसमे बरेला की जनता ने भाजपा पर अपना भरोसा जताया है चारो बूथ में ताबड़तोड़ भाजपा की जीत हुवि है जिससे बरेला के युवाओं और बुजुर्गो ने अपने खुशी जताते हुवे ढोल ताशे बजवाए और फटके फोड़ कर खुब आतिशबाजी हुवी हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना कर हनुमान चालीसा के पश्चात धूम धाम से प्रसाद वितरण किया गया और प्रचंड जीत भाजपा की सरकार बनने पर भाजपाइयों ने सभी को मिठाई खिला कर अभिवादन किया एवं आभार व्यक्त किया। जिसमे मुख्य रूप से नरेश पटेल, हरीश पटेल, खेलावन पटेल, नरेंद्र पटेल, नोहर सिंह ठाकुर, संजय निर्मलकर, कोमल सिंह ठाकुर, विशाल विश्वकर्मा, किशन पाण्डे, प्रमोद धुरी, तिलक देवांगन, नितेश पटेल, डकेश कश्यप, अजय यादव, नवीन पाली, सरजू यादव, राजाराम पटेल, राजीव पटेल, राजेंद्र पटेल, मोंटू यादव, निर्मल पटेल, लक्ष्मीकांत पटेल, अरुणेश प्रजापति, राकेश जैसवाल, हीरा पटेल, रमेश पटेल, राहुल पटेल वेदराम पटेल बंधु पटेल चक्रवर्ती पटेल अन्य शामिल रहे।

अंतरमहाविद्यालयीन साइनेक्स मिलेनियम (विज्ञान प्रदर्शनी) डी.पी. विप्र महाविद्यालय में 10 से

बिलासपुर, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। डी.पी. विप्र महाविद्यालय में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अंतरमहाविद्यालयीन साइनेकस मिलेनियम (विज्ञान प्रदर्शनी) दिनांक 10 दिसम्बर से आयोजन किया जा रहा है जो 12 दिसम्बर तक चलेगा। उक्त कार्यक्रम छग्रीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर (छ.ग.) द्वारा आयोजित, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर एवं डी.पी. विप्र महाविद्यालय बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन समारोह एस.एस. बजाज महानिदेशक छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर (छ.ग.) के मुख्य आतिथ्य एवं आचार्य ए.डी.एन. वाजपेयी कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के अध्यक्षता में उक्त कार्यक्रम संपन्न होगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्रशासन समिति के अध्यक्ष अनुराग शुक्ला एवं जी.बी. मेंबर राजकुमार अग्रवाल तथा प्राचार्य डॉ. अंजू शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। ज्ञात हो कि विगत 24 वर्षों से यह कार्यक्रम महाविद्यालय में संचालित किये जा रहे है। 800 से अधिक मॉडल तथा 1200 विद्यार्थियों के द्वारा मॉडल का प्रदर्शन किया जाता है। पिछले वर्ष इन मॉडलों में 10 मॉडलों का पेंटेंट पिछले वर्ष हुआ था।

निधन

एन के दुबे

तखतपुर 06 दिसंबर (देशबन्धु)। वार्ड 6 मुसलमान पारा निवासी एवं कन्या हाई स्कूल के प्राचार्य एन के दुबे 57 वर्ष का बुधवार को निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार 7 दिसम्बर को प्रात: 9 बजे स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया जाएगा।

मृदा को स्वस्थ बनाने जैविक और प्राकृतिक खेती को अपनाना आवश्यक-डॉ. राजपूत

मृदा स्वास्थ्य दिवस पर कृषि विज्ञान केन्द्र में कृषक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

रायगढ़, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। निकरा ग्राम नवापारा विकास खण्ड खरसिया में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 05 दिसम्बर को कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ. बी.एस. राजपूत, ग्राम के सरपंच प्रतिनिधि प्रेमसिंह सिदार, इफको प्रबंधक भूपेन्द्र पाटीदार एवं कृषि विभाग के अनिल भगत, वैज्ञानिक डॉ.के.के पैकरा, डॉ. के.डी. महंत, डॉ. मनोज साहू, निकरा समिति के अध्यक्ष रामगोपाल पटेल एवं ग्राम के 70 से अधिक प्रगतिशील किसान एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहें। इस अवसर पर डॉ.राजपूत ने कहा कि अधिकाधिक एवं अनावश्यक रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती जा रही है। इसकी देख-रेख हेतु मृदा परीक्षण अनुसार जैविक खाद एवं जीवाष्म पदार्थो का समावेश करना चाहिए। डॉ.के.के.पैकरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेतों में उर्वरकों की सही मात्रा वैज्ञानिकों द्वारा अनुशंसित मात्रा के अनुसार ही करना चाहिए साथ ही जैव उर्वरकों का प्रयोग पोषकतत्व की उपलब्धता हेतु बहुत आवश्यक है। मृदा वैज्ञानिक डॉ. महंत ने कहा 2023 का विश्व मृदा दिवस मिट्टी एवं पानी जीवन के स्त्रोत के थीम पर आधारित है कृषकों द्वारा असंतुलित मात्रा में रासायनिक उर्वरक कीटनाशक खरपतवार नाशक के उपयोग से मृदा स्वास्थ्य में गिरावट आ रही है, उन्होंने फसल कटाई के पश्चात फसल अवशेष न जलाने हेतु किसानों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा प्रतिटन फसल अवशेष जलाने से 5-5 किलोग्राम नाईट्रोजन, 2.3 कि.ग्रा.फास्फोरस, 2.5 कि.ग्रा. पोटाश व 1.2 कि.ग्रा. सल्फर तत्व की हानि होती है। फसल अवशेष जलाने से कार्बन डाईऑक्साइड, मोनो आक्साइड, ब्लैक कार्बन आदि गैस उत्सार्जित होते है। इसका मृदा व मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस समस्या का अंतिम उपाय जैविक एवं प्राकृतिक खेती को अपनाना आवश्यक बन गया है। निकरा ग्राम नवापारा के किसानों को डॉ. मनोज साहू ने बीज उपचार, कतार बोनी एवं जैव उर्वरकों के महत्व को विस्तार से बताया।

इस अवसर पर उपस्थित किसानों को घुलनशील जैव उर्वरक, ट्राईकोडर्मा तथा वृहद प्रदर्शन हेतु सरसों के बीज वितरित किये गये।

जिले में पहली बार हुआ घुटना प्रत्यारोपण का सफल आपरेशन

रायगढ़, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। रायगढ़ जिला अस्पताल में पहली बार आज मरीज श्रीमती फूलो प्रधान का घुटना प्रत्यारोपण का सफल आपरेशन किया गया।

सारंगढ़ जिले के पोस्ट सरिया ग्राम लुकापारा जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ की निवासी है श्रीमती फूलो प्रधान, जिनकी उम्र 57 वर्ष है, जो अपने घुटनों में सीवियर अर्थराइटिस (गंभीर गठिया) की समस्या से काफी दिनो से जूझ रही थी और चलने में असमर्थ थी। जिला सारंगढ़ से बरमकेला के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.अवधेश पाणिग्राही द्वारा उनको रायगढ़ जिला अस्पताल में रिफर किया गया। जिसके उपरांत मरीज किरोड़ीमल शासकीय जिला चिकित्सालय रायगढ़ में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सह् सिविल सर्जन डॉ.आर.एन.मंडावी के मार्गदर्शन से डॉ. आर.के.गुप्ता, डॉ.दिनेश पटेल, द्वारा मरीज श्रीमती फूलो प्रधान का सफल आपरेशन घुटना प्रत्यारोपण किया गया। इस आपरेशन को सफल बनाने में एनीथिसिया डॉ.पद्मलोचन पटेल, डॉ.उषा किरण भगत, ओ.टी. की सिस्टर सरिता के सहयोग से आपरेशन सफल पूर्वक किया गया।

खंड चिकित्सा अधिकारियों की हुयी समीक्षा बैठक

रायगढ़, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.एन.मंडावी की अध्यक्षता में आज स्वास्थ्य कार्यालय के आरोग्यम् सभा कक्ष में जिला कार्यक्रम प्रबंधक एवं समस्त खंड चिकित्सा अधिकारी राष्ट्रीय कार्यक्रम के समस्त नोडल अधिकारी के साथ समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रम की मासिक समीक्षा बैठक ली गई। जिसमें शासन द्वारा नयी योजना विकसित भारत संकल्प यात्रा के बारे में संक्षिप्त जानकारी बतायी गई जिसमें अन्य विभाग भी शामिल रहेगे तथा मोबाईल एप के माध्यम से पोर्टल में 20 स्कीम की एण्ट्री करना है। आईसी के माध्यम से समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार स्वास्थ्य सेवा सुविधा दिये जाने का निर्देश दिए गए। इस नयी योजना में हेल्थ कैंप कर टी.बी, हाइपर टेंशन, डायबिटीज, रक्तचाप जैसे रोगो का स्क्रीनिंग करके स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करना है। शिशु स्वास्थ्य टीकाकरण किशोर स्वास्थ्य एवं शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम की प्रगति, हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर का नया नाम आयुष्मान आरोग्य मंदिर रखा गया हैं। एनएचएम अंतर्गत वित्तीय प्रगति, राष्ट्रीय कैंसर, हृदययरोग, मधुमेह एवं स्ट्रोक नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यक्रम, राष्ट्रीय तंबाकू निषेध कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। परिवार नियोजन, सिकलसेल कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, एकीकृत निगरानी कार्यक्रम बीमारी रोकथाम, राज्य नोडल एजेंसी तथा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, एनएचएम अंतर्गत वित्तीय प्रगति, कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।

कलेक्टर गोयल के समक्ष दो पैरेन्ट्स ने लिया बच्चों को गोद

- कलेक्टर ने दी बधाई, बच्चों के उज्जवल भविष्य की दी शुभकामनाएं

रायगढ़, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के समक्ष कलेक्टर चेम्बर में आज दो पैरेन्टस ने मातृ निलियम संस्था के दो बच्चों को गोद लिया। इस मौके पर कलेक्टर श्री गोयल ने दोनों पालकों को बधाई देते हुए कहा कि माता-पिता के लिए अपने बच्चे की जिम्मेदारी बड़ी होती है, इसे आप बखूबी निभाएं और अपने बच्चों का बेहतर लालन-पालन करें। कलेक्टर श्री गोयल ने दोनों बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्नायक सेवा समिति के संचालक सिद्धांत शंकर मोहंती ने जानकारी देते हुए बताया कि इस संस्था में अनाथ, एकल पालक, घुमन्तू, गुमशुदा, दिव्यांग, नशाशक्त, अभ्यर्पित बच्चों का यहां देखभाल किया जाता है। उक्त संस्था बच्चों के माता-पिता की खोज के लिए समाचार पत्रों में विज्ञप्ति जारी करने के साथ-साथ सभी आवश्यक प्रयास करती है। माता-पिता की जानकारी नहीं मिलने पर संस्था द्वारा दत्तक ग्रहण के लिए बच्चे को विधिक रूप से स्वतंत्र घोषित कराया जाता है। विधिक रूप से स्वतंत्र होने के पश्चात ही बच्चे को गोद दिया जाता है। बच्चे को गोद लेने वाले व्यक्तियों के लिए यहां आर्नलाइन आवेदन की प्रक्रिया की जाती है। जिसके पश्चात गोद लेने वाले इच्छुक पैरेन्ट्स को यहां के बच्चों को पूरे डाक्यूमेन्ट के साथ गोद दिया जाता है। उक्त संस्था से आज तक कुल 102 बच्चों को पैरेन्ट्स ने गोद लिया है। यहां अभी वर्तमान में 15 बच्चे है।

इस अवसर पर महिला बाल विकास अधिकारी अतुल दाण्डेकर, मातृ निलियम संस्था के संयोजक मीना जायसवाल, उन्नायक सेवा समिति के संचालक सिद्धांत शंकर मोहती एवं संयोजक रूपाली रवानी, स्टूनो टू कलेक्टर सूरज खर्रा, संदीप यादव उपस्थित रहे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना क्र.: एसडीवाइसीएमएमआरडब्ल्यूएसएसआरट्रांसमटेरियल दिनांक : 24.11.2023 सामग्री का विवरण: ट्रक/ट्रेलर/वैन/बॉक्स ट्रक/कंटेनर आदि के माध्यम से रेलवे सामग्री का परिवहन, जिसमें भारतीय रेलवे की किसी भी कंसाइनी/इकाई या रेलवे इकाई से लोडिंग और अनलोडिंग शामिल है 24 महीने की अवधी के लिए आरडब्ल्यूएसएस, रायपुर या इसके विपरीत। अन्य विवरण परिशिष्ट 'ए' के अनुसार। **मात्रा:** 01 नग (24 महीने) **ईएमडी राशि:** रु.98300/- **निविदा खोलने की तिथि:** 29/12/2023 **निविदा दस्तावेज की लागत कुछ नही है। ई-निविदा की शर्तें:** 1) प्रतिभूमि राशि का भुगतान केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से होगा। मैनुअल माध्यम से भुगतान स्वीकार नहीं किया जाएगा। 2. विक्रेताओं को वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध कोटेशन पृष्ट के माध्यम से कोट करना चाहिए। **नोट: a)** पात्रता मानदंडो को पूरा करने वाली संस्था को इस निविदा में कोट करता चाहिए। **b)** विस्तृत विनिदेर्शन के लिए कृपया IREPS साइट यानि **http://www.ireps.gov.in** देखे

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/
पीआर/आर/आरडब्ल्यूएसएस/एपी/189 **द.पू.म रेलवे, रायपुर**
South East Central Railway @secrail

कार्यालय सेनानी 6वी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल जिला-रायगढ़ (छ.ग.)
निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-6वीं वाहिनी/ छसबल/ सा.अ./ **A/912/A 2023** रायगढ़, दिनांक 05/12/2023
निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 2712/2023 3.00 बजे
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि 27/12/2023 3.00 बजे
निविदा खोलने की तिथि - 27/12/2023 4.00 बजे
निविदा प्रपत्र का मूल्य - 750/- निविदाकार की श्रेणी- द से अ तक

एनआईटी क्रं. निविदा क्रं.	नाम आयटम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू.में) बैंक साल्वेंसी (रू.में)
1	सेनानी, 6वीं वाहिनी छ.स.बल रायगढ़ (छ.ग.) **1(Dunnage)** डनेज बॉक्स-20नग।	4,80,000/- 14,400/- 72,000/-

अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।
सेनानी
6वीं वाहिनी छ.स.बल
रायगढ़ (छ.ग.)
जी- 06176/1

कार्यालय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र बिलासपुर (छ.ग.)
आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल दीनदयाल आवास योजना सैदा सकरी स्थित भवन क्रमांक एल.आई.जी-229 श्रीमती आरती शर्मा पति श्री विनोद कुमार शर्मा को स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 28.02.2013 को पंजीकृत करा लिया गया है। आबंटी अपने उक्त भवन को द्वितीय क्रेता श्री रंजीत कुमार चतुर्वेदी पिता स्व. श्री अग्रवाल चतुर्वेदी ग्राम खरौदा बिल्हा बरतोरी बिलासपुर छ.ग. को विक्रय करना चाहते हैं। उक्त भवन का विक्रय अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु दिनांक 10.11.2023 को कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

किसी व्यक्ति, शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद में आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र- बिलासपुर

न्यायालय तहसीलदार (परि.भूमि) सक्ती, जिला-सक्ती (छ.ग.)
॥ ईश्तहार ॥

क्रमांक /Q / तह./ वाचक/ 2023 सक्ती, दिनांक 06.12.2023
रा.प्र.क्र. अ-2 / 2022-2023
ग्राम सोंठी, तहसील-सक्ती

एतद् द्वारा आम जनता साकिन सोंठी, प.ह.नं. 16, तहसील सक्ती, जिला-सक्ती (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मीरा साहू पति श्री भुनेश्वर प्रसाद साहू निवासी ग्राम किरारी (बा.), तहसील बाराद्वार, जिला-सक्ती (छ.ग.) के द्वारा ग्राम सोंठी, प.ह.नं. 16, तहसील सक्ती, जिला सक्ती (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 412/7 रकबा 0.022 हेक्ट. भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बाबत अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सक्ती के न्यायालय से इस न्यायालय को जांच प्रतिवेदन हेतु प्रकरण प्राप्त हुआ है।

अत: आवेदिका के उक्त भूमि का आवासीय प्रयोजन व्यपवर्तन किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो वे अपनी आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 20.12.2023 को स्वयं या जरिये अधिवक्ता के द्वारा उपस्थित होकर विधि अनुसार लिखित रूप में पेश कर सकते हैं पेशी तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06.12.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

सील
तहसीलदार (परि.भू.)
सक्ती

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम **मोहम्मद खालिद फरीदी** (MOHAMMAD KHALED FARIDI) पिता ए.डब्लू फरीदी (A.W. FARIDI) अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम **मोहम्मद खालिद फरीदी** (MOHAMMAD KHALID FARIDI) पिता ए.डब्लू (A.W. FARIDI) निवासी 627 रतनपुर रोड मस्जिद के पास कोनी वार्ड-8 कोनी बिलासपुर (छ.ग.) 495009 रख लिया हूं अत: अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम **मोहम्मद खालिद फरीदी** (MOHAMMAD KHALID FARIDI) **पिता ए.डब्लू.** (A.W. FARIDI) से जाना एवं पहचाना जाय।

मोहम्मद खालिद फरीदी
(MOHAMMAD KHALID FARIDI)
निवासी 627 रतनपुर रोड मस्जिद के पास कोनी वार्ड-8 कोनी बिलासपुर (छ.ग.) 495009

देश

उवाच

जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल को सीटें मनोनीत करने की शक्ति देना इस बात का सबूत है कि भाजपा को पता है कि मनोनीत सीटों की मदद से उन्हें संख्या नहीं मिलेगी, वे अपनी छवि बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

-उमर अब्दुल्ला,जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	22°	1°
मुंबई	29°	26°
कोलकाता	23°	19°
चेन्नई	29°	27°

सिर्फ वादे ही करती आ रही केंद्र सरकार : कांग्रेस

सदन में विपक्ष ने देश की आर्थिक स्थिति पर चर्चा के दौरान केंद्र सरकार पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। संसद में देश की आर्थिक स्थिति पर सदन में मंगलवार से जारी चर्चा में कांग्रेस के विवेक तन्खा ने कहा कि सरकार तारीख पर तारीख देती आ रही है लेकिन देश में विकास अब तक नहीं आया और सरकार केवल वादे ही करती आ रही है। उन्होंने कहा कि हर चीज महंगी होती जा रही है और बेरोजगारी की दर निरंतर बढ रही है। रुपया निरंतर गिरता जा रहा है और कृषि क्षेत्र की हालत खराब है ऐसे में आर्थिक वृद्धि कहां है।

उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था उसके सभी पैमानों की कसौटी पर विफल है। कांग्रेस की जेबी माथेर हीशम ने कहा कि कांग्रेस के 60 वर्षों के कार्यकाल में देश में दुनिया की 10वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में सफल रहा। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास का जो दावा कर रही है वह भ्रमित करने वाला है क्योंकि गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रत्येक भारतीय पर ऋण ढाई गुना से अधिक बढ़ा है। देश में वर्ष 2013-14 में बेरोजगारी दर चार प्रतिशत से कुछ अधिक थी लेकिन पिछले नौ वर्षों में बढ़कर यह अभी 7.90 प्रतिशत पर पहुंच गई है। तृणमूल कांग्रेस के जवाहर सरकार और द्रमुक के पी बिल्सन ने भी अर्थव्यवस्था को लेकर अपने विचार रखे और अर्थव्यवस्था से जुड़े आंकड़ों पर

रुपया निरंतर गिरता जा रहा है व कृषि क्षेत्र की हालत खराब है ऐसे में आर्थिक वृद्धि कहां है : विवेक तन्खा

सरकार की ओलाचना की। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की डा. फौजिया खान ने कहा कि आर्थिक वृद्धि केवल आंकड़े नहीं होते और इसके लिए जमीनी हकीकत का आकलन किया जाना चाहिए। देश में बेरोजगारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कवि देवी प्रसाद मिश्र की कविता 'बेरोजगार' की कुछ लाइनें भी पढ़ी। कविता में बेरोजगार युवक की व्यथा बताते हुए कहा गया है, यह सवाल उसे शर्मिंदा करता है कि वह क्या कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश में आत्महत्या करने वालों में नौ प्रतिशत बेरोजगार हैं।

लोगों को आंकड़ों की भूलभुलैया में उलझा रहा है सत्ता पक्ष : सपा

समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव ने कहा कि आंकड़ों के बजाय देश के गांवों की जमीनी हकीकत अर्थव्यवस्था की वास्तविक तस्वीर पेश करती है। यादव ने देश की आर्थिक स्थिति पर सदन में कहा कि सत्ता पक्ष अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर लोगों को आंकड़ों की भूलभुलैया में उलझा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि आंकड़ों से ही अर्थव्यवस्था की हालत का पता चलता है तो प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत का नम्बर 190 देशों में 130 वां है। भुखमरी के अंतरराष्ट्रीय सूचकांक में भी 125 देशों में भारत का नम्बर 111 वां है।

उन्होंने कहा कि केवल आंकड़े अर्थव्यवस्था की वास्तविक हालत पेश नहीं करते इसके लिए जमीनी तस्वीर को देखना जरूरी है। तृणमूल कांग्रेस के सांतनु सेन ने कहा कि देश में दो डॉलर से कम की दैनिक आय वाले लोगों की संख्या करोड़ो में है। देश में पश्चिम बंगाल के साथ दोहरा व्यवहार किए जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को राजनीति तौर पर नहीं हराने के कारण केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार प्रदेश के साथ बदले की भावना से काम कर रही है। बीजू जनता दल के अमर पटनायक ने कहा कि पिछले 10 वर्ष में सरकार के लगातार प्रयासों से भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती आई है। कोविड काल और यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण जहां दुनिया भर की अर्थव्यवस्थायें धीमी पड़ रही हैं, वहीं मोदी सरकार की कुशल आर्थिक नीतियों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़ रही है। शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि रुपया तेजी से गिर रहा है। यह चिंतनीय है। इसके असर महंगाई में वृद्धि हो रही है।

देश में अमीर-गरीब का अंतर बढ़ रहा है। देश में परिसंपदा कुछ हाथों में केंद्रित होती जा रही है। वाईएसआरसीपी के अयोध्या रामी रेड्डी ने कहा कि देश में अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जान ब्रिटास ने कहा कि केरल को उसका वित्तीय आवंटन चुकाना चाहिए। यह धन जन कल्याण पर खर्च किया जाना है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार प्रचार में जुटी हुई है जबकि जमीनी वास्तविकता अलग है।

भाजपा के नागेंद्र राय ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है और लोगों को इसका लाभ पहुंच रहा है। तृणमूल कांग्रेस के अबीर रंजन विस्वास ने सरकार पर जांच एजेन्सियों का दुरुपयोग कर राजनीतिक हित साधने का आरोप लगाया।

अर्थव्यवस्था की गलत तस्वीर पेश कर रहा है सत्ता पक्ष : भाकपा

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम ने कहा कि सत्ता पक्ष अर्थव्यवस्था की गलत तस्वीर पेश कर रहा है और सच्चाई यह है कि देश में लोग भूखे और बेरोजगार हैं। भाजपा ने सत्ता में आने से पहले हर वर्ष दो करोड़ रोजगार देने का वादा किया था लेकिन उसे पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल प्रचार के बल पर देश की सुंदर तस्वीर पेश कर रही है जो हकीकत से दूर है। झामुमो की महुआ माजी ने कहा कि सत्ता पक्ष देश को विश्वगुरू बनाने की बात कर रहा है लेकिन वह यह भूल जाता है कि इसके लिए पहले आर्थिक मजबूती की जरूरत होती है जब देश का नागरिक आर्थिक रूप से मजबूत होगा तो वह कला, संस्कृति और ज्ञान को समृद्ध करेगा तो देश विश्व गुरू अपने आप बन जाएगा। उन्होंने सेनाओं की लिए शुरू की गई अग्निपथ योजना की भी आलोचना की और कहा कि सेना से लौटने वाले अग्निवीर का आगे का जीवन अनिश्चित रहता है।

संसद से

चक्रवाती तूफान मिचौंग को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग

लोकसभा में बुधवार को द्रमुक के वरिष्ठ सदस्य टी आर बालू ने शक्तिशाली चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण तमिलनाडु और राजधानी चेन्नई में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण हुई तबाही को देखते हुए इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की गई। बालू ने शून्य काल में कहा कि चक्रवाती तूफान के प्रकोप के कारण तमिलनाडु के कई इलाकों और राज्य की राजधानी चेन्नई में भारी बारिश के कारण भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने और पूरे तमिलनाडु के लिए खाद्यान्न और अन्य राहत पहुंचाने की केंद्र सरकार से मांग की। उन्होंने पूरे तमिलनाडु को राष्ट्रीय आपदा से प्रभावित घोषित किए जाने की भी मांग की। तमिलनाडु में तत्काल केंद्रीय दल भेजकर मिचौंग तूफान से हुए नुकसान का आकलन कराया जाए।

राज्यसभा में उठी भारत- बांग्लादेश सीमा पर तारबंदी करने की मांग

भारतीय जनता पार्टी के पश्चिम बंगाल से सदस्य नगेन्द्र राय ने भारत बंगलादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तारबंदी किए जाने की मांग उठाते हुए बुधवार को राज्यसभा में कहा कि कुछ इलाके में तारबंदी नहीं है जो देश के लिए खतरा बन गया है। राय ने शून्यकाल के दौरान सदन में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में तारबंदी नहीं है वहां से अवैध रूप से बंगलादेश से लोग आ रहे हैं। पश्चिम बंगाल में आने पर उनका नन्न सिर्फ वोटर कार्ड बनाया जाता है बल्कि उनको सभी सुविधायें दी जा रही है जो देश में लिए बहुत बड़ा खतरा हो सकता है।

तेन्दु पत्ता पर जीएसटी वापस लिया जाए : पात्रा

ओडिशा से बीजू जनता दल सदस्य सस्मित पात्रा ने बुधवार को राज्यसभा में मांग की कि केंद्र सरकार को तेंदु पत्ता पर लगाए गए 18 प्रतिशत जीएसटी को तत्काल वापस लेना चाहिए। पात्रा ने सदन में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि इसको लेकर राज्य सरकार भी केंद्र को कई बार पत्र लिख चुकी है लेकिन केंद्र सरकार इस जीएसटी को वापस नहीं ले रही है जिससे तेंदु पत्ता के माध्यम से जीवनयापन करने वाले परिवार बूरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। बीजद के नरेन्द्र बिशी ने राज्य के तीतलागढ़ में केंद्रीय विद्यालय बनाए जाने की मांग की। इस इलाके में केन्द्रीय विद्यालय की महत्ती जरूरत है।

ओडिशा में पीएम आवास योजना के तहत राशि जारी करने की मांग

बीजू जनता दल के अमर पटनायक ने बुधवार को राज्यसभा में मांग की कि ओडिशा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सात लाख घरों के निर्माण के लिए केंद्र सरकार तत्काल राशि जारी करे। पटनायक ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मांग करते हुए कहा कि इस योजना के तहत ओडिशा सरकार ने 15 लाख घरों के निर्माण को मंजूरी दी थी जिमेंन से साढ़े तीन वर्षों में आठ लाख घरों का निर्माण कराया जा चुका है और सात घरों का निर्माण किया जाना शेष है। उन्होंने कहा कि यह योजना समाज के सबसे कमजोर वर्ग के लिए है और उनको लाभ पहुंचाने के लिए केन्द्र को शेष सात लाख घरों के निर्माण के लिए राशि जारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ओडिशा सरकार ने माय हाउस स्कीम शुरू की है और इसके तहत भी गरीबों को घर दिया जा रहा है।

कोयले का उत्पादन एक अरब टन होने का अनुमान : प्रह्लाद जोशी

सरकार ने लोकसभा में कहा कि देश में कोयले का उत्पादन करीब एक अरब टन होने की संभावना है और आने वाले समय में कोयले का आयात बंद किया जाएगा। केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि पहले देश में 54 करोड़ टन से लेकर 56.5 करोड़ टन तक कोयले का उत्पादन होता था, लेकिन इस बार यह आंकड़ा एक अरब टन का होने वाला है। उन्होंने कहा कि भारत कोयला उत्पादन के मामले में न केवल आत्मनिर्भर बनेगा बल्कि आने वाले समय में इसका आयात बंद कर दिया जाएगा।

पंजाब में केंद्रीय दल भेजकर चिकन गुनिया की जांच कराएं : औजला

लोकसभा में बुधवार को पंजाब खासकर अमृतसर जिले में चिकनगुनिया के प्रकोप का मुद्दा उठाया गया और इसकी रोकथाम के उपाय तत्काल करने की मांग की गई। कांग्रेस के अमृतसर लोकसभा क्षेत्र के सदस्य गुरजीत सिंह औजला ने शून्य काल में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि उनके क्षेत्र और इसके निकटवर्ती इलाकों में काफी दिनों से चिकनगुनिया का प्रकोप है। इससे करीब 25 लाख परिवार पीड़ित हैं। इसका कोई सटीक उपचार उपलब्ध नहीं है जिससे लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस बुखार के कारण लोगों को बहुत कमजोरी आ जाती है और वह छह-छह महीने तक पूरी तरह से स्वस्थ

सार संक्षेप

जम्मू के एक स्कूल में बम अफवाह पर फैली दहशत

श्रीनगर। जम्मू के एक निजी स्कूल में बुधवार को बम होने की फर्जी कॉल से दशहत फैल गई। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्कूल के प्रबंधन को बुधवसार सुबह बम की धमकी भरा फोन आया। पुलिस ने कहा कि स्कूल अधिकारियों से सूचना मिलने पर उनकी टीम और बम निरोधक दस्ता घटनास्थल पर पहुंचे। बीडीएस ने स्कूल की तलाशी ली और कुछ नहीं मिला। सूत्रों ने कहा कि फर्जी कॉल से स्कूल स्टाफ और आसपास के इलाके में दहशत फैल गई।

सिवनी हादसे के परिजनों को सहायता की घोषणा

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सिवनी जिले के धूमा थाना क्षेत्र के धपारा गांव में कुएं में डूबकर 3 लोगों की मृत्यु पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजन को 4 लाख रुपए की राहत राशि देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि यह अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित कर ईश्वर से शोकाकुल परिजन को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि इस हृदय विदारक दुर्घटना में मृतकों के परिजन को 4 लाख रुपए की राहत राशि प्रदान की जाएगी।

एल ख्यांगते बने झारखंड के मुख्य सचिव

रांची। झारखंड सरकार ने राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह का तबादला कर दिया है। कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की ओर से बुधवार को यहां जारी अधिसूचना के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एल ख्यांगते को झारखंड के मुख्य सचिव के पद पर पदस्थापित किया है। सुखदेव सिंह को अगले आदेश तक श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान झारखंड रांची के महानिदेशक पद पर पदस्थापित किया गया है।

महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ.अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फणनवीस और अजीत पवार ने बुधवार को महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर भारत रत्न डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर को उनकी 67वीं पुण्य तिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शहर के संरक्षक मंत्री दीपक केसरकर, मुंबई उपनगर के संरक्षक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, खेल और युवा कल्याण मंत्री संजय बंसोडे, सांसद राहुल शेवाले, विधायक आशीष शेलार, प्रवीण दारेकर, सदा सरवणकर कालिदास कोलंबकर और कई अन्य लोगों ने चैत्यभूमि का दौरा किया और बाबासाहेब की प्रतीमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

बिहार में बैंक से 15 लाख लूटकर बदमाश फरार

पटना, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। बिहार में अपराधों का तांडव लगातार बढ़ता ही जा रहा है राज्य के अंदर शायद ही कोई ऐसा दिन गुजरता हो जिस दिन हत्या, लूट और चिंताई की खबरें निकलकर सामने नहीं आती हो। इसी करीब में अब एक ताजा मामला भोजपुर जिला मुख्यालय आरा से निकल कर सामने आया है। जहां एक बैंक के अंदर सात लुटेरे घुस गए। उसके बाद जो हुआ वह अपने आप में एक फिल्मी अंदाज बन गया। दरअसल, आरा के एक्सिस बैंक में साथ लुटेरे बैंक लूटने पहुंचे इसके बाद वह बैंक के अंदर घुसे है तो बैंक के स्टाफ ने चालकी दिखाते हुए। बैंक का शटर बाहर से बंद कर दिया। उसके बाद पुलिस ने बैंक को चारों तरफ से घेर लिया और बाहर से माइकिंग के जरिए अपराधियों को सरेंडर करने को कहा। मिली जानकारी के अनुसार, नवादा थाना क्षेत्र के कतीरा मोड़ स्थित ऐक्सिस बैंक में बुधवार को हथियार बंद लूटेरे लूटपाट करने की नीयत से घूस गए। सुबह लगभग 11 बजे सात-आठ हथियारबंद अपराधी लूटपाट की नीयत से घुसे। जिसके बाद पुलिस ने बैंक को सामने से घेर लिया। गोलीबारी की आशंका को देखते हुए बुलेट प्रूफ जैकेट भी मंगवा लिए। लेकिन इसी बीच लुटेरे कैश काउंटर से 15 लाख रुपए लूटकर बैंक में ताला मार पिछले रास्ते से भाग गए।

मिचौंग से हुए नुकसान पर स्टालिन ने मोदी को लिखा पत्र

मांगी 5,060 करोड़ रुपए की अंतरिम राहत

चेन्नई, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 5,060 करोड़ रुपए की अंतरिम राहत देने और चक्रवात मिचौंग से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए एक केंद्रीय टीम भेजने की भेजने की अपील की। मिचौंग तूफान के कारण चेन्नई और उसके तीन पड़ोसी जिलों में भारी बारिश हुई। स्टालिन ने कहा कि राज्य सरकार ने भी चक्रवात से हुए नुकसान का आकलन करना शुरू कर दिया है और एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी तथा केंद्र सरकार से अतिरिक्त धन का अनुरोध करेगी। उन्होंने कहा था कि राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित चेन्नई और चेंगलपट्टू, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर जिले में राहत उपाय करने के लिए केंद्र से अंतरिम राहत के रूप में 5,000 करोड़ रुपए की मांग करेगी। अब स्टालिन ने इस संबंध में प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर तत्काल राहत के रूप में 5,060 करोड़ रुपए

प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए केंद्रीय टीम भेजे क्रेंद : स्टालिन

की केंद्रीय निधि जारी करने की मांग की है। स्टालिन ने मोदी को बताया कि चक्रवात के कारण चेन्नई, तिरुवल्लुर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में अभूतपूर्व भारी बारिश हुई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि स्टालिन ने मोदी को लिखे पत्र में इन तथ्यों का विस्तार से उल्लेख किया है और अंतरिम राहत के रूप में 5,060 करोड़ रुपए तत्काल जारी करने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चक्रवात (जिसके कारण दक्षिण आंध्र प्रदेश तट पर जाने और बापटला के पास भूस्खलन से पहले उत्तरी तमिलनाडु तट में प्रवेश करने पर मूसलाधार बारिश हुई) से हुए नुकसान के विस्तृत आकलन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

चेन्नई को दिए गए चार हजार करोड़ रुपए

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई शहर में हाल ही में आया शक्तिशाली तूफान 'मिचौंग' के कारण भारी वर्षा से अचानक बाढ़ से शहर में कम तबाही होने पर मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने बुधवार को कहा कि इस तूफान से मचने वाली तबाही से शहर को सुरक्षित रखने के लिए राज्य सरकार ने चार हजार करोड़ रुपए दिए। स्टालिन ने कहा कि राज्य अन्य प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों के लिए, पांच हजार करोड़ रुपए की केंद्र से अंतरिम वित्तीय सहायता की मांग करेगा। उन्होंने कहा कि द्रमुक सांसद केंद्र से पांच करोड़ रुपए की अंतरिम राहत पाने के लिए इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे।

रेवंत रेड्डी का डीएनए वाला बयान निंदनीय : ऋतुराज सिन्हा

पटना, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने तेलंगाना के होने वाले कांग्रेस पार्टी के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के उस बयान पर कड़ा ऐतराज जताया है जिसमे उन्होंने बिहार के कुर्मी समाज के लोगों का डीएनए तेलंगाना के कुर्मी समाज से नीचा बताया है। ऋतुराज ने कहा यह बहुत ही शर्म की बात है किसी प्रदेश के मुख्यमंत्री इस तरह के बयान देते है। दूसरे के डीएनए में झांकने के पहले कांग्रेस पार्टी खुद अपने गिरेबान में झांक कर देखे। अब कांग्रेस पार्टी खुद सोच ले कि जब उन्ही के पार्टी के मुख्यमंत्री बिहार के लोगों पर अभद्र टिप्पणी करते हैं तो बिहार में कांग्रेस, बिहार की जनता से किस मुंह से वोट मांगेंगे। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछा कि अब नीतीश खुद बताए कि

क्या एक ऐसी पार्टी के साथ वे खड़े होंगे जिनके मुख्यमंत्री, नेता बिहार और बिहारवासियों के प्रति अपमान का बोध रखते हैं।

हर कोई जानता है कि सड़क बनने से लेकर आईटी तक, बैंकिंग से लेकर सरकारी प्रशासन तक के कार्यों के निष्पादन में बिहारी की भागीदारी कितनी अहम है। उन्होंने कहा की बिहार के लोग सौम्य और शांत स्वभाव के होते है मगर यह भी सत्य है कि अगर इस तरह की टिपण्णी से उनके अस्मिता पर सवाल उठाया जाएगा तो जान लीजिए बिहार के लोग मुहतोड़ जवाब देना भी अच्छी तरह जानते हैं।

कुर्मी भाइयों-बहनों का किया गया अपमान : नित्यानंद

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री एवं बिहार भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष नित्यानंद राय ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बिहारियों पर की गई जातिसूचक टिप्पणी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। भाजपा नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री रेड्डी का बयान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी की राजनीति का हिस्सा है। पूरी निर्लजता से बिहार के हमारे कुर्मी भाइयों-बहनों का अपमान कांग्रेस कर रही है।

झारखंड विसधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 से

रांची, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 दिसम्बर से प्रारंभ होगा। इससे संबंधित प्रस्ताव पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। सत्र 22 दिसम्बर तक चलेगा और इसमें छह कार्य दिवस होंगे। यह सत्र कई मायने में अहम होगा। सरकार इस सत्र में डोमिसाइल, आरक्षण वृद्धि और एंटी मॉब लिंचिंग बिल फिर से ला सकती है। पूर्व में पारित ये तीनों बिल राज्यपाल अलग-अलग वजहों से लौटा चुके हैं। झारखंड की पांचवीं विधानसभा के गठन के करीब चार साल बाद यह पहला सत्र होगा, जिसमें नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी खाली नहीं होगी। झारखंड भाजपा विधायक दल के नए नेता अमर कुमार बाउरी को विधानसभा अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष के तौर पर मान्यता दे दी है। इसके पहले भाजपा ने बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बनाया था, लेकिन उनके खिलाफ दल-बदल का केस लंबित रहने की वजह से उन्हें नेता प्रतिपक्ष के तौर पर मान्यता नहीं दी गई थी। हालांकि, इस मामले को लेकर भाजपा ने पांचवीं विधानसभा के शुरुआती दो-तीन सत्रों में जबरदस्त हंगामा किया था।

■ चार साल बाद पहली बार सदन में दिखेंगे नेता प्रतिपक्ष

जानकारी *तेलंगाना में नामांकन दाखिल करते समय हलफनामे में चुनाव आयोग को दी गई जानकारी में खुलासा*

छह विधायकों के पास सौ करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति

हैदराबाद, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के गद्दाम विवेकानंद नवनिर्वाचित तेलंगाना विधानसभा में सबसे अमीर विधायक हैं, जिनकी घोषित पारिवारिक संपत्ति 66 करोड़ रुपए से अधिक है। नामांकन दाखिल करते समय एक हलफनामे में चुनाव आयोग को दी गई जानकारी के अनुसार, 119 विधायकों में से छह विधायकों के पास।

सौ करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है। उनमें से पांच सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी से हैं और एक भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से है। सोलह विधायकों के पास 50 करोड़ से 100 करोड़ रुपए तक की संपत्ति है. कम से कम 90 लोगों के पास 50 करोड़ रुपए से कम की संपत्ति है और केवल सात ऐसे हैं जिन्होंने 1 करोड़ रुपए से कम की संपत्ति घोषित की है। चुनाव से एक महीने पहले ही भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वाले विवेकानंद मंचेरियल जिले के चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। विवेक, जैसा कि उद्योगपति राजनेता लोकप्रिय रूप से जाने जाते हैं, विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संस्थापक और अध्यक्ष हैं। उनकी पत्नी सरोजा कंपनी की प्रबंध निदेशक हैं। 66 वर्षीय पूर्व सांसद के पास उस्मानिया विश्वविद्यालय से एमबीबीएस की डिग्री भी है।

2009 में कांग्रेस के टिकट पर पेद्दापल्ली से लोकसभा के लिए चुने गए विवेक कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत जी.वेंकटस्वामी के बेटे हैं। विवेक के भाई और पूर्व मंत्री जी. विनोद भी कांग्रेस से हैं, जो सबसे अमीर विधायकों में से एक हैं। बेल्लमपल्ली से निर्वाचित, उन्होंने 197 करोड़ रुपए की संपत्ति घोषित की।

■ सोलह विधायकों के पास 50 करोड़ से 100 करोड़ रुपए तक की है संपत्ति

458 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ कांग्रेस पार्टी के कोमाटिरेड्टी राजगोपाल रेड्डी दूसरे सबसे अमीर विधायक हैं। वह नलगोंडा जिले के मुनुगोडे निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। उन्होंने भी चुनाव से एक महीने पहले बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में वापसी की थी। भाजपा में शामिल होने से पहले वह पिछले साल अगस्त तक कांग्रेस में थे लेकिन मुनुगोडे से उपचुनाव हार गए। कांग्रेस पार्टी के पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी तीसरे सबसे अमीर विधायक हैं, जिनकी घोषित पारिवारिक संपत्ति लगभग 434 करोड़ रुपए है। खम्मम जिले के पलेयर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीतने वाले पोंगुलेटी कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए सत्तारूढ़ पार्टी बीआरएस द्वारा निलंबित किए जाने के कुछ महीने बाद जुलाई में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण पोंगुलेटी ने हलफनामे में बताया कि वह कृषक, सामाजिक कार्यकर्ता और व्यवसायी हैं जबकि उनकी पत्नी कृषक और व्यवसायी हैं।

कांग्रेस पार्टी के पूर्व मंत्री पी. सुदर्शन रेड्डी की कुल संपत्ति 102 करोड़ रुपये से अधिक है। मेडक सांसद के. प्रभाकर रेड्डी, जो दुब्बाक से चुने गए हैं, 100 करोड़ रुपए से अधिक क्लब में अकेले बीआरएस विधायक हैं।

बिलासपुर, गुरूवार 7 दिसम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

किताब के बहाने डॉ कफील को घेरने की कोशिश

साल 2017 में गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण बच्चों की मौत के बाद चर्चा में आए डॉ कफील खान एक बार फिर सुर्ख़ियों में हैं। उनके और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ उस किताब को लेकर मामला दर्ज किया गया है, जो डॉ कफील ने दो साल पहले 'द गोरखपुर हॉस्पिटल ट्रेजेडी : अ डॉक्टर्स मेमॉयर ऑफ़ अ डेडली मेडिकल क्राइसिस' शीर्षक से लिखी और प्रकाशित करवाई थी। लखनऊ के एक व्यापारी मनीष शुक्ला ने पुलिस को की गई अपनी शिकायत में कहा है कि इस किताब के जरिए राज्य सरकार को उखाड़ फेंकने और केंद्र के खिलाफ बातें कही गई हैं। शुक्ला ने आरोप लगाया है, कि लोगों को सरकार के ख़िलाफ़ भड़काने और समाज में विभाजन पैदा करने के लिए डॉ. कफ़ील ख़ान द्वारा लिखी गई किताब बांटी जा रही है।' भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के उल्लंघन के तहत दर्ज शिकायत के अनुसार, डॉ. कफील खान की किताब उनके समर्थकों को 'धन जुटाने और अपनी बेगुनाही साबित करने के लिये बेची जा रही है।'

एक खबरिया वेबसाइट के मुताबिक मनीष शुक्ला ने बताया है कि उसने चार-पांच लोगों को फोन पर इस साज़िश के बारे में चर्चा करते हुए सुना। जबकि दूसरी वेबसाइट ने शिकायत का संदर्भ देते हुए लिखा है कि मनीष शुक्ला 1 दिसंबर को किसी काम से माताजी की बगिया गए थे। वहां गुमटी के पीछे चार-पांच लोग बातचीत कर रहे थे। वे सभी राज्य सरकार, उनके मंत्रियों व वरिष्ठ अफसरों को लेकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। वे कह रहे थे कि 'डॉ कफील ने गुप्त रूप से एक किताब छपवाई है, उसे प्रदेश भर में बांटा जा रहा है। वे लोग को किताब लोकसभा चुनाव से पहले समुदाय विशेष के हर शख्स तक पहुंचाने की बात कर रहे थे और कह रहे थे कि किसी भी कीमत पर सरकार को उखाड़ फेंकना है, चाहे इसके लिए दंगा ही क्यों न करवाना पड़े।' शुक्ला ने कहा कि साजिश करने वाले अपनी बातें सुने जाने की भनक लगते ही मौके से भाग खड़े हुए। इस प्रकरण पर आज़ाद अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर- जो खुद भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे हैं, ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि जानबूझकर परेशान करने के लिए यह एफआईआर दर्ज की गई है और कई ऐसी धाराएं लगाई गई है जो स्वयं मामला दर्ज करने के लिए दी गई तहरीर से ही नहीं बनती हैं। इनमें कूटरचना से जुड़ी धाराएं, 465, 467, 471 और किसी पूजा स्थल को क्षतिग्रस्त करने से जुड़ी धारा 295 शामिल है।

श्री ठाकुर ने कहा कि किताब को चोरी-छिपे छपवाये जाने का आरोप भी पूरी तरह गलत दिखाई पड़ता है क्योंकि वह तो ऑनलाइन उपलब्ध है। ऐसा मालूम होता है कि सत्ताधारी पार्टी के विरोध में पुस्तक लिखने के कारण डॉ. कफील के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया है। कृष्णा नगर थाने के एसएचओ जितेंद्र प्रताप सिंह ने भी कहा कि अभी तक किताब में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला है। आज़ाद अधिकार सेना के अध्यक्ष और एसएचओ- दोनों के कथन से साफ़ है कि डॉ. कफील को फिर बलि का बकरा बनाने की कोशिश की जा रही है। वेबसाइट 'द क्विंट' से बातचीत में डॉ कफील खान ने कहा भी कि 'आप देखिए, चुनाव आ रहे हैं और एक पंचिंग बैग की ज़रूरत है। वे ज़ाहिर तौर पर फिल्म के लिए शाहरुख़ खान को तो नहीं छू सकते, लेकिन मेरे ख़िलाफ़ तो कार्रवाई कर सकते हैं।' मालूम हो कि डॉ. कफील ने कुछ दिन पहले ही शाहरुख खान की फ़िल्म जवान का एक हिस्सा अपनी किताब से प्रेरित बताया था और उसके लिये शाहरुख को धन्यवाद भी दिया था।

ये पहली बार नहीं है जब सरकार से असहमत या उसके विरोधी किसी व्यक्ति के ख़िलाफ़ केवल शक या सुनी सुनाई बातों की बिना पर कार्रवाई कर दी गई हो। ख़ुद डॉ कफील अपने कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में महीनों जेल में रहे और फिर अदालत ने बाइज्ज़त उनकी रिहाई का हुक्म दिया। अभी भी कई मामले उनके ख़िलाफ़ चल रहे हैं। सवाल ये है कि उनकी किताब जब दो साल से ऑनलाइन ही सही, बाज़ार में है और ऐसी है कि उससे किसी सरकार को ख़तरा पैदा हो सकता है तो इतने दिन प्रशासन और पुलिस चुप क्यों बैठे रहे? जिस देश में ज़रा ज़रा सी बात पर लोगों की भावनाएं आहत होने के मामले फ़ौरन कायम हो जाते हैं, सरकार के ख़िलाफ़ बोलने वालों को नक्सली या आतंकवादी बता दिया जाता है, क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरे देश की जीत पर लोग बिना देर किये गाली-गलौज करने लगते हैं और उस देश की टीम के कप्तान की पत्नी और बेटी से बलात्कार की धमकी देने लगते हैं, वहां एक 'ख़तरनाक' किताब को दो साल तक क्यों बर्दाश्त किया जाता रहा? क्या शिकायत करने वाले ने उस किताब को खुद पढ़ा भी है या महज खुसुर-पुसुर सुनकर उसने किताब के बारे में धारणा बना ली? या फिर शुक्ला जी को शरलक होम्स समझकर उनकी बात को सच मान लिया गया? कहीं ऐसा तो नहीं कि डॉ. कफील को ताउम्र सलाखों के पीछे न रख पाने की खुन्नस उनकी किताब के बहाने निकाली जा रही हो?

आसमान में सूराख कैसे करेगी कांग्रेस

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

छह दिसंबर 1992 का दिन था, जब ऐतिहासिक बाबरी मस्जिद को तोड़कर, भाजपा की सत्ता की नींव देश में मजबूती से रख दी गई थी। अब उस जगह पर भव्य राम मंदिर बन कर लगभग तैयार है, जिसका उद्घाटन कर अगले कई दशकों तक भाजपा अपनी सत्ता को पक्का बना लेना चाहती है। 1956 के बाद 1992 को बाबा अंबेडकर की दोबारा मौत हुई थी। एक बार स्वाभाविक मृत्यु आने के बाद, दूसरी बार बाबा साहब के सपनों को कुचलकर मौत देने से उन्हें कितनी तकलीफ हुई होगी, यह बताने के लिए वे भौतिक तौर पर उपस्थित नहीं हैं। लेकिन आसपास नजर उठाकर देख लीजिए, गैरबराबरी के शिकार लोगों की तकलीफें उसी पीड़ा को अभिव्यक्त करेंगी, जो डॉ.अंबेडकर और पूरी संविधान सभा के लोगों को हुई होगी। छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद प्रत्यक्ष तौर पर तोड़ी गई थी, मगर उसके साथ-साथ संविधान को भी तहस-नहस किया गया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, भाजपा और यहां तक कि कांग्रेस में भी बहुत से लोग होंगे, जो इस दिन को भारत के लिए गौरवशाली मानते होंगे, मगर आने वाली पीढ़ियां शायद इस बात को समझेंगी कि संवैधानिक मूल्यों को सहेज कर न रख पाने की कितनी बड़ी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है।

अभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म हुए हैं और इसके बाद आम चुनाव की चर्चा तेज हो गई है। पांच में से तीन राज्यों में जीत कर भाजपा अब हैट्रिक की बात करने लगी है। ये हैट्रिक तीन राज्यों की जीत की नहीं, बल्कि सत्ता में लगातार तीसरी बार आने के लिए कही जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने तो इस बार लालकिले से ही ऐलान कर दिया था कि मैं ही अगली बार भी झंडा फहराने आऊंगा। तब विधानसभा चुनाव होने वाले थे और उससे पहले कर्नाटक में भाजपा मात खा चुकी थी, फिर भी श्री मोदी इस तरह के दावे कर रहे थे और अब तो तीन जीतों के साथ यह दावा और पुख्ता हो गया है। हालांकि ये बात तब भी लोकतंत्र के खिलाफ थी और अब भी है कि बिना चुनाव हुए ही, किसी की जीत या सत्ता वापसी की मुनादी कर दी जाए।

दरअसल अब चुनाव में प्रचार और रणनीतियां जमीनी तौर पर कम और दिमागी तौर पर अधिक असर करने वाली बनाई जाने लगी हैं। यह हिटलर के सहयोगी गोएबल्स का तरीका है कि किसी झूठ को सौ बार दोहराओ तो वो सच लगने लगता है। इस समय देश में भी झूठ और सच सब आपस में गड्ड-मड्ड हो गए हैं। फिलहाल सच यही है कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस का शोर होने के बावजूद भाजपा जीत गई है। बताया जा रहा है कि इस जीत पर अंदरखाने भाजपा के लोगों को भी यकीन नहीं हो रहा है। मध्यप्रदेश में पिछली बार भी कांग्रेस की जीत हुई थी और उसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के कारण सत्ता हाथ से निकल गई थी। कांग्रेस को उम्मीद थी कि इस सत्ता चोरी का जवाब जनता उसके हक में देगी। खुद श्री सिंधिया के साथ गए कई पूर्व कांग्रेसियों ने घरवापसी कर ली थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम लेने से बचते रहे। जब उम्मीदवार खड़े करने की बारी आई तो भाजपा ने सात सांसदों को मैदान में उतारा। इस बीच आदिवासी पेशाब कांड, महाकाल में मूर्तियों का गिरना, तरह-तरह के घोटाले और धांधलियों के कारण भाजपा की छवि खराब हुई। इन सबसे यही समझ आ रहा था कि जीत कांग्रेस को ही मिलने वाली है। लेकिन कांग्रेस की यह उम्मीद झूठी साबित हुई। या तो कांग्रेस अतिआत्मविश्वास और कमलनाथ पर यकीन करने का शिकार हो गई, या फिर जैसा आरोप लगाया जा रहा है ईवीएम की गड़बड़ी के कारण उसे हार मिली। दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ईवीएम में धांधलियों की शिकायत कर रहे हैं। लेकिन एक सच ये भी है कि मध्यप्रदेश में नरोत्तम मिश्रा जैसे नेता भी हार गए हैं। तो क्या ईवीएम की गड़बड़ी भी सोच-समझकर की गई है। ईवीएम को लेकर शिकायतें एक साल की बात नहीं है, हर साल, हर चुनाव में ईवीएम पर कई सवाल उठते हैं। चुनाव आयोग इस पर अडिग है कि ईवीएम में छेड़छाड़ नहीं हो सकती। भाजपा भी ईवीएम को लेकर सकारात्मक है, लेकिन कांग्रेस को शिकायत है और उसे लोकतंत्र पर ईवीएम से खतरा दिखाई दे रहा है तो फिर इस पर केवल रोना रोने से बात नहीं बनेगी। कांग्रेस को जमीन पर उतरकर बड़ा आंदोलन करना चाहिए। और इसका भी जिम्मा राहुल गांधी पर न छोड़कर उन नेताओं को सामने आना चाहिए, जिन्होंने सालों-साल कांग्रेस की सत्ता का सुख भोगा है। अन्ना हजारे से और कोई सबक कांग्रेस ने भले न लिया हो, शहीद होने की मुनादी करते हुए आंदोलन खड़ा करने का सबक तो ले ही लेना चाहिए। अन्ना तो गांधी के नाम को भाजपा के हक में इस्तेमाल कर गए और कांग्रेसी हाथ मलते रह गए। ईवीएम की जगह मतपत्रों से चुनाव करवाने की मुहिम छेड़ते हुए अगर अभी से आमरण अनशन पर बड़े कांग्रेस नेता बैठ जाएं, तो क्या इसका असर देश भर में नहीं जाएगा। राहुल गांधी ने तो 4 हजार किमी कदमों से नाप लिए, क्या दूसरे कांग्रेस नेता आमरण अनशन करने का कष्ट नहीं उठा सकते। अगर केवल समय बिताने के लिए शिकायतें करनी हैं, तब तो कोई बात नहीं। लेकिन अगर वाकई सूरत बदलनी है, आसमान में सूराख करना है तो पत्थर तबियत से उछालना ही होगा।

> **कांग्रेस को अगर वाकई देश के लोकतंत्र को बचाना है तो उसे जनता को यह समझाना होगा कि छह दिसंबर 1992 को देश ने क्या खोया है। और इसमें केवल भाजपा की बुराई या श्री मोदी का मखौल उड़ाने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस को ये भी साबित करना होगा कि उसके शासन में अभी से बेहतर क्या हो सकता है।**

मध्यप्रदेश में भाजपा अपनी सत्ता बरकरार रखने के साथ छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी सरकार बनाने में कामयाब हो गई। क्योंकि इन दोनों राज्यों में भी भाजपा को बहुत हल्के तरह से कांग्रेस लेती रही। दिल बहलाने को अब आंकड़े पेश किए जा रहे हैं कि कांग्रेस को मिजोरम छोड़ बाकी चारों राज्य मिलाकर 4,90,77,907 और भाजपा को 4,81,33,463 वोट मिले। लेकिन जब खेल सीटों की गिनती का है, तो वहां वोटों की गिनती करने से क्या फायदा। कई बार बुद्धिमान विद्यार्थी सब कुछ जानते हुए भी सही तरह से पांच सवाल हल नहीं करता है और वहीं सामान्य बुद्धि लगाकर कोई औसत छात्र उन्हीं पांच महत्वपूर्ण सवालों पर पूरा ध्यान देकर सही जवाब लिखता है और प्रथम आ जाता है। अब आप शिकायत करते रहिए कि ये उससे होशियार है, लेकिन जहां अंकों की लड़ाई है, वहां अंक ही ज्यादा लाने होंगे, बुद्धि दिखाने से कुछ नहीं होगा। तो मौजूदा राजनीति का एक कड़वा सच यही है कि कांग्रेस अपने गौरवशाली इतिहास, गांधी, नेहरू की विरासत, राहुल गांधी की मेहनत, उनकी जनपक्षधरता सबका लाभ होने के बावजूद जनता की नब्ज पकड़ने वाले मुद्दों को नहीं समझ पाती और भाजपा उन्हीं मुद्दों के आधार पर चुनाव में अधिक सीटें ले आती है। अपनी बुद्धि के कारण प्रथम आने का मौका छात्र ने गंवा दिया और अब भी सही सवाल पर फोकस नहीं कर पा रही है।

कांग्रेस को अगर वाकई देश के लोकतंत्र को बचाना है तो उसे जनता को यह समझाना होगा कि छह दिसंबर 1992 को देश ने क्या खोया है। और इसमें केवल भाजपा की बुराई या श्री मोदी का मखौल उड़ाने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस को ये भी साबित करना होगा कि उसके शासन में अभी से बेहतर क्या हो सकता है। राहुल गांधी जिस सामाजिक न्याय की बात करते रहे हैं, उसे कांग्रेस के सभी लोगों को एक साथ पूरे देश में प्रचारित-प्रसारित करने की जरूरत है। राहुल गांधी जिस अहंकार को छोड़ने की सलाह श्री मोदी को देते आए हैं, उस सलाह पर कांग्रेस के भी कई नेताओं को अमल करने की जरूरत है।

भाजपा तीसरी बार भी सत्ता में आने का दावा करके मतदान से पहले ही जनता को संदेश दे रही है कि उसका वोट मिले न मिले, सरकार भाजपा की ही बनेगी। ये मामूली चुनौती नहीं है। कांग्रेस केवल शिकायतों के आधार पर इसका मुकाबला नहीं कर पाएगी। पिछले 10 सालों में कांग्रेस ने देख लिया है कि संवैधानिक संस्थाएं, मीडिया और काफी हद तक न्यायतंत्र भी भाजपा के पक्ष में ही झुका हुआ है। तो इस बड़ी चुनौती के लिए जवाब भी बड़ा ही तैयार करना होगा। तीन राज्यों की हार पर मंथन के साथ कांग्रेस यह भी सोचे कि किन वजहों से उसे कर्नाटक और अभी तेलंगाना में जीत मिली। कांग्रेस सोचे कि क्या उन्हीं तरीकों को देशव्यापी तौर पर आजमाया जा सकता है। क्योंकि अब सवाल उसकी जीत का नहीं, लोकतंत्र और संविधान बचाने का भी है।

चुनाव नतीजों के बाद मुख्यमंत्रियों की पसंद पर ध्यान केंद्रित

■ कल्याणी शंकर

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद नये मुख्यमंत्री कौन होंगे, इसे लेकर अटकलें तेज हैं। भाजपा ने तीन और कांग्रेस ने एक राज्य में जीत हासिल की है। मिजोरम में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को हराकर जीत हासिल की है।

हालांकि भाजपा ने उत्तर भारत में खुद को मजबूत कर लिया है, दक्षिण में उसे अभी भी पैर जमाना बाकी है। भाजपा की सफल चुनावी रणनीति ने उसके समर्थकों को एकजुट किया और आंतरिक संघर्षों को कम किया। संसद सदस्यों को उम्मीदवार के रूप में खड़ा करने से पार्टी को तीन प्रमुख राज्यों में आंतरिक तोड़फोड़ को कम करने में मदद मिली।

अपने मजबूत स्थानीय नेतृत्व के कारण कांग्रेस को तेलंगाना में बढ़त मिली। पार्टी को कई नेताओं के दलबदल से भी बहुत फायदा हुआ, जो इसे एक व्यवहार्य दावेदार के रूप में देखने लगे, खासकर कर्नाटक में इसकी सफलता के बाद। एक बार जब यह स्पष्ट हो गया कि यह सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) के लिए एक गंभीर चुनौती है, तो मतदाता कांग्रेस की ओर स्थानांतरित हो गये। भाजपा और कांग्रेस ने चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की। दोनों पार्टियों को यह तय करना होगा कि स्थापित नेताओं को जारी रखना है या नये नेतृत्व की तलाश करनी है। कांग्रेस को तय करना होगा कि रेवंत रेड्डी को नियुक्त किया जाये या किसी नये चेहरे को।

> **कड़े दल-बदल विरोधी कानूनों के बावजूद, विधायकों को पाला बदलने के लिए बड़ी रकम का प्रलोभन दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर जीतने वाली पार्टी की सरकार गिर जाती है। राजनीतिक दल सरकार छीनने के लिए जरूरी विधायकों को खरीदने के लिए भांति-भांति के हथकंडे अपनाते हैं। भाजपा अपनी सफलता से उत्साहित है और चिंतित भी**

भाजपा के पास कई संभावित उम्मीदवार हैं, इसलिए मुख्य सवाल यह है कि नये नियमों को कैसे लागू किया जाये। भाजपा वसुन्धरा राजे, शिवराज सिंह चौहान और रमन सिंह जैसे पुराने नेताओं को चरणबद्ध तरीके से बाहर करने के पक्ष में है, जो अपनी पारी खेल चुके हैं। नये उम्मीदवारों का चयन करते समय एक अन्य महत्वपूर्ण कारक उनकी जाति है। जातियों का विविध मिश्रण आवश्यक है, इसे राजपूतों या अगड़ी जातियों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। साथ ही उनके प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा जायेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनावों में राज्यों के लिए एक उपयुक्त उम्मीदवार चाहते हैं। हैट्रिक लगाने के लिए यह उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उदाहरण के तौर पर मध्य प्रदेश पर नजर डालते हैं। सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्रियों में से एक, शिवराज सिंह चौहान पद पर बने रहने के लिए तैयार हैं। मध्य प्रदेश में एक कार्यक्रम के दौरान, चौहान ने जनता से उनकी राय भी मांगी कि क्या उन्हें निर्वाचित होने पर फिर से मुख्यमंत्री पद के लिए खड़ा होना चाहिए।

मध्य प्रदेश में शीर्ष पद के लिए कई संभावित उम्मीदवार हैं। इनमें तीन केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, फग्गन सिंह कुलस्ते और प्रह्लाद पटेल शामिल हैं, जो कई विकल्प प्रदान करते हैं। पार्टी के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और कमल नाथ सरकार को गिराने में मदद करने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी संभावित उम्मीदवारों की सूची में हैं। राजस्थान में प्रमुख उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे होंगी। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव और अश्विनी वैष्णव, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मंत्री अर्जुन मेघवाल और महंत बालकनाथ भी दौड़ में हैं।

राजवर्धन राठौड़ राजपूत हैं और कई बार कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। सतीश पूनिया ने राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं जब पार्टी सत्ता से बाहर थी। 2023 की शुरुआत में, ब्राह्मण समुदाय से आने वाले दो बार के सांसद सी.पी. जोशी ने पूनिया की जगह राज्य भाजपा अध्यक्ष पद संभाला। गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, नई पीढ़ी के भाजपा नेता, राजस्थान में मुख्य मंत्री पद के संभावित उम्मीदवार हैं।

छत्तीसगढ़ में भी पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह सबसे आगे हैं। 2018 तक 15 वर्षों तक छत्तीसगढ़ पर शासन करने वाले बीएएमएस डॉक्टर रमन सिंह राज्य में पार्टी का सबसे पहचाना चेहरा हैं। 2003 में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बनने से पहले वह केंद्रीय मंत्री थे। हालांकि, पिछले पांच वर्षों में उन्हें दरकिनार कर दिया गया है।

विष्णुदेव साव भी मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। उनकी छवि साफ-सुथरी है वह आरएसएस परिवार से आते हैं और महत्वपूर्ण नेता बनकर उभरे हैं। भरतपुर-सोनहत निर्वाचन क्षेत्र से एक प्रमुख आदिवासी नेता, केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह एक और विकल्प हैं।

कांग्रेस को अपनी ओर से तेलंगाना में पार्टी को एकजुट रखने के लिए एक नेता चुनना होगा। बी.आर.एस. के नेता के.चंद्रशेखर राव, अन्य दलों के सदस्यों को लुभाने की अपनी प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं। ऐतिहासिक रूप से, कांग्रेस ने अपने झुंड की रक्षा करने की क्षमता खो दी है। यह गोवा, कर्नाटक और अन्य राज्यों में दिखाई दिया।

तेलंगाना में रेवंत रेड्डी सबसे संभावित उम्मीदवार हैं। वह मजबूत रेड्डी परिवार से हैं और उनकी कार्यशैली के लिए पार्टी के भीतर से आलोचनाओं के बावजूद उन्हें कांग्रेस नेतृत्व का पूरा समर्थन प्राप्त था। उन्होंने एक छात्र नेता के रूप में ए.बी.वी.पी. से शुरूआत की और शीर्ष पर चले गये।

रेड्डी को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें 2024 में लोकसभा चुनाव में अधिक सीटें जीतना भी शामिल है। हालांकि, उनके लिए अपनी पार्टी को एकजुट रखना अधिक महत्वपूर्ण है। हाल ही में, अस्थिरता की शुरुआत खरीद-फरोख्त से हो चुकी है, जो सरकार बनने के तुरंत बाद शुरू हो जाती है।

कड़े दल-बदल विरोधी कानूनों के बावजूद, विधायकों को पाला बदलने के लिए बड़ी रकम का प्रलोभन दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर जीतने वाली पार्टी की सरकार गिर जाती है। राजनीतिक दल सरकार छीनने के लिए जरूरी विधायकों को खरीदने के लिए भांति-भांति के हथकंडे अपनाते हैं।

भाजपा अपनी सफलता से उत्साहित है और चिंतित भी और इसलिए उसने 2024 चुनावों के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। भाजपा के प्रचंड बहुमत के बाद विपक्षी समूह इंडिया स्थिति का आकलन कर रहा है।

पावन प्रसंग

लोकप्रिय बनिए

चेहरा मनुष्य की आंतरिक स्थिति का दर्पण है, इस कहावत में बहुत कुछ सच्चाई है। चेहरे पर प्रसन्नता और हल्की मुस्कान का बना रहना, इस बात का प्रतीक है कि यह व्यक्ति उलझनों से रहित और सफलताओं की संभावनाओं से भरा-पूरा है। ऐसे ही व्यक्तियों का सान्निध्य लोग पसंद करते हैं। मनहूस शक्ल बनाए बैठे रहने वाले, उदासी-खिन्नता, विपत्ति और असफलता का भाव प्रकट करने वाले चेहरे दूसरों की उपेक्षा का कारण बनते हैं। मनोमालिन्य मतभेद अथवा उलझी हुई गुत्थी प्रसन्न मुख चेहरे से बात की बात में सुलझ जाती है, जबकि उसी बात को तूल देने वाले और गंभीरता लेने वाले लोग उलझन को और भी अधिक बढ़ा लेते हैं। चर्चा के प्रसंगों में जहां तक संभव हो, प्रयत्न, आशा और उत्साहवर्द्धक प्रकरणों को ही आगे रखना चाहिए। आवेश और उत्तेजना से सदा बचे रहा जाए।

लोकप्रियता प्राप्त करने की आकांक्षा का समर्थन ही किया जाना चाहिए और उसके लिए आवश्यक पथ प्रदर्शन भी किया जाना चाहिए। इस संदर्भ में कुछ ध्यान रखने योग्य सूत्र नीचे प्रस्तुत किए जाते हैं- अपनी आकृति चैतन्य और सजग जैसी रखिए। वस्त्रों को स्वच्छ रखिए। मैले-कुचैले, अस्त-व्यस्त, बिना बटन और बिना करीने के कपड़े चाहे वे कीमती ही क्यों न हों, व्यक्ति के आलसी और लापरवाह होने की चुगली करते हैं। वेश- विन्यास और चेहरे की चेष्टा ऐसी अवश्य होनी चाहिए, जिससे स्वच्छता, जागरूकता और व्यवस्था का परिचय मिलता हो। हाथ मटकाना, आंखें नचाना, अकारण हँसना या ऐसी भाव-भंगिमा जो सभ्योचित न हो, नहीं अपनाई जानी चाहिए। दांत से नाखून चबाना अकारण बार-बार सिर या कोई अंग खुजाने की क्रिया कई लोगों को आदत पड़ जाती है। ये बातें दूसरों पर ऐसा असर डालती हैं, जिससे व्यक्तित्व का मूल्य गिर जाता है। लोकप्रियता के लिए प्रथम व्यवस्था हमें यह जुटानी चाहिए कि अपनी वेशभूषा एवं आकृति-प्रकृति में सज्जनता और शिष्टता का आवश्यक पुट विद्यमान रहे।

शालीनता और सज्जनता आत्मप्रशंसा की आदत बुरी है, इससे अपना घटियापन प्रकट हो होता है। इसी प्रकार दूसरों की कमियों, भूलों एवं असफलताओं को बार-बार चर्चा करना यह बताता हैकि उनको तिरस्कृत एवं लांछित किया जा रहा है। अपनी सफलता की बात की बढ़ा चढ़ा कर चर्चा करना अपने अहंकारी होने का प्रतीक है।

अपने को उपयोगी सिद्ध कीजिए। लोग आमतौर से उसकी ओर आकर्षित होते हैं, जिससे कुछ आशा होती है या प्रसन्नता मिलती है। लोग आपके पास आएं और प्रसन्नता लेकर जाएं, ऐसा वातावरण बनाए रहना चाहिए और यथासंभव ऐसे साधन भी प्रस्तुत करने चाहिए। लोग आपको उपयोगी और समय पड़ने पर कुछ सहायता कर सकने वाला समझें। केवल गप्पें हांकने, विदूषक बनने बेकार में मारे-मारे फिरने, दोस्तीबाजी में पैसे उड़ाने,झूठी उम्मीदें दिलाने जैसे उपायों से सस्ती लोकप्रियता प्राप्त की जाती है, वह ठहरती नहीं। उथले प्रयत्नों का कभी गहरा प्रभाव नहीं हो सकता।

हमारा व्यक्तित्व ऐसा होना चाहिए जो दूसरों की अपेक्षा अधिक विशेषता लिए हुए हो। आवश्यक नहीं कि धन,विद्या या पद में ही हम दूसरों से बड़े हों। यदि चरित्र, नम्रता, प्रामाणिकता, सज्जनता की दृष्टि से भी हम अपनी श्रेष्ठता सिद्ध कर सकें तो निस्संदेह लोकप्रियता बढ़ती जाएगी। मित्रों तथा प्रशंसकों की संख्या बढ़ेगी। जो व्यक्ति जितना लोकोपयोगी बनता जाता है, उतना ही लोकप्रिय बनता जाता है।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

वसुंधरा राजे क्या विद्रोह कर पाएंगी ?

भाजपा में माननीय मोदीजी ने तमाम संवैधानिक नियमों को धीरे-धीरे विलोपित कर अपनी तानाशाही कायम की है। उदाहरण स्वरूप केंद्रीय मंत्रियों के अधिकार अपने पास रखें हैं वे नाम मात्र के मंत्री हैं। स्वायत्तता संस्थाओं,जांच एजेंसियों को गुलाम बना रखा है। मीडिया की हालत पतली कर रखी है। अब मुख्यमंत्रियों पर भी गुजरात मुख्यमंत्री की तरह शिकंजा कसने की तैयारी है। यह पूरी तरह जाहिर है कि शिवराज सिंह मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री होने का अधिकार रखते हैं किंतु वे मोदीजी के आगे सज्दा हैं और कहने लगे हैं मैंने मुख्यमंत्री बनने के लिए भाजपा को नहीं जिताया जबकि वे सभाओं में खुलेआम कहते रहे हैं मैं मुख्यमंत्री बनूं या नहीं। जनता हुंकार भरती रही। हां, अब वे अपने कमज़ोर ज़मीर के कारण पीछे हटने की बात कर रहे हैं।

दूसरी ओर राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के तेवर शुरु से ही सख्त रहे हैं उन्होंने मोदीजी की कई बार उपेक्षा भी की है। उसका कारण राजस्थान की ज़मीन पर उनकी अच्छी पकड़ है और सामंती अंदाज़ भी। जैसा कि सुना जा रहा कि यहां मोदीजी नए चेहरे की तलाश में हैं। उनके मुकाबले उन्होंने दीया कुमारी को जो राजघराने से ताल्लुक रखती हैं मैदान में उतारा था। लेकिन संघ की ओर से गोरखपंथी बाबा बालक दास का नाम आना बड़ा दुविधा उत्पन्न कर रहा है। इस केन्द्रीय ख़बर ने वसुंधरा को और मज़बूती से प्रतिरोध के लिए उकसाया है। उन्होंने अपने विधायक दल की बैठक बुलाई जिसमें 70 समर्थक मौजूद रहे। नियमानुसार उनका हक़ बनता है कि वे सत्ता पर काबिज हों।

यह सब देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि केंद्र और राज्य के अधिकारों को लेकर वसुंधरा यदि अपनी दम-खम दिखाती हैं और उन्हें फायदा मिलता है तो शायद शिवराज सिंह भी संघ का सपोर्ट लेकर प्रदेश में विधायकों को मुखर कर सकते हैं। यदि यह मुनासिब न हो पाता है तो पक्का मानिए मोदीजी के खिलाफ़ बहुत से नाराज़ लोग भाजपा का एक नया गठबंधन बना सकते हैं। इनकी अगुवाई हेतु नितिन गडकरी आ सकते हैं केन्द्र से असन्तुष्ट मंत्री भी साथ हो जाएं तो आश्चर्य नहीं।

बहरहाल सारा दारोमदार वसुंधरा राजे के ऊपर निर्भर है। वे भी सरेंडर करती हैं या मुख्यमंत्री बनने संघर्ष करती हैं। यह संगीन मामला है किंतु वे यदि जनता के मतों के सम्मान में विद्रोह कर पाती हैं तो लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षार्थ वे एक मिसाल बनेंगी।

-सुसंस्कृति परिहार

देशबन्धु
संस्कारधानी
5 बिलासपुर

गुरुवार 07 दिसंबर 2023

उल्टा पुल्टा

डॉक्टर पागल से- जब तुम तनाव में होते हो क्या करते हो?

पागल - जी, मंदिर चला जाता हूं...

डॉक्टर- बहुत बढ़िया, ध्यान-व्यान लगाते हो वहां?

पागल - जी नहीं, लोगों के जूते चप्पल मिक्स कर देता हूं, फिर उन लोगों को देखता रहता हूं, उनको तनाव में देख कर मेरा तनाव दूर हो जाता है।

अब नहीं खुलेंगे चखना सेंटर

चखना सेंटरों पर जारी रहेगी कार्रवाई- कलेक्टर

जनदर्शन व टीएल बैठक अब हर सोमवार को

बिलासपुर, 6 दिसंबर (देशबन्धु)। बिलासपुर शहर समेत ग्रामीण इलाकों में चखना सेंटरों पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। तीन दिनों के भीतर सभी चखना सेंटरों को ध्वस्त किया जाएगा। कलेक्टर अवनीश शरण ने आज इस आशय के निर्देश समय-सीमा की बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में आज शाम तक और ग्रामीण इलाकों में दो दिन के भीतर शराब दुकानों के पास संचालित चखना सेंटरों को तोड़ा जाएगा। कलेक्टर ने नगर निगम, आबकारी और पुलिस की संयुक्त टीम को इस कार्रवाई को अंजाम देने के सख्त निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जनदर्शन अब हर सोमवार को टीएल की बैठक के बाद दोपहर 12 बजे से होगा। समय-सीमा की बैठक भी मंगलवार की जगह हर सोमवार को सुबह 11 बजे होगी।

जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं में प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। प्रत्येक मंगलवार को होने वाला जनदर्शन अब हर सोमवार को दोपहर 12 बजे से टीएल बैठक के पश्चात होगा। चुनावी आचार संहिता के चलते विगत दो माह से जनदर्शन का कार्यक्रम बंद था। जनदर्शन में

कलेक्टर आम जनता से मिलकर उनकी समस्याएं सुनते है। उन्होंने सभी एसडीएम को स्कूल, आंगनबाड़ी और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का लगातार दौरा कर व्यवस्था देखने कहा। कलेक्टर ने प्रभारी अधिकारी को प्रतिदिन रिकार्ड रूम का आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोग अभिलेख लेने कलेक्टोरेट के रिकार्ड रूम आते है। उन्हें अभिलेख प्राप्त करने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने दो टूक कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बेमौसम बारिश को देखते हुए धान को बारिश से बचाने के लिए किए गए इंतजामों की समीक्षा की। अधिकारियों को धान खरीदी केन्द्रों का सतत निरीक्षण करने के निर्देश दिए। टीएल के लंबित प्रकरणों को कलेक्टर ने जल्द निराकृत करने कहा। बैठक में नगर निगम कमिश्नर कुणाल दुदावत, डीएफओ संजय यादव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अजय अग्रवाल, एडीएम आर ए कुरूवंशी सहित सभी विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

दर्जनों चखना सेंटरों को किया गया जमींदोज

अवनीश शरण के निर्देश पर शराब दुकानों के समीप संचालित चखना सेंटरों को हटाने की कार्रवाई आज भी जारी रही। नगर निगम, आबकारी और पुलिस की संयुक्त टीम ने सकरी, उस्लापुर, गनियारी, तखतपुर, यदुनंदन नगर, तिफरा, बोदरी, सिरगिट्टी, परसदा, दगोरी, बिल्हा, हरदीटोना समेत अन्य देशी विदेशी शराब दुकानों के समीप संचालित चखना सेंटरों को ध्वस्त किया। इसी प्रकार नगर पंचायत बोदरी एवं मल्हार में भी दर्जनों चखना सेंटरों पर कार्रवाई करते हुए हटाया गया। कलेक्टर ने आज समय-सीमा की बैठक में भी समीक्षा करते हुए शहर सहित ग्रामीण इलाकों में भी चखना सेंटरों को ध्वस्त करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा है कि फिर से यह सेंटर संचालित न हो सके इसलिए इन्हें जमींदोज किया जाए। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ अगले दो दिनों तक ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान चलाकर शराब दुकानों के समीप संचालित चखना सेंटरों को निस्तोनाबूत किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा उठाए जा रहे इस कदम से राहगीरों समेत आसपास रहने वाले लोगों को काफी राहत मिली है। लोग इस कार्रवाई के लिए प्रशासन की सराहना कर रहे है। गौरतलब है कि शहर के अंदर सार्वजनिक स्थानों के आसपास संचालित इन चखना सेंटरों में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे आसपास के रहवासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसी जगहों पर अपराधिक घटनाओं की भी आशंका बनी रहती है।

संपादकीय

महंत का आश्चर्य, समीक्षा हो

छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी जीत चुकी है लेकिन बहुत से लोग इस निर्णय से अचंभित हैं। यह निर्णय निश्चित ही बेहद अप्रत्याशित है जिसके बारे में कोई भी पहले बिलकुल नहीं सोच रहा था। छग सहित जिन पांच राज्यों में चुनाव हुए थे, उनमें से इसी राज्य के बारे में कहा जा रहा था कि यहां कांग्रेस की ही जीत होगी। परिणाम एकदम विपरीत आए और भारतीय जनता पार्टी जबर्दस्त तरीके से जीती है।

अब निवर्तमान सरकार में विधानसभा अध्यक्ष रहे डॉ. चरणदास महंत ने भी कहा है कि ये निर्णय हतप्रभ करने वाले हैं। उनकी मानें तो भाजपा के नेता तक कहते थे कि कांग्रेस की ही सरकार आ रही है। अगर ऐसा है तो यह देखना होगा कि वे कौन से कारण हैं जिनके कारण कांग्रेस की ऐसी बुरी पराजय हुई है। सरगुजा और बस्तर में, जहां कांग्रेस की ही मजबूत पकड़ मानी जा रही थी, वहां कांग्रेस का पूर्ण सफाया तो हुआ ही, 12 में 9 मंत्रियों और अनेक संसदीय सचिवों का हारना भी आश्चर्यजनक है। महंत को एक संतुलित व संजीदा नेता माना जाता है और उनका व्यवहार भी हमेशा शालीन व संयमित रहता है। वे कभी गैरजिम्मेदाराना बयान नहीं देते और जो भी बोलते हैं वह नपा-तुला व सधा हुआ होता है। यदि उनके द्वारा इस तरह से निर्णय को लेकर आश्चर्य. व्यक्त किया जाता है तो उनकी पार्टी को चाहिये कि इसकी गहन समीक्षा करे। उसे सभी क्षेत्रों के उम्मीदवारों से बातचीत कर वस्तुस्थिति की तह तक जाना होगा और कोई भी गड़बड़ होने के चिन्ह मिलें तो उसकी और छानबीन अपने स्तर पर करनी चाहिये।

महंत का बयान ऐसे वक्त पर आया है जब मध्यप्रदेश में निर्वाचन आयुक्त को 15 हजार से अधिक शिकायतें मिली हैं जो दोषपूर्ण चुनाव कराये जाने को लेकर हैं। मप्र कांग्रेस कमेटी ने तो बाकायदे ईवीएम के जरिये गड़बड़ी होने का आरोप लगाया है। वहां मुख्यमंत्री का चेहरा रहे कमलनाथ ने इस बात पर आश्चर्य जताया कि काउंटिंग के 1 घंटों के बाद भी ईवीएम 99 फीसदी चार्ज थीं। इसका अर्थ यह हुआ कि उनका वोटिंग के दौरान उपयोग ही नहीं हुआ था। उनका आशय यह था कि दोनों कामों (मतदान व मतगणना) के लिये अलग-अलग मशीनें इस्तेमाल में लाई गई हैं। कांग्रेसी नेताओं का यह भी आरोप है कि कई प्रत्याशियों के उनके अपने गांवों में उन्हें 5 वोट तक नहीं मिले। जहां कांग्रेस प्रत्याशी बड़े अंतरों से हारे हैं वहां 1-1 ईवीएम में गड़बड़ियां पाई गईं।

इन परिप्रेक्ष्य में भी छत्तीसगढ़ कांग्रेस को सभी उम्मीदवारों से मिलकर खोज-बीन करनी चाहिये। कोई भी दल जीते या हारे लेकिन इस बात की अपेक्षा रहती है कि चुनाव निष्पक्ष हों और वैसे ही प्रतीत भी होने चाहिये।

सार-संक्षेप

डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर रेलवे ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये

बिलासपुर , 6 दिसम्बर(देशबन्धु)। भारतरत्न, बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय सहित तीनों रेल मंडलों के द्वारा उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये ।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा इस अवसर पर आज प्रात: 11.00 बजे रेलवे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय के प्रागण में आयोजित एक सादे समारोह में विजय कुमार साहू, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर द्वारा भारत के संविधान निर्माता, भारतरत्न, बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की छाया चित्र पर श्रद्धांजलि स्वरूप पुष्प अर्पित किया गया तथा दीप प्रज्ज्वलित किया गया । इस अवसर पर समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी बारी बारी से श्रद्धा सुमन उन्हें अर्पित किया ।समारोह के प्रारंभ में बाबासाहेब के जीवन व उनके कृत्यों पर संक्षिप्त एवं सारगर्भित प्रकाश डाला गया । संविधान के निर्माता, दूरदर्शी राजनेता, सामाजिक आंदोलन के प्रणेता, भारत सरकार के मंत्रिमंडल के सदस्य, विख्यात लेखक, कानूनविद, विलक्षण प्रतिभा के धनी विद्वान तथा अद्भुत इंसान आदि के रूप में उनका वर्णन किया गया । इस अवसर पर सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बडी संख्या में उपस्थित थे ।

आठ पुलिस अधिकारी-कर्मचारी बने कॉप ऑफ द मंथ

बिलासपुर,6 दिसंबर (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक ज़िला बिलासपुर संतोष सिंह द्वारा पुलिसिंग के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहे अधिकारी कर्मचारी को प्रोत्साहित करने हेतु प्रति माह ''कॉप ऑफ द मंथ'' पुरस्कार दिया जाता है। विधानसभा चुनाव में चुनाव के मानक निर्देशानुसार प्रभावी कार्यवाही करने के लिये निरीक्षक नवीन देवांगन थाना प्रभारी सिरगिट्टी को, जिला निर्वाचन सेल प्रभारी के रूप में चुनाव संबंधी कार्यों का लगन एवं परिश्रम से संपादन करने पर निरीक्षक दामोदर मिश्रा को, विधान सभा चुनाव बल वितरण के महत्वपूर्ण कार्य के दौरान व्यवस्थित यातायात व्यवस्था के लिये स.उ.नि. मनोज पाण्डेय को, खेल परिसर में घटित हत्या की घटना के आरोपियों को अल्पावधि में गरफ्तार करने के लिये प्र.आर विनोद यादव को, थाना सिटी कोतवाली एवं तोरवा क्षेत्रान्तर्गत ए.टी.एम.टेम्पर करने वाले 02 गिरोह की गिरफ्तारी में सराहनीय भूमिका के लिये तद्वीर पोर्ते एसीसीयू बिलासपुर को, महत्वपूर्ण एवं अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों के मूव्हमेंट एवं बल मूव्हमेंट में प्लानिंग एवं दस्तावेजीकरण कर चुनाव में लगन से कार्य करने पर आर. प्रदीप पाण्डेय को, थाना सीपत में समंस/वारंट के अभिलेखों को व्यवस्थित रखने के लिये म.आर. प्रियंका मिश्रा को एवं चौकी बेलगहना के कलमीटार में हुई हत्या के प्रयास की घटना के 05 आरोपियों को अल्पावधि में गिरफ्तार करने में सराहनीय योगदान के लिये आर. दीपक मरावी को कॉप ऑफ द मंथ सम्मान से सम्मानित किया गया है। चुने गए कर्मचारियों को नगद ईनाम एवं गुड सर्विस एंट्री व प्रशंसापत्र के साथ ही उनका फोटो समस्त पुलिस कार्यालयों और सभी थाना व चौकी के नोटिस बोर्ड पर पूरे माह के लिए लगा रहेगा। इससे दूसरे पुलिसकर्मी भी अच्छा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित होंगे ।पुलिस अधीक्षक बिलासपुर द्वारा स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जनता से अच्छा व्यवहार जिम्मेदारी एवम निष्ठापूर्वक कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को हमेशा सम्मानित किया जाएगा वही अवैध काम में लिप्त व अनुशासनहीनता व पदीय कर्तव्य निर्वहन में लापरवाहीपूर्ण आचरण करने वाले पुलिसकर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस माह कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने पर पुलिस ऑफिस के कार्यालयीन 02 एसआई, 05 एएसआई को कार्य में सुधार हेतु लघु शास्ति से दंडित किया गया है ।इस अवसर पर अर्चना झा अति.पुलिस अधीक्षक, संदीप कुमार पटेल नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाईन एवं उदयन बेहार उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवम् कार्यालय के समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

पुलिस ने शहर के गुंडा बदमाशों पर की कार्रवाई

थाने बुलाकर बदमाशों को दी गई समझाईश

शहर में शांति व्यवस्था स्थापित करने और गुंडों को कड़ा संदेश देना था उद्देश्य

बिलासपुर, 6 दिसंबर (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक संतोश कुमार सिंह भा.पु.से. के निर्देशानुसार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र जायसवाल, सीएसपी सिविल लाईन संदीप पटेल भा.पु.से. के मार्गदर्शन में व प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक रोशन आहूजा के नेतृत्व में बिलासपुर जिला के शहरी थाना के 50 से अधिक निगरानी, गुण्डा बदमाश को सिविल लाइन थाना बिलासपुर में तलब कर उपस्थित कराया गया।

जिनको शहर में भयमुक्त वातावरण बनाने और शांति कायम रखने के उद्देश्य से किसी भी प्रकार के अवैध कार्य, मारपीट, झगडा, वाद विवाद व डराने धमकाने जैस कृत्य न करने हेतु सख्ती से हिदायत दिया गया।सभी निगरानी गुण्डा बदमाशो को शांति कायम रखने और किसी भी प्रकार के गलत कामों से दूर रहने की हिदायत देकर रूखसत किया गया। उपरोक्त पैदल मार्च में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक रोशन आहूजा, उप निरीक्षक सिविल लाईन भावेश शेन्डे व सभी थानों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीईओ ने अनुकम्पा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)।जिला शिक्षा अधिकारी ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदन के छानबीन के क्रम में एक सप्ताह में आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। फिलहाल एक आवेदिका ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया हैं। डीईओ ने बताया कि मस्तूरी विकासखण्ड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कन्या चिस्दा में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत स्व. श्री राजेश्वर सिंह पैकरा के परिवार से उनकी पत्नी श्रीमती उत्तरा पैकरा ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है।

रुचि दुबे को पीएचडी की उपाधि

बिलासपुर, 6 दिसंबर (देशबन्धु)। शासकीय हाई स्कूल धूमा विकासखंड कोटा बिलासपुर में अंग्रेजी विषय की व्याख्याता श्रीमती रुचि दुबे को अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय द्वारा अंग्रेजी साहित्य में उनके शोध कार्य सलमान रुशदिज़ सलेक्टेड नॉवेल्स- सीकिंग मीनिंग ऑफ़ लाइफ थ्रू मैजिक रियलिज्म विषय में शोध ग्रंथ प्रस्तुत करने के उपरांत दिनांक 9 नवंबर 2023 को अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय परिसर कोनी बिलासपुर में आयोजित ओपन वाईवा में इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के प्राध्यापक एवं विभाग प्रमुख डॉ. आई.डी. तिवारी (बाह्य परीक्षक) की अध्यक्षता में वाईवा उपरांत पी.एचडी. की उपाधि प्रदान की गई. श्रीमती रुचि दुबे ने अपना शोध कार्य, शोध केंद्र डी.पी. विप्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर के अंतर्गत शोध निर्देशक एवं विभाग प्रमुख डॉ. संजय कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में पूर्ण किया।

कांग्रेसियों ने अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

बिलासपुर,6 दिसंबर (देशबन्धु)। ज़िला कांग्रेस कमेटी (शहर/ग्रामीण) द्वारा आज संविधान निर्माता डॉ भीम राव अम्बेडकर जी का निर्वाण दिवस के अवसर श्रद्धाजंलि दी गई और उनके आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया । इस अवसर पर शहर अध्यक्ष विजय पांडेय ने कहा कि बाबा भीम राव अम्बेडकर एक समाज सुधारक, संविधान निर्माता, अर्थ शास्त्री, लेखक ,और प्रथम कानून मंत्री बने ,बाबा साहब के देश की आज़ादी और राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान के कारण भारत रत्न की उपाधि दी गई ।

बाबा साहब का गरीब परिवार में जन्म हुआ, अपनी तीक्ष्ण बुद्धि के कारण ब्रिटेन, अमेरिका से उच्च शिक्षा प्राप्त की , कानून और अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की , आज़ादी की लड़ाई में अहम भूमिका निभाने वाले बाबा साहब ताउम्र गरीब ,शोषित और दलित समाज के उत्थान के लिए संघर्ष किया,अखबार और पुस्तक के माध्यम से उन्हें उनके अधिकार का बोध कराया,गोलमेज सम्मेलनों में उनके लिए आरक्षण की मांग उठाई ,जिसे आज़ादी के बाद पण्डित नेहरू ने मूर्तरूप दिया ,पंडित नेहरू ने बाबा साहब की योग्यता और क्षमता से भलीभांति परिचित थे ,

इसलिए बाबा साहब को प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाया और भारत का संविधान की जिम्मेदारी बाबा साहब को दी गई ,आज संविधान देश की एकता-अखण्डता, संप्रभुता,को बनाये रखने में मील का पत्थर है।

बाबा साहब ने 1956 में बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिए और उनके अनुयायी बौद्धिष्ट हो गए ,जो आज भी बाबा साहब के आर्दशों पर चलकर देश निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहे है , 06 दिसम्बर 1956 को बाबा साहब का महानिर्वाण हुआ और एक उपेक्षित समाज का मसीहा एक अनन्त यात्रा पर निकल गया , जब तक देश मे संविधान का शासन रहेगा बाबा हर भारतीय के दिलो में जिंदा रहेंगे ।

आईजी के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा गुम इंसानों की दस्तयाबी का विशेष अभियान

बिलासपुर जिले में 10 दिनों में 89 गुम इंसानों को किया परिजनों के सुपुर्द

बिलासपुर, 6 दिसंबर (देशबन्धु)। पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज अजय यादव ने रेंज के सभी जिलों को गुम इंसानों की दस्तयाबी एवं उन्हें परिजनों को सुपुर्द करने हेतु विशेष अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया था। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ज़िला बिलासपुर संतोष कुमार सिंह के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर राजेंद्र जायसवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमती अर्चना झा, के मार्गदर्शन में बिलासपुर जिले के विभिन्न थानों में दर्ज गुम इंसानों के मामलों के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिला पुलिस द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं , जिसके अंतर्गत विगत 10 दिनों में कुल 89 गुम इंसानों की दस्तयाबी कर विधिवत परिजनों को सुपुर्द किया गया है। थाना कोटा में 11, सिविल लाइन, सकरी, तोरवा, कोनी में 9-9, सरकंडा में 3, सिरगिट्टी, कोतवाली में 5-5, सीपत में 4-4,बिल्हा, मस्तूरी, मल्हार, रतनपुर में 3-3, चकरभाठा, पचपेड़ी, 2 और तारबाहर,हिर्री और बेलगहना में 1-1 गुम इंसान को दस्तयाब किया गया है। ऐसे ही कुछ प्रमुख प्रकरणों की संक्षिप्त का विवरण इसप्रकार है-

1. दिनांक 10/11/23 को प्रार्थी लक्ष्मण जायसवाल ने थाना उपस्थित आकर गम इंसान की सूचना दी कि प्रार्थी की पुत्री दिनांक 6/11/23 को घर से बिना बताए कहीं चली गयी है। लड़की की पतासाजी के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि गुम इंसान ने मुकेश साहू पिता नारायण साहू से विवाह कर लिया है और वह उड़ीसा में है। साइबर सेल से तकनीकी जानकारिया लेकर उड़ीसा टीम भेज कर गुम इंसान को बरामद किया और बाद दस्तयाबी उसे उसके पति मुकेश साहू को सुपुर्द कर दिया गया। 2. प्रार्थी थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी लड़की उम्र 20 साल साकिन सल्का धनुहारपारा दिनांक 19.06.2017 के 06.00 बजे सुबह घर से बिना बताए कहीं चली गई थी कि आस-पास, रिश्तेदारों से पतासाजी करने पर कोई पता नहीं चलने पर प्रार्थी के रिपोर्ट पर दिनांक 07.07.2017 को गुम इंसान क्रमांक 48/17 कायम कर पतासाजी में लिया गया। विवेचना में पता तलाश दौरान पता चला कि उक्त गुमशुदा महिला अपने पति

मिथुन सोनवानी के साथ गौरेला-पेंड्रा में है। सूचना पर तत्काल तस्दीक कर टीम भेजी गई एवं गुमशुदा महिला से पूछताछ कर अपने पति से विवाह कर साथ रहने की बात बताने पर, जिसे समक्ष गवाहन के बरामद कर पति मिथुन सोनवानी को सुपुर्द किया गया। 3. प्रार्थी मनीष कुमार वारे साकिन खुरदुर थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी पत्नी साकिन खुरदुर दिनांक 20.09.2021 के रात्रि करीबन 08.00 बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई थी कि आस-पास, रिश्तेदारों से पतासाजी करने पर कोई पता नहीं चलने पर प्रार्थी के रिपोर्ट पर दिनांक 21.09.2021 को गुम इंसान क्रमांक 109/21 कायम कर पतासाजी में लिया गया। पता तलाश दौरान जानकारी मिली कि गुमशुदा अपने दादी यहां है। सूचना पर तत्काल तस्दीक कर थाना लाकर गुमशुदा महिला से पूछताछ करने पर बतायी कि उसका पति शराब पीकर आए दिन गाली गलौज करता रहता है जिससे परेशान होकर वह अपने दादी यहां चली गई थी बतायी। जिसे समक्ष गवाहन के बरामद कर गुमशुदा के पति के द्वारा शराब न पीने के बात कहने पर गुमशुदा द्वारा पति के साथ रहने की मंशा पर पति मनीष कुमार वारे को सुपुर्द किया गया। 4. मोहम्मद नासिर अंसारी निवासी पण्डरापथरा, बेलगहना ने थाने आकर दिनांक 04/12/23 को गुम इंसान दर्ज कराया कि उसकी पुत्री महजबीन अंसारी उम्र 23 वर्ष, एक दिन पूर्व सिलाई सेंटर जाने के नाम पर घर से निकली है और लौटकर नहीं आई है। खोजबीन करने पर पता चला कि गांव के स्कूल के खाली सेप्टिक टैंक में छुपी हुई थी। पूछताछ करने पर युवती ने बताया कि वह अपने माँ और भाई से विवाद के कारण दलदली के जंगल चली गयी थी और रात भर जंगल मे रहने के बाद सुबह स्कूल में आकर छुपी थी और डांट के डर से घर वापस नहीं जा रही थी। इस बीच युवती के साथ किसी भी प्रकार का अपराध घटित होना नहीं पाया गया। अत: युवती को विधिवत दस्तयाबी कर परिजनों को सुपुर्द किया गया ।यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सार-संक्षेप

एसपी ने आवेदकों से किया सीधा संवाद, लंबित प्रकरणों का निपटारा के निर्देश

कोरबा, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव जिले में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के बाद अब पुलिस अधीक्षक के द्वारा वर्ष के अंतिम माह में लंबित प्रकरणों का निराकरण के लिए जोर देने के साथ ही पुलिसिंग में कसावट लाने के लिए निरीक्षण शुरू किया गया है। वे विभिन्न थाना व चौकियों के निरीक्षण के लिए पहले ही निर्देशित कर चुके हैं।

वर्ष 2023 के समाप्त होने में लगभग 3 सप्ताह का समय बचा है। इस स्थिति में पुलिस के सामने लंबित मामलों को निपटाने की चुनौती है। कोरबा जिले में पुलिसिंग में कसावट लाने के साथ-साथ व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए कई स्तर पर काम किया जा रहा है। इसी तारतम्य में बुधवार को जिला पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला कटघोरा थाना का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने अलग-अलग प्रकार से संबंधित लंबित अपराधों के बारे में जानकारी ली व निराकरण करने के लिए थाना प्रभारी निरीक्षक तेजकुमार यादव को निर्देशित किया। एसपी ने थाना में आए आवेदकों से सीधा संवाद कर समस्या की जानकारी ली व निराकरण के निर्देश दिए। एसपी ने बताया कि वर्ष की समाप्ति से पहले लंबित मामलों का निकाल की दिशा में पुलिस आवश्यक कार्रवाई करेगी। एसपी ने कहा है कि कार्य के प्रति लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का लाभ लेने 20 तक आवेदन आमंत्रित

कोरबा, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का लाभ लेने के लिए जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के तहत विनिर्माण उद्यम हेतु अधिकतम 25 लाख, सेवा क्षेत्र हेतु 10 लाख एवं व्यवसाय हेतु अधिकतम 2 लाख तक का ऋण बैंकों के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। ऋण हेतु इच्छुक युवक-युवतियां आवेदन पत्र निर्धारित फार्म में भरकर 20 दिसंबर तक कार्यालयीन समय में कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, कोरबा में स्वयं उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा योजना का लाभ लेने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिसके अंतर्गत आवेदक को छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होना अनिवार्य है। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आठवीं उत्तीर्ण हो। आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। योजना अंतर्गत सामान्य वर्ग को बैंक द्वारा स्वीकृत परियोजना लागत का 10 प्रतिशत अधिकतम 1 लाख रूपये तक, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला, दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक, नक्सल प्रभावित आवेदक को बैंक द्वारा स्वीकृत परियोजना लागत का 15 प्रतिशत अधिकतम 1.50 लाख रूपये तक एवं अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के आवेदक को बैंक द्वारा स्वीकृत परियोजना लागत का 25 प्रतिशत अधिकतम 1.50 लाख रूपये तक के मार्जिन मनी अनुदान की पात्रता होगी। आवेदन के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र से संपर्क किया जा सकता है।

एसईसीएल में पहली बार मियावाकी विधि से होगा वृक्षारोपण

कोरबा, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के कोयलांचल में हरित आवरण को बढ़ावा देने के लिए एसईसीएल पहली बार जापानी पद्धति मियावाकी की मदद से वृक्षारोपण करने जा रही है। गेवरा क्षेत्र में पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर 2 हेक्टेयर क्षेत्र में जंगल विकसित करने के लिए काम होगा। यह परियोजना लगभग 4 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के साथ साझेदारी में लागू की जाएगी।

मियावाकी तकनीक का उपयोग करके वृक्षारोपण 2 वर्षों की अवधि में किया जाएगा जिसमें लगभग 20 हजार पौधे लगाए जाएंगे। वृक्षारोपण में बड़े पेड़ जैसे बरगद, पीपल, आम, जामुन आदि, मध्यम आकार के वृक्ष जैसे बेल, करंज, आंवला, अशोक आदि एवं छोटे पेड़ जैसे कनेर, गुड़हल, त्रिकोमा, बेर, अंजीर, निम्बू आदि शामिल होंगे।

मियावाकी वृक्षारोपण विधि: तेजी से जंगलों को विकसित करने की लोकप्रिय जापानी तकनीक वृक्षारोपण की मियावाकी पद्धति की शुरुआत 70 के दशक में जापानी वनस्पतिशास्त्री और पादप पारिस्थितिकी (प्लांट इकोलॉजी) विशेषज्ञ श्री अकीरा मियावाकी ने की थी। वृक्षारोपण की इस तकनीक में प्रत्येक वर्ग मीटर के भीतर देशी पेड़, झाड़ियाँ और ग्राउंडकवर पौधे लगाए जाते हैं। यह कम जगह में तेज़ी से घने जंगल को विकसित करने के लिए एक आदर्श विधि है। मियावाकी वृक्षारोपण के लिए चुनी गई प्रजातियाँ आम तौर पर ऐसे पौधों की होती हैं जिन्हें बहुत अधिक रखरखाव की आवश्यकता नहीं होती है और वे विषम मौसम परिस्थितियों एवं कम पानी में भी पनप सकते हैं जिससे कम समय में एक घना जंगल विकसित करने में मदद मिलती है। इस पायलट परियोजना से कम समय में देश की सबसे बड़ी कोयला खदान गेवरा खदान के आसपास हरित आवरण बढ़ाने में मदद मिलेगी। फलदार, एवेन्यू और सजावटी पेड़ों की स्वदेशी प्रजातियों से बना जंगल स्थानीय समुदायों और वन्यजीवों के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। परियोजना के तहत विकसित जंगल धूल के कणों को सोखने में एवं सतह के तापमान को नियंत्रित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

गलती बताने पर छात्रा की पिटाई करने वाला सहायक शिक्षक निलंबित

कोरबा-पोड़ी उपरोड़ा, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। शिक्षक की गलती बताने पर छात्रा की पिटाई करने वाले सहायक शिक्षक को डीईओ ने निलंबित करते हुए स्कूल से बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

बता दें कि पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के केन्हाडांड स्कूल में अध्ययनरत छात्रा को मध्यान्ह भोजन में कीड़ा मिला था। जिसकी जानकारी छात्रा ने अपने परिजनों को दी थी। जब बात सहायक शिक्षक को पता चली तो उन्होंने गलती को सुधारने के बजाय छात्रा की छड़ी से पिटाई कर दी। पिटाई के बाद छात्रा दहशत में थी और स्कूल जाना बंद कर दी थी। जिसकी शिकायत शाला प्रबंधन समिति ने शिक्षा विभाग से की थी। शिकायत के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी जीपी भारद्वाज ने तत्काल प्रभाव से केन्हाडांड के सहायक शिक्षक दुर्गेश कुमार यादव को निलंबित कर दिया है।

जीत के बाद श्रेय लेने हर कोई सामने आ रहा, कांग्रेस किस पर फोड़े हार का ठीकरा

कोरबा, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद तीन दिन बीत चुके हैं लेकिन इन तीन दिनों में जहां बुरी तरह हारने के बाद कांग्रेस के नेताओं को अब तक समझ नहीं आ रहा कि वे हार का ठीकरा किस पर फोड़ें। इधर दूसरी तरफ ऐतिहासिक जीत हासिल किए भाजपा उम्मीदवार लखनलाल देवांगन को जिताने का श्रेय लेने के लिए होड़ सी मच गई है। जाहिर सी बात है कि जिधर हवा का रुख चल रहा हो, उसके साथ हर कोई होना चाहता है लेकिन इसमें वे लोग भी शामिल हो जाते हैं जो बीच मझधार में छोड़कर चले जाने के बाद उस वक्त लौटते हैं जब नाव सही-सलामत किनारे लग जाए और खुद की पीठ थपथपाने से न चूकें।

मझधार में छोड़कर जाने वाले अब बन रहे करीबी

इन दिनों कोरबा विधानसभा में कुछ ऐसा ही हो रहा है। लखनलाल देवांगन के विधायक निर्वाचित होने के बाद उनकी जीत का श्रेय लेने के लिए हर कोई आतुर है। संगठन से जुड़े लोगों ने जहां मैदानी स्तर पर शुरू से लेकर अंत तक काम किया, वे तो श्रेय लेने में पीछे रह गए लेकिन जो लखनलाल को टिकट मिलने के बाद से मायूस रहे और येन-केन-प्रकारेण मैदानी तौर पर कमजोर करने में भीतर ही भीतर रणनीति बाहर रहकर बनाते रहे, वे श्रेय लेने एक कदम आगे बढ़कर जिलाध्यक्ष तक को पीछे छोड़ दिए। जिलाध्यक्ष और कोरबा व कटघोरा विधायक तो मीडिया से बाद में रूबरू हुए, इससे पहले खुद ही श्रेय लेने के लिए चंद लोगों को इकट्ठा कर अपनी वाहवाही लूटने का काम कर लिया गया। पूरे चुनाव भर दूसरे विधानसभा क्षेत्र में जाकर काम करने वाले संगठन का डंडा खाने से बचने के लिए प्रचार के अंतिम क्षणों में शहर आकर प्रचार-प्रसार में कूदे। जिन्हें कोरबा विधानसभा के चुनाव का प्रभारी बनाया गया था, वे भी दूर-दूर तक नजर नहीं आए। कटघोरा विधानसभा में भी प्रभारी का यही हाल रहा।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि कोरबा में लखनलाल देवांगन और कटघोरा में प्रेमचंद पटेल के लिए भितरघात तो हुआ लेकिन लखनलाल का व्यक्तित्व और 15 साल की विधायिकी को बदलने की लहर ने एक बड़े वोटों का अंतर सामने खड़ा तो दूसरी तरफ कटघोरा विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी पुरुषोत्तम कंवर को लेकर बड़ा विरोध और ओबीसी वर्ग से कांग्रेस में प्रत्याशी नहीं बनाए जाने तथा 5 साल में सामाजिक तौर पर निष्क्रियता के कारण यहां बाजी पलटी और ओबीसी वर्ग सहित अन्य वर्ग के मतदाताओं और भाजपा के कैडर वोटों ने प्रेमचंद पटेल को जीत दिलाया। निस्संदेह संगठन की मजबूती उनके कर्मठ कार्यकर्ताओं के कारण होती है और पदाधिकारियों का मार्गदर्शन संजीवनी की तरह कार्य करता है और कोरबा व कटघोरा में यही हुआ। प्रत्याशियों को अपनी साफ-सुथरी छवि का पूरा लाभ मिला, सहज-सरल और मिलनसार व्यक्तित्व ने जीत में अहम भूमिका निभाई है। अब इस जीत को लेकर अपना-अपना चेहरा और राजनीति चमकाने के लिए आवश्यकतानुसार उपयोग किया जाने लगा है।

पॉजिटिव होना जरूरी नहीं, निगेटिव नहीं होना बड़ी बात है-सौरभ

निर्वाचन में महत्वपूर्ण भूमिका वाले कर्मचारियों को किया सम्मानित

कोरबा, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत आचार संहिता प्रभावशील होने के पश्चात् जिले में निर्वाचन दायित्वों को जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रति कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने आभार प्रकट करने के साथ ही उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

जिला पंचायत सभा कक्ष में निर्वाचन कार्यों का सफलता पूर्वक क्रियान्वयन होने पर निर्वाचन में संलग्न सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कलेक्टर सौरभ कुमार ने कहा कि यदि किसी से गलती हुई हो तो वे कार्यों में सुधार अवश्य करें। उन्होंने कहा कि सभी ने बड़ी मेहनत से काम किया है और निष्पक्षता तथा पारदर्शिता को भी बनाए रखने में

अपनी जिम्मेदारी निभाई। निर्वाचन कार्यों में किसी की कोई शिकायत भी नहीं आई, सामने वालों का भरोसा भी कायम रहा। आरोप-प्रत्यारोप भी नहीं लगे। मेरा मानना है कि पॉजिटिव ही होने से ज्यादा जरूरी निगेटिव नहीं होना बड़ी बात है। कलेक्टर ने कहा कि निर्वाचन का कार्य भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत प्रक्रियात्मक तरीके से संपादित की जाती है। आने वाले कुछ महीनों में लोकसभा का भी चुनाव है, ऐसे में आपके द्वारा किए गए कार्यों का लाभ आपको मिलेगा। निर्वाचन के कार्य को गंभीरता से लेना चाहिए, लापरवाही पर करियर में दाग लग जाता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता का ध्यान जरूरी है। कार्यों में कोताही पर कार्यवाही अवश्य की जानी चाहिए ताकि अन्य लोगों को भी इससे प्रेरणा मिले। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में लगी टीम अच्छी थी, जो कार्य सौंपा गया था समय पर पूरा किया गया। इस दौरान रिटर्निंग ऑफिसरों सहित नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप सहित सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रशस्ति पत्र से कर्मचारियों को सम्मानित किया

निर्वाचन कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रति आभार जताने के साथ कलेक्टर सौरभ कुमार ने कार्यों को जिम्मेदारी तथा निष्पक्षता के साथ करने की प्रेरणा दी। उन्होंने निर्वाचन कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी रामनिवास साहू, आर. के. श्रीवास, शीतल अग्रवाल, दीनदयाल भारद्वाज, पीताम्बर पटेल को प्रमाण पत्र देकर और हाथ मिलाकर सम्मानित किया।

मीडिया का जताया आभार

कलेक्टर सौरभ कुमार ने विधानसभा निर्वाचन 223 अंतर्गत कोरबा जिले में निर्वाचन कार्य के सफलता पूर्वक संपन्न होने और आचार संहिता के दौरान जिले के सभी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक सहित सोशल मीडिया द्वारा सकारात्मक माहौल बनाए रखने तथा जिला प्रशासन के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन संबंधी गतिविधियों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने में मीडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बालको क्षेत्र में फिर जाम में फंसे एसपी खुद ही उतर पड़े जाम खुलवाने

बालको प्रबंधन व थाना प्रभारी को मिली फटकार

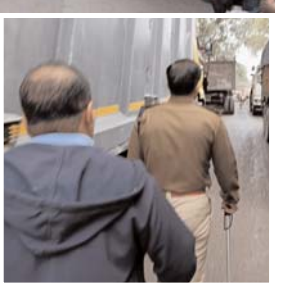

कोरबा-बालकोनगर, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। जिला पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला एक बार फिर वाहनों के जाम में फंस गए। बालकोनगर क्षेत्र की सड़क पर लगे जाम में फंसे एसपी अपने वाहन से उतरकर हाथ में डंडा लेकर खुद ही जाम खुलवाने आगे बढ़े। इस तरह की अव्यवस्था पर उन्होंने बालको प्रबंधन के जिम्मेदार अधिकारी और थाना प्रभारी को मौके पर तलब कर फटकार भी लगाई।

बुधवार को सुबह10.30 बजे जब एसपी कटघोरा थाने का निरीक्षण करने निकले। वे बालको क्षेत्र से होकर कटघोरा जाने के दौरान परसाभांठा बजरंग चौक में भारी वाहनों के लंबे जाम में फिर फंस गए। इस दौरान लंबा जाम लगा हुआ था। एसपी 30 से 40 मिनट तक जाम में फंसे रहे। उन्होंने बालको के थाना प्रभारी और बालको प्रबंधन के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर फटकार लगाई और तत्काल जाम खुलवाया। एसपी ने इस ट्रैफिक जाम के लिए गहरा आक्रोश व्यक्त किया और नियमित अंतराल पर लगने वाले जाम से लोगों को मुक्ति दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। हर दिन लग रहे जाम को लेकर एसपी ने बालको प्रबंधन के अधिकारियों को अव्यवस्था को सुधारने के लिए कड़ी हिदायत दी। फटकार के बाद बालको थाना प्रभारी एसआई लक्ष्मण खूंटे ने भारी वाहन चालकों पर कार्रवाई की।

बता दें कि औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण ट्रैफिक जाम जिले की बड़ी समस्या है। विभिन्न कार्यों से अंचलवासी विशेषकर बालको क्षेत्र से आवागमन करने वाले लोग इस जाम से हमेशा परेशान रहते हैं। गौरतलब है कि बालको के परसाभांठा में डेली मार्केट लगता है जहां छोटे और भारी वाहनों की वजह से लंबा जाम लगता है। बालको प्रबंधन द्वारा एक सिक्योरिटी गार्ड को यहां तैनात किया जाता है, पर गार्ड वहां मौजूद नहीं रहता। बाजार में भीड़ भाड़ के कारण भारी वाहन यहां खड़े रहते हैं।

पर्यटकों से भरी बस चैतुरगढ़ में पलटी

कोरबा, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। चैतुरगढ़ पाली में पर्यटकों से भरी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बुधवार दोपहर 1 बजे हुए इस दुर्घटना में 30 पर्यटकों से भरी बस सड़क से उतरकर पलट गई। घटना में कुछ पर्यटक घायल हो गए, किसी को कोई गंभीर चोट नहीं आई है। बताया गया कि सभी पर्यटक रायपुर से चैतुरगढ़ में महिषासुर मर्दिनी के मंदिर में दर्शन के लिए आए थे। हादसे की सूचना मिलने पर पाली पुलिस घटनास्थल पहुंची। घायलों प्रारंभिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। आवश्यक उपचार के बाद इनके सहित सभी पर्यटकों को दूसरे वाहन से रायपुर के लिए रवाना किया गया।

लोमड़ी के हमले से जख्मी वृद्ध की उपचार के दौरान मौत

कोरबा, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। जिले के कटघोरा थानांतर्गत ग्राम महुआपाली में लोमड़ी के हमले से करीब एक माह पूर्व घायल हुए वृद्ध घासीराम की आखिरकार मौत हो गई। लोमड़ी के हमले में घायल घासीराम का उपचार कराया गया लेकिन शरीर में जहर का फैलाव होने के कारण वह जानवरों सी हरकत करने लगा था। इस बीच उसकी तबियत बिगड़ी जिसके बाद उसे अस्पताल में भार्ती कराया गया जहां उसने अंतिम सांस ली।

मृतक घासीराम की केवल एक पुत्री है,जिसका विवाह हो चुका है। कोई और परिजन नहीं होने के कारण मृतक की बेटी और दामाद कोरबा में ही उसका कफन-दफन कराना चाहते थे और पुलिस से सहायता मांगी। जिला अस्पताल चौकी के प्रभारी ने बताया कि वैधानिक कार्रवाई उपरांत आपसी सहयोग से उसका कफन-दफन कराया गया।

डीपीएस बालको का मॉडल राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए चयनित

कोरबा, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। दिल्ली पब्लिक स्कूल बालको की टीम ने सीबीएसई क्षेत्रीय स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी-2023 (भुवनेश्वर क्षेत्र) में भाग लिया। यह प्रदर्शनी एन.एच. गोयल वर्ल्ड स्कूल रायपुर में 4 एवं 5 दिसंबर को आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी में जूनियर एवं सीनियर वर्ग में 25 स्कूलों के 45 मॉडलों का प्रदर्शन किया गया। विद्यालय की कक्षा छठवीं की छात्राएँ पूर्वा पटेल एवं आकांक्षा पटेल ने विज्ञान शिक्षक प्रवीण पटेल के मार्गदर्शन में इस दो दिवसीय प्रदर्शनी के जूनियर वर्ग में भाग लिया। प्रदर्शनी का थीम समाज के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के युग में स्वास्थ्य जीवन (पर्यावरण के लिए जीवन शैली), कृषि संचार एवं परिवहन एवं कम्प्यूटेशनल सोच पर आधारित था। विद्यालय का मॉडल जीवन पर आधारित हरा शहर था। जिसकी सभी निर्णायक मंडल के सदस्यों के साथ-साथ प्रदर्शनी में आने वाले आगतुंकों ने सराहना की। विद्यालय की टीम को दिल्ली में जनवरी 2024 में प्रस्तावित सीबीएसई विज्ञान प्रदर्शनी के राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित किया गया। इस उपलब्धि के लिए प्राचार्य कैलाश पवार एवं विद्यालय परिवार ने प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं संबंधित शिक्षक को उनके योगदान के लिए शुभकामनाएं दी।

घाट पर तेज रफ्तार कार पलटी, 20 फीट खाई से बाहर निकाले गए दंपत्ति

कोरबा, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। कटघोरा-अंबिकापुर नेशनल हाइवे में हसदेव पुल घाट के समीप तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। नव दंपत्ति कार के भीतर फंस गए। सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। दंपत्ति को यात्री बस में कटघोरा रवाना किया गया।

घटना मंगलवार रात करीब 9.40 बजे की है। बताया गया कि अंबिकापुर निवासी युवक पत्नी के साथ परिजनों से मिलने जा रहा था। वे कटघोरा अंबिकापुर नेशनल हाइवे क्रमांक-130 में हसदेव पुल घाट के पास पहुंचे थे। इसी दौरान युवक ने कार से नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित कार क्रमांक सीजी 04 केक्यू 7932 सड़क किनारे करीब 20 फीट गहरी खाई में पलट गई। नव दंपत्ति कार के भीतर ही फंस गए। इस घटना की सूचना राहगीरों ने डायल 112 के कंट्रोल रूम में दी। सूचना मिलते ही डायल 112 के बांगो कोबरा 01 में तैनात आरक्षक 679 शिव चौहान चालक नीरज पांडेय के साथ मौके पर पहुंचा। टीम ने मशक्कत के बाद कार में फंसे नव दंपत्ति को बाहर निकाला। घटना में नव दंपत्ति को मामूली चोटे आई थी। उन्हें यात्री बस से रात्रि विश्राम के लिए कटघोरा रवाना किया गया। मामले की सूचना मोरगा पुलिस को दी गई है। पुलिस कार को निकालने के बाद वैधानिक कार्रवाई करेगी।

हालातों ने खूब छकाया, पर बबलू जीएसटी इंस्पेक्टर बनकर ही माना

सब्जी विक्रेता की सफलता बनी मिसाल

कोरबा, 06 दिसंबर (देशबन्धु)। कोरबा के सीतामढ़ी निवासी बबलू गुप्ता वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) इंस्पेक्टर के पद पर नियुक्त हुए हैं। उन्होंने न तो महंगी कोचिंग क्लास ली और न ही इसमें लाखों रुपए खर्च किए बल्कि अपनी मेहनत के बूते यह मुकाम हासिल किया।

बबलू गुप्ता के पिता संतोष गुप्ता बाजार में आलू-प्याज बेचकर घर खर्च चलाते हैं, इस कार्य में बबलू भी हाथ बंटाता रहा व बाजार में पसरा पर बैठकर आलू-प्याज बेचता दिखा। बबलू गुप्ता ने जब सिविल सर्विस की तैयारी करने का फैसला किया, तो कोचिंग क्लास जाने के लिए पैसे नहीं थे लेकिन मुश्किल हालातों के आगे घुटने नहीं टेके और अपने फैसले पर अड़े रहे। दिन-रात मेहनत की और जीएसटी इंस्पेक्टर बनने में सफलता हासिल कर लिया।

मेरिट सूची में शामिल रहा बबलू

बबलू बचपन से ही पढ़ाई में होनहार रहा, इसलिए पिता ने पढ़ाई करने से नहीं रोका। बबलू ने रानी रोड स्थित गायत्री स्कूल 2015 में 12वीं 95.6 प्रतिशत छत्तीसगढ़ मेरिट सूची में 5वीं रैंक हासिल कर कोरबा जिला का नाम रोशन किया था। उसके बाद स लगातार मेहनत करते रहे। 2020 में एसएससी परीक्षा के समय पढ़ाई के साथ-साथ बुधवारी बाजार में बड़े भाई गोपाल गुप्ता के साथ आलू-प्याज भी बेचा। इसी दौरान चाचा और पिता की तबीयत खराब होने पर अस्पताल में भी रहता था लेकिन हिम्मत नहीं हारा व समय निकाल कर तैयारी जारी रखा।

पोस्टमैन की नौकरी करते हुए की तैयारी

संघर्ष करते हुए बबलू वर्ष 2018 में पोस्ट ऑफिस में जीडीएस के रूप में सेलेक्ट हुआ और पोस्टमैन के रूप में अपनी सेवा दिया। 2018 में रेलवे ग्रुप डी क्लियर किया लेकिन फिजिकल में चूक गया। 2019 रेलवे एनटीपीसी क्लियर करने से 3 नंबर से चूक गया। पोस्ट ऑफिस में काम करते हुए 2020 में एसएससी सीजीएल का पहला प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। 2021 में एसएससी एमटीएस फर्स्ट बार में ही क्लियर कियाद्य 2022 में एसएससी सीएचएसएल परीक्षा क्लियर किया पर मेन्स में रह गया। 2022 में एसएससी सीपीओ सब इंस्पेक्टर का एग्जाम क्लियर किया लेकिन चेस्ट 2 सेंटीमीटर कम पड़ गया और उसमें भी सेलेक्ट नहीं हो पाया। 2022 एसएससी सीजीएल फिर से क्लियर किया लेकिन मेन्स में 0.9 नंबर से चूक गया। इन असफलताओं पर भी वह हिम्मत नहीं हारा और हौंसला बनाये रखा। आखिरकार एसएससी सीजीएल 2023 क्लियर किया और ऑल इंडिया रैंक 641 जीएसटी (एक्साइज इंस्पेक्टर) बन गया। इस परीक्षा को भी एमटीएस के पद पर कार्य करते हुए क्लियर किया। एमटीएस के रूप में अभी वह केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग बिलासपुर में पदस्थ है।

सार-संक्षेप

छात्र-छात्राओं ने निकाली एड्स जागरूकता रैली

मनेन्द्रगढ़ 06 दिसंबर (देशबन्धु)। 1 दिसंबर 2023 से आरम्भ एड्स जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत शहर के चैनपुर में संचालित ए के इंस्टीट्यूट आफ नर्सिंग मनेद्रगढ़ के छात्राओं ने एड्स जागरूकता रैली निकाली। रैली का शुभारंभ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेद्रगढ़ से किया गया। गाँधी चौक से फुहारा चौक से होते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में समाप्त हुई।

इस अवसर पर संस्थ प्राचार्य ने कहा कि एड्स का ज्ञान बचाए जान, हर जान कीमती है जिसकी सुरक्षा करना स्वयं प्राणी का कर्तव्य होता है। उन्होंने कहा कि कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे । इस दौरान विद्यार्थियों ने बताया कि हमें एड्स से बचाव के लिए सदैव सतर्क रहना चाहिए। शैक्षिक सत्र में डायरेक्टर डॉ.ए के ओझा द्वारा एड्स के एक एचआईवी के बारे और इसके फैलने के कारणों जैसे अवैध संबंध, ब्लड ट्रांसफ्यूजन, एचआईवी संक्रमित सुइ को चुभन, पैतृक संक्रमण आदि की जानकारी देते हुए इसकी पूर्ण क्लीनिकल जांच से अवगत कराया. एड्स के उपचार एवं प्रबंधन की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि एचआईवी संक्रमण को रोकने के लिए इसके शुरुआती लक्षणों जैसे वजन में कमी, न रुकने वाला डायरिया, लगातार बुखार आदि को पहचान कर उचित जांच कराना आति आवश्यक है, वर्तमान में उपलब्ध मेडिसन एवं कुछ सावधानियों के साथ लंबी आयु वाला सामान्य जीवन संभव है, बस जरूरत है कि बीमारी को छुपाएं नहीं तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें और किसी भी प्रकार के रोग ग्रस्त होने या ऑपरेशन आदि के समय इसकी जानकारी अवश्य दें जिससे उपचार के दौरान सावधानी बरती जा सके और किसी अन्य व्यक्ति के संक्रमित होने की संभावना को रोका जा सके.

लोगों ने कहा शराब बनाना बंद कराओ

मनेन्द्रगढ़ 06 दिसंबर (देशबन्धु)। मांगलिक भवन वेस्ट जे के डी खोंगापानी में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना महिला के सात दिवसीय शिविर के द्वितीय दिवस प्रात: कालीन योग प्राणायाम पीटी परेड कार्यक्रम के उपरांत शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्वयं सेवक छात्राएं राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई की कार्यक्रम अधिकारी एवम प्राचार्य डा.सरोजबाला श्याग विश्नोई के नेतृत्व एवम मार्गदर्शन में सहप्रभारी अनुपा तिग्गा शिविर नायिका स्वास्तिका जयसवाल सह शिविर नायिका आसमां बेगम सहित अडतालीस स्वयं सेवक छात्राओं के साथ ग्राम संपर्क करते हुए शिविर थीम नशामुक्ति एवम सुपोषण के लिए युवा विषय पर जनजागरुकता हेतु शानदार रैली का आयोजन किया ।वहीं ग्राम संपर्क करने के दौरान ग्रामवासियों ने खासकर महिलाओं ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार को घर घर शराब बनाना बंद करवाना चाहिए ।जब शराब नहीं बनेगी ,नही मिलेगी तो क्या पिएगा ।स्वयं ही शराब बंदी हो जायेगी । सरकार को शराब बंदी हेतु कोई योजना चलाने की जरूरत नहीं होगी ।

कार्यक्रम के बौद्धिक सत्र में श्री सौभाग्यशरण सिंह जिला चिकित्सा अधिकारी एमसीबी द्वारा एड्स कारण लक्षण एवम रोकथाम पर व्याख्यान दिया । वहीं जल एवम वायु से होने वाली विभिन्न बीमारियों के कारण लक्षण एवम उपचार विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए जनजागरुकता उद्बोधन दिया। डॉ. अरुणिमा दत्ता आई क्यू ए सी को ऑर्डिनेटर द्वारा एड्स जागरूकता उद्बोधन दिया। इस अवसर पर पुष्पराज मनीष श्रीवास्तव ,साधना बुनकर उपस्थित रहे। सभी के प्रति डॉ. विश्नोई ने आभार व्यक्त किया। शिविर में सभी छात्राएं खुश एवम स्वस्थ हैं ,निरंतर जन जागरुकत कार्य में संलग्न हैं।

सीईओ जनपद ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

अम्बिकापुर 06 दिसंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर बुधवार को जिले में समस्त विभागों एवं जनपद पंचायतों में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सभी अधिकारियों द्वारा अपने अधीनस्थों के साथ बैठक कर विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री कुन्दन द्वारा विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निर्धारित समयावधि में इसका समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं जिससे कि आम नागरिकों एवं सभी जरूरतमंद लोगों को इसका लाभ मिल सके।

समीक्षा बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा अपने विभागीय कार्यों और हितग्राही मूलक योजनाओं पर चर्चा कर प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। इसी तरह समस्त सीईओ जनपद पंचायत द्वारा संबंधित जनपदों में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, विभिन्न प्रकार के पेंशन प्रकरण, स्वच्छ भारत मिशन, पीडीएस राशन वितरण, ग्राम पंचायतों में पंजी अद्यतन सहित निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई और कार्यों में प्रगति लाने निर्देशित किया गया। कार्यों की समीक्षा के साथ ही बढ़ती ठंड को देखते हुए चौक चौराहों पर अलाव की व्यवस्था हेतु भी निर्देशित किया। जनपद में आयोजित बैठक में विभागों के एसडीओ, सब इंजीनियर, पीओ मनरेगा, तकनीकी सहायक, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक आदि उपस्थित रहे।

प्रधान अध्यापिका ने स्कूली बच्चों को स्वेटर, सैनेटरी पेड वितरण किया

मनेन्द्रगढ़ 06 दिसंबर (देशबन्धु)। विगत दिवस शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला झगराखांड में द ऑल इंडिया एसोसिएशन मनेद्रगढ़ समर्पण क्लब की उपस्थिति में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ छत्तीसगढ़ महतारी की पूजन से हुआ तद उपरांत

सभी अतिथियों का स्वागत कर गीत संगीत का आयोजन हुआ। स्वागत उद्बोधन प्रधान अध्यापिका श्रीमती वीरांगना श्रीवास्तव ने किया। क्लब की अध्यक्ष प्रीति जायसवाल, वाइस डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट अनीता फरमानिया, सम्माननीय इंदिरा सेंगर मैडम ने अपने उद्बोधन में बच्चों को लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ने के लिए प्रेरित किया। क्लब के द्वारा बच्चों की विभिन्न प्रतियोगिताएं जिसमें चित्रकला निबंध, चम्मच रेस, मटका फोड़ आदि करवाए गए। सबसे रुचि कर रहा महिलाओं का रस्सा-कस्सी का कार्यक्रम। इस कार्यक्रम में वाइस डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट अनीता फरमानिया के द्वारा प्राथमिक शाला व माध्यमिक शाला के बच्चों को स्वेटर प्रदान किया गया। प्रतिभा के द्वारा प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए। क्लब के द्वारा बालिकाओं को सेनेटरी पैड भी दिया गया। विद्यालय की ओर से क्लब की महिलाओं को स्मृति चिन्ह भेट स्वरूप दिया गया। कार्यक्रम में क्लब की एरिया सचिव पम्मी अरोड़ा, क्लब कोषाध्यक्ष प्रीति अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, प्रतिभा अग्रवाल, लीना शाह विद्यालय परिवार के शिक्षक श्री रामानुज तिवारी, शुभम सर, शिक्षिका कावेरी सिंह, वंदना सिंह, अनुपमा सिंह विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। उपरोक्त कार्यक्रम विद्यालय परिवार की सहभागिता से हर्ष उल्लास के साथ संपन्न किया गया।

शहर भ्रमण पर निकले कलेक्टर दिए जरूरी दिशा-निर्देश

■ सड़कों से अतिक्रमण हटाएं, ठेले गुमटियों को व्यवस्थित कर शहरी यातायात व्यवस्था को बेहतर करें - कलेक्टर

अम्बिकापुर 06 दिसंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर कुंदन कुमार बुधवार सुबह शहरी व्यवस्था का जायजा लेने औचक निरीक्षण पर निकले। शहरी व्यवस्था को सुदृढ एवं व्यवस्थित करने हेतु उन्होंने नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार के साथ शहर के अलग-अलग हिस्सों का निरीक्षण किया। उन्होंने शहर का निरीक्षण कर कहा कि प्रशासन का मूल उद्देश्य लोगों के लिए सुविधाओं को बढ़ाना है, सजग होकर बेहतर शहरी व्यवस्था सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गुरुनानक चौक, सत्तीपारा, शिवाजी चौक का निरीक्षण कर वहां साफ-सफाई का जायजा लिया।

कलेक्टर श्री कुंदन ने निर्देशित किया है कि शहर में साफ-सफाई व्यवस्था दुरूस्त हो, इसके लिए नियमित रूप से कचरे का कलेक्शन किया जाए। उन्होंने नालियों की नियमित सफाई पर भी विशेष जोर देने के लिए कहा। इसके साथ ही निगम क्षेत्र में सड़कों पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों, ठेले-गुमटियों वालों को नोटिस जारी कर यातायात व्यवस्था सुदृढ़ कराए जाने के निर्देश दिए गए।

जिला चिकित्सालय व मातृ शिशु चिकित्सालय का लिया जायजा

कलेक्टर श्री कुंदन ने इस दौरान जिला चिकित्सालय तथा मातृ शिशु चिकित्सालय का भी औचक निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने विभिन्न वार्डो का जायजा लेकर मरीजों एवं उनके परिजनों हेतु समुचित व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। जिला चिकित्सालय के सामने अतिक्रमण पर आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित करते हुए ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय से 2 मीटर का एरिया नो पार्किंग जोन एवं नो वेंडिंग जोन होगा, नियमों का पालन कराने दो ट्रैफिक पुलिस के जवानों की तैनाती करने के निर्देश दिए जिससे मरीजों को सुविधा हो। बिजली व्यवस्था का अवलोकन करते हुए उन्होंने किसी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने के लिए जिला चिकित्सालय के बाहर लगे ट्रांसफार्मर को शिफ्ट करने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

कानूनी व्यवस्था पर अधिकारियों की ली बैठक

जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में बुधवार को कलेक्टर श्री कुंदन कुमार तथा पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शर्मा ने पुलिस, राजस्व तथा नगर निगम के अधिकारियों की बैठक लेकर शहरी व्यवस्था सुदृढ करने के कड़े निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कुंदन ने कहा कि शहरी व्यवस्था से जिले की स्थिति आंकी जा सकती है। शहर में कानून व्यवस्था, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। इन व्यवस्थाओं को बेहतर करने पुलिस, राजस्व तथा नगर निगम की संयुक्त टीम सचेत होकर कार्य करें। नगर निगम के अधिकारी स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें, नालियों की सफाई लगातार हो। रोड, भवनों, खेल मैदानों की व्यवस्था सुधारें। शहर में जिन क्षेत्रों में अतिक्रमण चिन्हांकित किया गया है, वहां नोटिस जारी कर आवश्यक कार्रवाई करें। यातायात व्यवस्था के लिए ट्रैफिक पुलिस तैनात रहे। ऑटो, ई रिक्शा आदि संघों से बात कर उन्हें पार्किंग ज़ोन के विषय में बताएं जिससे शहर व्यवस्थित रहे।

उन्होंने राजस्व अधिकारियों को लगातार फील्ड में भ्रमण कर रिपोर्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में सबसे अधिक समस्या पानी की होती है, गर्मी से पूर्व इस हेतु कार्ययोजना बना लें ताकि आमजनों को इस समस्या से जूझना ना पड़े। वहीं बिजली की व्यवस्था भी ठीक करने हेतु उन्होंने सम्बन्धितों को निर्देशित किया।

पुलिस अधीक्षक श्री शर्मा ने शहर में कानून व्यवस्था ठीक करने के सम्बंध में पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शहर के ऐसे चिन्हांकित प्वॉइंट्स जहां असामाजिक तत्व इकट्ठे होते हैं, उनपर आवश्यक कार्यवाही करें। खासकर स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानों के बाहर जिन स्थानों या दुकानों में लोग एकत्रित होते हैं उन दुकानों को शिफ्ट करें और सुरक्षा बढ़ाएं, ताकि महिलाओं और छात्रों में किसी तरह का भय ना हो। इसी प्रकार शराब की दुकानों के बाहर बने अहातों की भी लगातार जांच करें और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करें। शराब दुकानों के आसपास पेट्रोलिंग बढ़ाएं और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करें। पुलिस विभाग तथा आबकारी विभाग की संयुक्त टीम बनाकर जांच करें। इसी प्रकार अवैध रेत, कोयला एवं कबाड़ के कार्यों पर भी माइनिंग पुलिस विभाग नजर रखें। उन्होंने कहा कि शहर के मुख्य मार्गों में ट्रैफिक व्यवस्था ठीक रहे और जाम की स्थिति उत्पन्न ना हो, दुकानदारों को समझाइश दें। सड़कों के किनारे छोटे व्यापारियों की जांच कर नगर निगम के अधिकारी नियमानुसार कार्यवाही करें, ताकि उन्हें चिन्हांकित किया जा सके। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार, एएसपी श्री पुपलेश, सीएसपी श्री स्मृतिक राजनाला, एसडीएम अम्बिकापुर श्रीमती पूजा बंसल, डिप्टी कलेक्टर डीएस उइके सहित सम्बन्धित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

छात्र/छात्राओं के लिए वित्तीय साक्षरता विषय पर वेबीनार का आयोजन

बलरामपुर 06 दिसंबर (देशबन्धु) ।शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर में कम्प्यूटर एवं वाणिज्य विभाग की तरफ से एसव्ही वेल्थ पार्टनर्स के तत्वावधान में छात्र/छात्राओं के लिए वित्तीय साक्षरता विषय पर एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देष्य युवा पीढ़ी में बचत और निवेष के बारे में जागरूकता लाना था। इसमें मुख्य वक्ता एस व्ही वेल्थ पार्टनर्स के श्री विमल झा(शेयर मार्केट एक्सपर्ट) ने म्यूचुअल फंड, एसआईपी, स्टॉक मार्केट आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने विद्यार्थियों को बचत एवं निवेश के महत्व को समझाया कि वे अपनी छोटी-छोटी बचत को सही दिशा में निवेश कर के अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं। वेबीनार में 100 से अधिक छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने मुख्य वक्ता से अपने सवाल पूछ कर वित्तीय जानकारी भी प्राप्त की। प्राचार्य प्रो. एन.के. देवांगन ने कम्प्यूटर एवं वाणिज्य विभाग को वेबीनार आयोजन करने के लिए बधाई दी, साथ ही भविष्य में इसी तरह के आयोजन करने की शुभकामनाएं दी। श्री अनिल पाल ने कार्यक्रम का संयोजन किया तथा श्री अरूण कुमार के द्वारा मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया गया। इस वेबीनार में कम्प्यूटर विभाग के प्रमुख श्री ओम शरण शर्मा, वाणिज्य विभाग से श्री अरूण कुमार एवं सूरज मिश्रा उपस्थित रहे।

अवैध रूप से संचालित क्लीनिक को किया सील

बलरामपुर 06 दिसंबर (देशबन्धु)। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजपुर श्री राजीव जेम्स कुजूर एवं विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी के संयुक्त टीम के द्वारा गत दिवस ग्राम बरियों एवं चरगढ़ में अवैध रूप से संचालित क्लिनिक की जांच कर सील कर दिया गया।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री कुजूर ने बताया कि सूचना मिली थी कि ग्राम बरियों में डॉ. ए.पी. मिश्रा(बी.ए.एम.एस.) के द्वारा अवैध रूप से क्लिनिक का संचालन किया जा रहा है। प्राप्त शिकायत के आधार पर संयुक्त टीम द्वारा क्लिनिक का जांच किया गया, जांच में पाया गया कि संचालनकर्ता द्वारा क्लिनिक का नर्सिंग होम एक्ट में पंजीयन नहीं कराया गया है। साथ ही क्लिनिक में आयुर्वेद चिकित्सक द्वारा एलोपैथिक ईलाज भी किया जा रहा है तथा किसी भी प्रकार का दस्तावेजों का संधारण नहीं किया जा रहा है। इसी प्रकार संयुक्त टीम ने ग्राम चरगढ़ में संचालित क्लिनिक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जांच में पाया गया कि चौधरी मेडिकल हाल के नाम से ग्राम चरगढ़ में मेडिकल दुकान संचालित है जहां एक लड़के के द्वारा मेडिकल दुकान का संचालन अवैध रूप से किया जा रहा है, उक्त लड़के के द्वारा दो महिलाओं का इलाज भी किया जा रहा था। साथ ही दुकान के नाम पर अंदर अवैध रूप से क्लिनिक का संचालन भी किया जा रहा है तथा मरीजों को भर्ती करने के लिए चार बेड भी लगाया गया था। उक्त लड़के से पूछ-ताछ करने पर संतोष जनक जवाब नहीं दिया गया। संयुक्त टीम ने कार्यवाही करते हुए उक्त दोनों क्लिनिक को सील कर दिया गया है।

ओडिसा से लाया जा रहा 120 कट्टा अवैध धान पकड़ाया

रायगढ़ 06 दिसंबर (देशबन्धु)। जिले में धान खरीदी के मद्देनजर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार द्वारा वर्चुअल मीटिंग में थाना प्रभरियों तथा साइबर सेल की टीम को सीमावर्ती उड़ीसा राज्य से जिले में धान लाकर मंडियों में खपाये जाने को लेकर विशेष निगाह रखने के निर्देश दिये गये है। निर्देशों के पालन में थाना प्रभारियों द्वारा अवैध धान के आवक को रोकने मुखबिर लगाकर सूचनाओं प्राप्त की जा रही है। इसी क्रम में आज सुबह थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक प्रशांत राव अहेर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कनकतुरा उड़ीसा की ओर से दो ट्रैक्टरों में 4 व्यक्ति धान लेकर रायगढ़ मंडी की ओर निकले हैं। थाना प्रभारी द्वारा खाद्य अधिकारियों को सूचना देकर क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही साइबर सेल की टीम को साथ लेकर एकताल बैरियर पहुंचे। मौके पर चक्रधरनगर पुलिस , साइबर सेल और खाद्यविभाग की संयुक्त टीम द्वारा दो ट्रैक्टर सीजी 13 ए- 2475 एवं सीजी 13 वाई-5158 में कुल 120 कट्टा धान करीब 50 क्विंटल धान रखा हुआ पाया गया, पूछताछ में ट्रैक्टर में मौजूद व्यक्ति- मनोज कुमार चैहान निवासी धनवारडेरा, भोजराज तंटी निवासी जरायबोगा सुंदरगढ़, अनिल सिदार एकताल डिपापारा और तेजसन सिदार एकताल डिपापारा द्वारा कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिए जाने पर खाद्य अधिकारियों द्वारा अवैध धान मय ट्रैक्टर समेत जप्त कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। कार्यवाही में फूड इंस्पेक्टर अंजनी कुमार राव और उनकी टीम तथा पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

धारदार टांगी से युवक की हत्या

आपसी विवाद बना हत्या की वजह

रायगढ़ 06 दिसंबर (देशबन्धु)। जिले के कापू थाना क्षेत्र के ग्राम सोनपुर में आपसी विवाद के बाद सोमवार की शाम एक युवक की धारदार टांगी मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजते हुए आरोपी की पतासाजी में जुट गई है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कापू थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सोनपुर निवासी संजय पिता कार्तिकराम प्रधान उम्र 28 साल की सोमवार की शाम गांव में खून से लथपथ लाश मिलने से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। मृतक के गले में टांगी के वार से गहरे निशान दिखाई दे रहे थे। गांव के ग्रामीणो ने हत्या की घटना से कापू पुलिस को अवगत कराया जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजते हुए पूरे मामले को जांच में ले लिया है।

बताया जा रहा है कि अज्ञात आरोपी के द्वारा हत्या की इस वारदात को अंजाम दिया गया है। प्रारंभिक जांच के बाद कापू पुलिस के अनुसार हत्या का यह मामला जमीन संबंधी विवाद के कारण हो सकता है। बहरहाल कापू पुलिस अज्ञात आरोपी तक पहुंचने गांव के ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

औरदा सरपंच सचिव की मनमानी से परेशान ग्रामीण

■ गरीब के राशन डकारने का आरोप लेकर पहुंचे कलेक्टर के पास

रायगढ़ 06 दिसंबर (देशबन्धु)। खरसिया विकासखण्ड के ग्राम पंचायत औरदा में इन दिनों गांव की जनता ने पंच, सरपंच, सचिव के विरुद्ध ग्रामीण जनों ने मोर्चा खोल दिया हैं, ग्रामीण का कहना है गांव के पंच सरपंच के मिलीजुली जुगलबंदी के चलते गांव के 500 से 600 राशनकार्ड धारकों के साथ अन्याय हो रहा हैं।

सरपंच सचिव की मनमानी चरम सीमा पर है। हितग्राहियों का आरोप है कि राशन वितरण किए बिना ही हितग्राहियों को गुमराह कर बायोमैट्रिक में घर घर जाकर अंगुठे ले कर कहा जाता हैं कि हमने तुमन के अंगुठा ल आनलाइन अपडेट कर दिए हैं। अब जब भी राशन आप लोगो के नाम का आएगा आप सभी को सुचित कर राशन वितरण के लिए सुचना दे दिया जाएगा कहते हुए गांव के पंच- सरपंच और सचिव अपना पल्ला झाड़ लेते हैं।

ग्रामीण हितग्राही हर माह यही बात सुन सुन कर त्रस्त होकर बड़ी संख्या में जिला मुख्यालय पहुंचे। रायगढ़ कलेक्टर को अपनी आप बिती बताते हुए दोषियों के उपर कड़ी से कड़ी दण्ड देकर दण्डित करने की गुहार लगाते हुए ग्रामीण हितग्राहियों ज्ञापन सौंपा है। जिसमे जिला कलेक्टर के द्वारा जांच कर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया है।

ओपी की जीत पर महिलाओ ने दी अमित शर्मा को बधाई

रायगढ़ 06 दिसंबर (देशबन्धु)। रायगढ़ विधानसभा ओपी चैधरी की ऐतिहासिक जीत पर वार्ड क्रमांक 08 की महिलाओ ने भाजपा नेता अमित शर्मा के आवास पहुंच कर बधाई दी। अमित शर्मा ने कहा वार्ड क्रमांक 08 में भारी मतो से भाजपा प्रत्याशी को बढ़त हासिल हुई है। अमित शर्मा ने इस जीत की मातृ शक्ति की जीत निरूपित करते हुए कहा ओपी की जीत पर महिलाओ द्वारा मेरे निवास में आकर बधाई देना मेरा लिए खुशियों का पल है । सभी मातृ शक्तियों का आभार व्यक्त करते हुए अमित ने इस जीत के लिए आभार जताया एवम भविष्य में विकास कार्यो के लिए तत्पर रहने के लिए आवश्वस्त किया।

कलेक्टर-एसपी पहुंचे करजी धान खरीदी केंद्र

बेमौसम बारिश के मद्देनजर उपार्जन केन्द्रों में धान को सुरक्षित रखने समुचित उपाय करने के निर्देश

अम्बिकापुर 06 दिसंबर (देशबन्धु)। जिले में धान खरीदी जारी है। बुधवार को कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार और पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शर्मा करजी में धान खरीदी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धान बेचने आए किसानों से बात भी की। उपार्जन केंद्र में मौजूद महिला किसान मिथिलेश कुशवाहा से कलेक्टर ने बात कर धान खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। महिला किसान ने बताया कि वे करजी की रहने वाली हैं और उनके पास 2.50 हेक्टेयर भूमि है। उपार्जन केंद्र में महिला किसान से धान खरीदी की ऑनलाइन एंट्री किए जाने की प्रक्रिया का कलेक्टर ने स्वयं बैठकर अवलोकन किया और किसान को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने धान की स्टैकिंग और अपने समक्ष उपार्जन केंद्र में आए धान की आर्द्रता और तौल का अवलोकन किया।

कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों में की जा रही अब तक कुल धान खरीदी एवं उठाव, धान के सुरक्षित रख रखाव, बारदाने की उपलब्धता, किसानों का पंजीयन आदि के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही

सभी एसडीएम, तहसीलदार, पटवारियों एवं संबंधित अधिकारियों को उपार्जन केंद्रों के सतत निरीक्षण के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने उपार्जन केन्द्रों में खरीदी पश्चात रखे गए धान को बेमौसम बारिश से सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। उपार्जन केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में कैप कव्हर और पानी के निकासी हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित होना चाहिए।

जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि सरगुजा जिले में धान बेचने हेतु कुल पंजीकृत कृषक संख्या 58409 हैं, और पंजीकृत धान का रकबा 74770 हेक्टेयर है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष धान खरीदी का अनुमानित लक्ष्य 288134 मीट्रिक टन है। 6 दिसंबर की स्थिति में कुल 2604 किसानों से 11717 मीट्रिक टन धान की खरीदी 51 समितियों के माध्यम से की गई है। जिले में अनुमानित धान खरीदी हेतु आवश्यक बारदानों की संख्या 14406 गठान है जिसमें से आज की स्थिति में जिले नये जूट बारदाने, राईस मिलर के पुराने जूट बारदाने एवं पीडीएस से प्राप्त कुल 12756 गठान उपलब्ध हैं द्य जिले में बारदाना की कोई समस्या नहीं है। जिले में अवैध धान के 2 प्रकरण बनाये गये हैं जिसमें 330 क्विंटल धान मण्डी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है।

सार-संक्षेप

तड़के अचानक बज उठा सेंट्रल बैंक का सायरन

रायगढ़ 06 दिसंबर (देशबन्धु)। धरमजयगढ़ रोड़ स्थित सेंट्रल बैंक घरघोड़ा का अलार्म कल सुबह अचानक बजने लगा क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही घरघोड़ा पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी को सूचना प्राप्त होने पर थाना प्रभारी घरघोड़ा शरद चन्द्रा को सूचना देकर बैंक के लिये रवाना हुये। तत्काल मौके पर टीआई शरद चन्द्रा अपने स्टाफ के साथ पहुंचे और सुरक्षा उपाए अपनाते हुये पूरे बैंक परिसर को चेक किये।

इस दौरान बैंक के मुख्य शटर में एक ताला लगा हुआ और एक ताला खुला हुआ मिला। बैंक पर सिक्युरिटी गार्ड मौजूद नहीं था। टीआई घरघोड़ा द्वारा उच्च अधिकारियों को सूचना देकर बैंक स्टाफ को मौके पर बुलाये। कुछ देर बाद बैंक मैनेजर और उनका कुछ स्टाफ बैंक पहुंचा। पुलिस टीम और बैंककर्मियों बैंक अंदर जाकर तसल्ली पूर्वक निरीक्षण किया गया किसी प्रकार की सेंधमारी व अन्य घटना नहीं हुई थी। बैंक मैनेजर ने बताया कि तकनीकी खराबी के कारण सायरन बजी है। बैंक के उच्च अधिकारियों को अवगत कराकर व्यवस्था दुरुस्त कर ली जाएगी। थाना प्रभारी घरघोड़ा ने बैंक की सुरक्षा व्यवस्था पर आपत्ति जताते हुए बैंक मैनेजर को सुरक्षा व्यवस्था शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश दिये गये हैं।

जिले में बारह हजार 470 किसानों ने धान बेचा

सारंगढ़ 06 दिसंबर (देशबन्धु)। जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्दकी के निर्देश पर 1 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ हुई है। एक माह से अधिक धान खरीदी होने पर खाद्य अधिकारी चित्रकांत ध्रुव ने बताया कि –जिले के तीनों विकासखंड में 65 सहकारी समितियां और उपार्जन केंद्र 86 है । इन धान खरीदी केंद्रों में शासन द्वारा सत्र 2023 – 24 के लिए खरीदी लक्ष्य 399837.00 (में.टन) है । पंजीकृत किसानों की कुल संख्या 87121 है जिस में से दिनांक 6 दिसंबर की स्थिति में 12470 किसानों ने धान विक्रय किया , शेष किसानों की संख्या 73735 है । धान विक्रय प्रक्रिया को पारदर्शीय बनाने हेतु टोकन 16528 धान विक्रय हेतु काटे गये थे , जिसमें 15985 टोकन में ही धान खरीदीकार्य संपन्न हुआ है । 543 टोकन निरस्त हुए, धान खरीदी केंद्रों में मोटा , पतला , सरना तीन किस्म की धान खरीदी जा रही है। 6 दिसंबर की स्थिति में मोटा धान 23190. 88 क्वि. वहीं पतला धान की बोहनी नहीं हुई है । सरना 26608.08 क्वि. धान की खरीदी की गई है । अभी तक खरीदी गई धान की स्थिति यह है कि – 49798.96 क्विं. खरीदी हुई हैं । खाद्य कलेक्टर चित्रकांत ध्रुव ने बताया कि – 98 राइस मिलों के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया जिसमें 90 पंजीकृत राइस मिल है, डीओ किसी भी राईस मिल को जारी नहीं किया गया है । मिलर्स द्वारा उठाए गए धान की मात्रा निरंक है । वर्तमान में उपार्जन केंद्र में 49798. 96 क्वि. धान संग्रहित है । जिला खाद्य अधिकारी चित्रकांत ध्रुव ने बताया कि जिला कलेक्टर डॉ. सिद्दकी के आदेश पर सभी संग्रहण केंद्रों में खरीदी की गई धान को बरसात से बचाने के लिए तिरपाल में धान को ढकवाया गया है ।

जिला व्यापार व उद्योग केन्द्र में आवेदन 31 दिसम्बर तक

कोरिया 06 दिसंबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु से आवेदन आमंत्रित किया जा रहा हैं। इसमें बेरोजगार युवक एवं युवतियों को योजना अंतर्गत अधिकतम स्वीकृत लागत निर्माण/उद्योग इकाईयों हेतु 25 लाख, सेवा इकाई 10 लाख एवं व्यवसाय हेतु 2 लाख प्रदान किया जाएगा। इसके लिए आवेदक न्यूनतम आठवीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। इस योजना की पात्रता हेतु आवेदक छत्तीसगढ़ का मूल निवासी, आवेदक के परिवार को वार्षिक आय 3 लाख से कम हो आवेदक का आयु दिनांक को 18 से 35 वर्ष के माध्यम हो, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग से महिला तथा विकलांग एवं नक्सल प्रभावित परिवार के सदस्य एवं सेवानिवृत्त सैनिक हेतु अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट पात्रता है। आवेदक निर्धारित प्रारूप में आवदेन पत्र के साथ में राशन कार्ड, निवास, मतदाता पहचान पत्र, ड्राईविंग लाइसेंस (कोई भी एक) शैक्षणिक व तकनीकी संबंधी प्रमाण पत्र, जन्मतिथी, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी नि:शक्तजन, भूतपूर्व सैनिक, अल्पसंख्य, जाति, उद्यमी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रमाण पत्र, भूमि एवं भवन किराए पर हो तो किरायानामा कम से कम पांच वर्ष की अवधि के लिए, मशीनरी, उपकरण, साज–सज्जा में हेतु वर्तमान दरों के कोटेषन, पासपोर्ट दो फोटो इस योजना का लाभ एक परिवार में से एक ही व्यक्ति को मिलेगा। भारत सरकार तथा राज्य शासन की किसी अन्य योजना के अंतर्गत अनुदान का लाभ लिया हो वे पात्र नहीं होंगे।

आफत की वर्षा ने बढ़ाई किसानों की मुसीबत

जांजगीर, 06 दिसम्बर (देशबन्धु)। अंचल में सोमवार की रात से आज दिन भर रूक रूक कर वर्षा हुई। इसके चलते खेतों में कट चुकी धान की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। वहीं खड़ी फसलें भी कई जगह गिर गई हैं। इस बेमौसम वर्षा से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें हैं। अगर एक दो दिन और वर्षा हुई तो किसानों को बड़ा नुकसान होगा ।

बारिस होने से मौसम में ठंडकता घुल गई। सोमवार से क्षेत्र में काली घटा छाने से क्षेत्र में हल्की बूंदी बादी शुरू हुई। बे मौसम हो रही वर्षा के चलते किसानों के माथे में चिंता की लकीरें दिखने लगी है। दिसंबर माह के पहले सप्ताह में सभी खेतों में धान की फसलें तैयार है। वहीं किसान कटाई में भी जुट गए थे मगर वर्षा होने के चलते खेतों में कटे हुए धान भीग गए। जबकि खड़ी फसल भी गिर गई। इसके चलते किसान चिंतित हैं। उन्हें फसल बर्बाद होने की चिंता सताने लगी है। लगातार हो रही वर्षा के चलते किसानों को हजारों रूपये का नुकसान होने का अनुमान है। इस संबंध में मेहंदा के किसान संदीप तिवारी का कहना है कि किसानों ने बड़ी मेहनत से धान की खेती की थी । अभी जिले में बड़ी मात्रा में फसल की कटाई बची है। इस बार नहर विलंब से बंद होने के कारण खेतों तक हार्वेस्टर नहीं पहुंच सका। ऐसे में किसान हाथ से फसल कटवा रहे हैं इसलिए समय लग रहा है। वर्षा के चलते फसल भीग गई, इसके चलते हजारों रूपए नुकसान का अनुमान है। इस बार पर्याप्त वर्षा के चलते फसल ठीक हुई है। ऊपर से इस वर्षा ने किसानों की कमर तोड़ दी है। मिसदा, खपराडीह, तुलसी में फसल तैयार होने के बाद फसल को काट कर करपा के रूप में खेत में रखा गया है। वर्षा से कटी फसल भीग गई है। वहीं खड़ी फसल भी गिरने की खबर है। इससे किसानों को पूरी मेहनत के बाद जब उपज लेने का दिन आया तब वर्षा ने तबाही मचा दी। लगातार अगर दो तीन दिन वर्षा हो गई तो किसानों को ज्यादा नुकसान होगा। मौसम विभाग का कहना है कि ने मिचौंग तूफान के चलते यह वर्षा हुई है। मौसम विभाग ने इसका असर 7 दिसंबर तक रहने की बात कही है।

सब्जियों में कीटों का बढ़ा प्रकोप

बेमौसम हो रही वर्षा से सब्जियों की फसल पर असर पड़ रहा है। क्षेत्र में पिछले दो दिन से छाई बदली व वर्षा के चलते सब्जियों में कीटों का प्रकोप बढ़ने लगा है, वहीं मंगलवार को हुई वर्षा के चलते किसानों को फसल बर्बाद होने की चिंता सताने लगी है। बेमौसम वर्षा के कारण भिंडी, टमाटर, गोभी, बरबट्टी, भटा की फसल को नुकसान पहुंचा है।

आधी से अधिक कटाई बाकी

किसानों का कहना है कि वर्तमान में 5 फीसदी धान कटाई बाकी है। मौसम बिगड़ने से फसल को नुकसान हुआ है। अकलतरा तहसील के ग्राम मुलमुला के किसान जयप्रकाश ने बताया कि 15 एकड़ में से मात्र दो एकड़ में फसल की कटाई हुई है। 13 एकड़ की कटाई बाकी है। इसी गांव के कृपाराम साहू ने बताया कि उनके 9 एकड़ में से मात्र ढाई एकड़ फसल की कटाई हुई है। जबकि साढ़े एकड़ में फसल नहीं कटी है। वर्षा से फसल को नुकसान हुआ है। कुछ खेत के फसल गिर गए हैं। अब मौसम खुलने का इंतजार है। जबकि उधर कृषि विभाग के उपसंचालक दो से तीन फीसदी कटाई बाकी होने की बात कह रहे हैं।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का आयोजन आज

कोरिया 06 दिसंबर (देशबन्धु)। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर रणजीत सिंह बिष्ट ने बताया कि आज 07 दिसम्बर सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रातः 11:00 बजे किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर पर जिले के समस्त भूतपूर्व सैनिको, विधवाओं, सेवारत सैनिको एवं उनके आश्रितों को अधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होने का आग्रह किया है।

झण्डा दिवस का आयोजन आज

कोरिया 06 दिसंबर (देशबन्धु)। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर रणजीत सिंह बिष्ट ने बताया कि आज 07 दिसम्बर सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रातः 11:00 बजे किया जाएगा।

बड़ा हादसा टला, समग्र शिक्षा विभाग के कार्यालय का छत गिरा

जांजगीर, 06 दिसम्बर (देशबन्धु)। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में संचालित समग्र शिक्षा विभाग के कार्यालय का छत गिर गया। हादसा के वक्त प्रभारी अधिकारी के साथ अन्य कर्मचारी काम कर रहे थे और कार्यालय का छत भरभरा कर गिर गया। ताया जा रहा है इस हादसे में दो कर्मचारियों को चोट आई है। वही अन्य कर्मचारी सुरक्षित है।

आज दोपहर उस समय बड़ा हादसा होते–होते टल गया, जब जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के पीछे बना समग्र शिक्षा विभाग का छत भरभरा कर गिर गया। सौभाग्य से इस समय कमरे में कुछ ही लोग उपस्थित थे इस वजह से कोई बड़ी क्षति होने से रह गई। हालांकि दो कर्मचारियों को चोट आने की बात कही गई है।

जिला मुख्यालय के जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आज दोपहर उस समय अफरा तफरी मच गई जब समग्र शिक्षा विभाग का छत भरभरा कर गिर गया जिससे दो कर्मचारियों को हल्की छोटे आई हैं बाकी अन्य कर्मचारी सरकारी कार्य से बाहर थे इस वजह से बड़ी दुर्घटना टल गई है। विभाग का यह कार्यालय अंग्रेजों के जमाने से बने बिल्डिंग पर संचालित हो रही है, जिसके जर्जर हालत को लेकर मरम्मत के लिए कई बार फाइलें भी दौड़ाई जा चुकी हैं, बावजूद इसके भवन का मरम्मत नहीं हो पाया जिसके चलते यह हादसा हुआ। ऐसा नहीं है कि इस भवन के मरम्मत को लेकर पूर्व में कोई राशि स्वीकृत नहीं हुई है, गौर करने की बात यह है कि यह वही बिल्डिंग है जो 1998 में जिला बनने से पूर्व हॉस्टल के रूप में शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा था। सन 1998 में जांजगीर चांपा जिला बनाए जाने के साथ ही इस बिल्डिंग को तत्कालीन कलेक्टर कार्यालय के लिए अधिग्रहित कर लिया गया था, तब इस भवन के जीणोद्धार के लिए लाखों की रकम फूंकी गई थी और यहां छप्पर की मरम्मत के साथ ही फॉल सीलिंग एवं इलेक्ट्रिसिफिकेशन का कार्य किया गया था। इसके बाद जब कलेक्टर कार्यालय अपने नए भवन में शिफ्ट किया गया तब यह भवन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के रूप में संचालित होने लगा। इस दौरान भी छत की मरम्मत के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए गए थे। मगर मरम्मत के नाम पर की गई लीपा पोती का खामियाजा आज इस रूप में देखने को मिला है। भवन के छत में लगे लकड़ियां सड़ चुकी है, जो फॉल सीलिंग के चादर से ढके जाने के चलते दिखाई नहीं पड़ रहा था और आज बड़ा हादसा होते रह गया।

जिपं सीईओ ने ली पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक

जांजगीर, 06 दिसम्बर (देशबन्धु)। जिला पंचायत सीईओ श्री आर के खुंटे ने बुधवार को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक जिला पंचायत के सभागार में ली। समीक्षा बैठक में महात्मा गांधी नरेगा, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, क्रियान्वयन एजेंसी के कार्यों की प्रगतिवार समीक्षा की।

जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि महात्मा गांधी नरेगा के कार्यों को लेकर जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसको प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाय। मनरेगा कार्यों में प्रतिदिन चल रहे कार्यों का स्थल निरीक्षण करते हुए कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मनरेगा का मूल उद्देश्य सभी जॉब कार्डधारी परिवारों को गांव में ही रोजगार मुहैया कराया जाना है। इसके लिए कार्य की सूचना और रोजगार की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्कूलों में बाउंड्रीवाल, पानी की सुविधा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के उपलब्धता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मनरेगा के साथ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्व सहायता समूह की महिलाए, स्कूल शिक्षा विभाग, उद्यानिकी विभाग मिलकर प्लान तैयार करें। इसके अलावा लक्ष्य के विरूद्ध सृजित मानव दिवस की उपलब्धि, चल रहे कार्यों में नियोजित श्रमिकों की समीक्षा, महिलाओं द्वारा सृजित मानव दिवस, 100 दिवस रोजगार प्राप्त किए परिवार, समयबद्ध मजदूरी भुगतान, कार्यपूर्णता का प्रतिशत, हितग्राही मूलक कार्यों को लेकर समीक्षा की। जिला पंचायत सीईओ ने पीएम आवास के तहत बनाए जा रहे आवास की जनपद पंचायत वार समीक्षा की। उन्होंने समय सीमा में आवास पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा किश्त प्राप्त उपरांत अप्रारंभ, अपूर्ण, प्रगतिरत आवासों की प्रगति, स्वीकृत आवासों के हितग्राहियों को शत प्रतिशत प्रथम एवं अंतिम किश्त भुगतान किये जाने के संबंध में चर्चा की। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की जियो टैगिंग एवं निर्माण को लेकर सतत रूप से मॉनिटरिंग करते हुए प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सामुदायिक शौचालय के निर्माण के बाद उसका उपयोग सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिए। इसके अलावा जियो टैगिंग एवं संचालन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लक्ष्य, तरल अपशिष्ट प्रबंधन, घर–घर कचरा संग्रहण चालू करने एवं सेग्रीगेशन शेड, गोबरधन योजना के अंतर्गत बायोगैस संयंत्र स्थापना एवं संचालन, ओ.डी.एफ. प्लस ग्राम की समीक्षा की गई। बैठक में वरिष्ठ लेखा अधिकारी श्री विजय पांडेय, क्रियान्वयन एजेंसी के जिला अधिकारी, जनपद पंचायत सीईओ, आरईएस एस.डी.ओ., मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी, एसबीएम ब्लॉक समन्वयक, पीएम आवास योजना ब्लॉक कॉर्डिनेटर, तकनीकी सहायक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

डॉ अंबेडकर की पुण्यतिथि कांग्रेसजनों दी श्रद्धांजली

जांजगीर, 06 दिसम्बर (देशबन्धु)। । नवनिर्वाचित विधायक ब्यास कश्यप के नेतृत्व में नगर कांग्रेस कमेटी जांजगीर नैला द्वारा कचहरी चौक स्थित आंबेडकर प्रतिमा में कांग्रेस जनों ने पुष्पांजली अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश शर्मा, राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य रमेश पैगवार, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक सिद्दीकी, जिला महामंत्री शिशिर द्विवेदी, नपाध्यक्ष भगवान दास गढ़ेवाल, प्रिंस शर्मा, महारथी बघेल, अजीत सिंह राणा, सभापति रामविलास राठौर, परमेश्वर निर्मले, विष्णु यादव, राकेश कहरा, आकाश तिवारी, भोलू यादव, एल्डरमैन शेषनाथ टंडन, हीरा उपाध्याय, दीपक राज आसना, रामकुमार यादव, मुंशी दास वैष्णव, दिनेश महंत, नरसिम्हा यादव, तुषार जांगड़े सहित कांग्रेस जन भारी संख्या में उपस्थित रहे।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 दिसम्बर तक

जांजगीर, 06 दिसम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक एवं आईटीआई आदि के प्राचार्य, संस्था प्रमुख, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं उनमे अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं, को सूचित किया गया है कि शिक्षा सत्र 2023–24 हेतु ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12 वीं से उच्चतर) के स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही वेबसाइट पर ऑनलाइन की जा रही है। जिसके अंतर्गत संस्थानों के प्रस्ताव, स्वीकृति लॉक करने हेतु विभाग द्वारा तिथि निर्धारित की गई है।

निर्धारित तिथि अनुसार छग राज्य में अध्ययनरत विद्यार्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन हेतु (नवीन एवं नवीनीकरण) 30 दिसंबर तक, ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक करने हेतु 15 दिसंबर 2023 से 20 जनवरी 2024 तक एवं से स्वीकृति लॉक करने 15 दिसंबर 2023 से 24 जनवरी 2024 तक निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथियों के पश्चात जिला सत्र 2023–24 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु आवेदन स्वीकृति नहीं किए जाएंगे एवं लॉक/स्वीकृति करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जाएगा। उक्त तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित संस्थाओं के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं, तो इसके लिए संस्था प्रमुख स्वत: ही जिम्मेदार होंगे। पीएफएमएस के माध्यम से आधार आधारित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा रहा है। अत: सभी विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन करते समय ध्यान रखें कि उनके द्वारा दर्ज किया गया बैंक खाता एक्टिव हो एवं आधार सीडेड बैंक खाता नम्बर की प्रविष्टि ही करना सुनिश्चित करें।

एसपी ने ली प्रधान आरक्षकों की मीटिंग

जांजगीर, 06 दिसम्बर (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के थाना चौकी के प्रधान आरक्षकों की मीटिंग ली गई। जिले के सभी प्रधान आरक्षकों को नए साल से थाना के रजिस्टरों का सही ढंग से संधारण करने के सम्बंध में मार्गदर्शन देते हुए महत्वपूर्ण निर्देश दिया गया। बताया गया कि थाना/चौकी के हवालातों में बंद होने वाले आरोपियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हवालात में रस्सी, एसिड, तार इत्यदि ऐसी सामग्री जिससे बन्दी कोई घटना कृत कर सकता हो वह सामग्री किसी भी हाल में हवालात में नही होना चाहिए। उन्होने कहा कि नेफिस साफ्टवेयर में अधिक से अधिक संदिग्धों का फिंगर प्रिंट अनिवार्य रूप से अपलोड कराया जावे। तथा थानों के केश बुक का अनिवार्य रूप से प्रति माह मिलान कराया जावे। निगरानी/गुंडा बदमाशों की डायरी 15 दिवस में तैयार करना सुनिश्चित करें, अपराध ग्राम पुस्तिका में थाना प्रभारियों से वार्षिक टिप लिखाना सुनिश्चित करे एवं खात्मा ख़रीजी के प्रकर्णो की डायरी भविष्य के लिए सम्हालकर रखा जावे। 10 दिसंबर 23 तक ऐसे अपराध जिनमे चालान/गिरफ्तारी नही हुई है उनकी सूची भेजनें के निर्देश दिए गये है।

फसल बीमा रथ को अपर कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

- **गेहूं सिंचित फसल के लिए करा सकेंगे फसल बीमा**
- **फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर**

सक्ती 06 दिसंबर (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मौसम रबी वर्ष 2023–24 अंतर्गत जिले में अधिकाधिक कृषकों को बीमा अवरण में सम्मिलित करने हेतु फसल बीमा प्रचार रथ का शुभारम्भ किया गया है। जिला सक्ती अंतर्गत फसल बीमा जागरूकता रथ को कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के सामने अपर कलेक्टर बीरेंद्र कुमार लकड़ा द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर के. एस. पैकरा, अधीक्षक भू–अभिलेख शाखा बी. एल कंवर, सहायक अधीक्षक भू–अभिलेख शाखा श्री आशीष पटेल, राजस्व निरीक्षक मनीष सिंह राज, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी डॉ. प्रहलाद साहू, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुमित प्रेमी, जिला बीमा प्रतिनिधि मनजेश यादव एवं अन्य ब्लाक बीमा प्रतिनिधि उपस्थित रहे। यह फसल बीमा जागरूकता रथ जिले में अधिसूचित ग्रामों में जाकर किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी उपलब्ध करायेगा। जिले में रबी मौसम में गेहूं सिंचित फसल को अधिसूचित किया गया है। इस वर्ष प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत गेहूं सिंचित फसल के लिए बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर निर्धारित की गई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ ऋणी, अऋणी, भूधारक कृषक, बटाईदार व वनपट्टाधारी कृषक ले सकते है। इस वर्ष जिला सक्ती में फसल बीमा के लिए बीमा कम्पनी बजाज जनरल इन्शोरेस कम्पनी लिमिटेड को अनुबंध किया गया है।

उप संचालक कृषि शशांक शिंदे के द्वारा बताया गया कि 6 दिसम्बर से 12 दिसम्बर 2023 तक मैदानी अमलों द्वारा फसल बीमा सप्ताह का आयोजन कर किसानों को अधिक से अधिक योजना का लाभ लेने के लिय प्रचार किया जा रहा है तथा अधिसूचित ग्रामों में सभी गेहूं उत्पादक कृषकों को फसल बीमा का लाभ लेने के लिये अपील की गई है। फसल बीमा आपदा की स्थिति में फसल सुरक्षा का बेहतर विकल्प होता है। बीमांकित राशि गेहूं सिंचित के लिये 10400 रू. रूपये प्रति एकड़ है तथा कृषकों के लिये प्रीमियम राशि 1.5 प्रतिशत् है। फसल बीमा के लिये किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, पटवारी या अपने नजदीकी सी.एस.सी. सेंटर/संबंधित बैंक से सम्पर्क कर सकते है। अऋणी किसान आवश्यक दस्तावेज –बुवाई प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, पर्ची, बी–1 तथा पी–2 फसल विवरण के साथ अपने नजदीकी सी.एस.सी. सेंटर / संबंधित बैंक में जा कर फसल बीमा करा सकते हैं।

अपर कलेक्टर तिवारी ने रथ को किया रवाना

सारंगढ़ 6 दिसंबर (देशबन्धु)। अपर कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी ने कलेक्टोरेट से पीएम फसल बीमा योजना के प्रचार वाहन रथ की पूजा करके हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कृषि और उद्यानिकी विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। वर्तमान में फसल कटाई का अंतिम दौर चल रहा है और हल्की बारिश पिछले दो दिनों से जारी है। ऐसे में किसानों का फसल नुकसान होने की संभावना है। सभी किसान फसल नुकसान होने पर मुआवजा के लिए संबंधित बीमा कंपनी और अधिकारियो से सम्पर्क कर सकते हैं।

इटली में प्रस्तावित पेंशन कटौती के खिलाफ डॉक्टरों की हड़ताल

रोम। बेहतर कामकाजी परिस्थितियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर हजारों डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने इटली में 24 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल की। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने मंगलवार को 2024 के बजट बिल में प्रस्तावित पेंशन कटौती का भी विरोध किया, जिसे सरकार ने अक्टूबर में मंजूरी दे दी थी और अब संसद द्वारा मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है।

गाजा में कोई सुरक्षित जगह नहीं : दुजारिक

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने कहा, यूएन नामित क्षेत्र भी सुरक्षित नहीं

संयुक्त राष्ट्र, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि गाजा में कोई भी सुरक्षित क्षेत्र नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को यह बात कही। श्री दुजारिक ने एक ब्रीफिंग में कहा गाजा में संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित कोई सुरक्षित क्षेत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि महासचिव सहित मेरे सभी वरिष्ठ सहयोगियों ने बहुत स्पष्ट कहा है कि गाजा में कोई सुरक्षित स्थान नहीं है,। ऐसे आश्रय स्थल हैं जो संयुक्त राष्ट्र का झंडा फहराते हैं। लेकिन हमने संघर्ष की शुरुआत से देखा है कि वे स्थान जो संयुक्त राष्ट्र का झंडा फहराते हैं वे भी सुरक्षित नहीं हैं। श्री दुजारिक ब्रीफिंग के दौरान अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर की टिप्पणी के संबंध में एक

सवाल का जवाब दे रहे थे कि गाजा में लोगों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित जगहों में जाना चाहिए जो कि इजरायली सूची में विसंघर्ष क्षेत्र के रूप में सूचीबद्ध हैं जो सैन्य अभियानों का लक्ष्य नहीं होना चाहिए।

छापे में 3 बम बनाने वाली लैब मिली : इजरायली सेना

इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने बुधवार को कहा कि मेनाशे क्षेत्रीय ब्रिगेड, डुवदेवन इकाई, लोटार और सीमा पुलिस के जवानों ने वेस्ट बैंक के जेनिन शरणार्थी शिविर में रात भर अभियान चलाया, जिसमें 10 वांटेड फिलिस्तीनियों को हिरासत में लिया गया। इस दौरान दो सुरंग शाफ्ट और तीन बम बनाने वाली लैब का भी पता चला। इस दौरान कई हथियार और अन्य उपकरण जब्त किए गए। आईडीएफ ने कहा कि इजरायली सैनिक क्षेत्र में फिलिस्तीनी बंदूकधारियों के साथ भिड़ गए।

यमन से दागी गई मिसाइल को आईडीएफ ने लाल सागर के ऊपर रोका

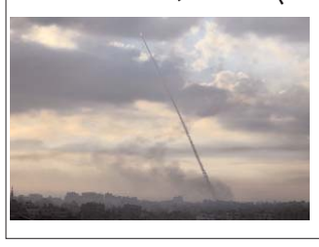

तेल अवीव। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने बुधवार को कहा कि सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल को सैनिकों ने लॉन्ग-रेंज ऐरो एयर डिफेंस सिस्टम का उपयोग करके लाल सागर के ऊपर रोक दिया था। माना जा रहा है कि मिसाइल को यमन से लॉन्च किया गया था। द टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना से दक्षिणी शहर ईलात में सायरन बज गया, हालांकि आईडीएफ का कहना है कि मिसाइल ने इजरायली हवाई क्षेत्र में प्रवेश नहीं किया। आईडीएफ ने कहा, टारगेट इजरायली क्षेत्र में नहीं घुसा और इससे नागरिकों को कोई खतरा नहीं हुआ। प्रोटोकॉल के अनुसार अलर्ट एक्टिव कर दिया गया था।

राहत गलियारे के प्रस्ताव के लिए साइप्रस के राष्ट्रपति ने मिस्र, जॉर्डन का किया दौरा

निकोसिया, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स ने साइप्रस से गाजा तक राहत पहुंचाने के लिए समुद्री गलियारे की स्थापना की अपनी पहल को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को मिस्र और जॉर्डन का दौरा किया। यहां राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि क्रिस्टोडौलाइड्स ने जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय के साथ परामर्श के लिए अम्मान जाने से पहले काहिरा में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी के साथ बातचीत की। क्रिस्टोडौलाइड्स ने गाजा को सहायता के निरंतर हस्तांतरण के लिए एक गलियारा स्थापित करने और क्षेत्र में शांति की बहाली के लिए अन्य देशों के साथ काम करने के लिए साइप्रस की तत्परता दोहराई। क्रिस्टोडौलाइड्स की योजना अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहायता के लार्नाका बंदरगाह पर प्रेषण और भंडारण और दक्षिण में लगभग 37 किमी दूर फिलिस्तीनी एन्क्लेव में इसके हस्तांतरण का प्रावधान करती है।

सुडोकू 6398

4		7		6				
			4				1	9
1	2							6
			7	8				
7	8		5		2		6	3
				4	3			
2							9	8
5	9				7			
				3		6		7

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6398

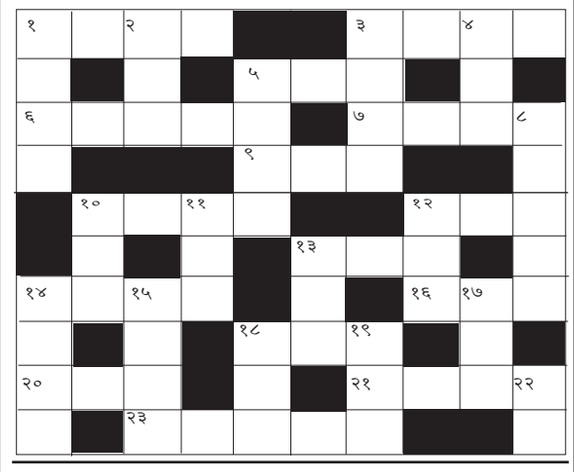

बायें से दायें:-

१. वाक्य की बनावट, रचना, लिखने का ढंग (उर्दू)
३. ऐसा जीव जो पौधे या प्राणी को अन्य किसी पौधे या प्राणी पर या उसके अंदर रहता है और उसी को अपना आहार प्राप्त करता है
५. प्रश्न (उर्दू)
६. एक लिपि जिससे हिन्दी, संस्कृत, मराठी आदि भाषाएं लिखी जाती हैं
७. एक फल जिसे सब्जी आदि में डाला जाता है, तता चटनी भी बनती है
९. निर्माण, रचना
१०. बददुआ, शाप
१२. सुबह, रात की समाप्ति
१३. जिसके पति की मृत्यु हो गई हो
१४. जंगलों में निवास करने वाला
१६. काल, अवसर
१८. भेद, फासला, फर्क
२०. महिना, साल का भाग
२१. सरोवर
२३. आदेश की अवहेलना (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. अराध्य देव
२. निवास करना, मौजूद होना
३. सेना, फौज
४. साहस, बहादुरी, हिम्मत
५. जमीन पर रेंगने वाले प्राणी
८. सूर्य पुत्र, कर्ण
१०. इकट्ठा करना, कमाना
११. साधुवाद, वाहवाही
१२. घर, मकान, रहने की जगह
१३. जिसका अंत हो गया हो, विरक्त, लीन, मग्न
१४. अधीनस्थ
१५. वेश्या
१७. शंकर, शिव
१८. आकाश, गगन
१९. रात्रि
२२. कुबेर, कुबेर के सेवक

वर्ग पहेली-6397

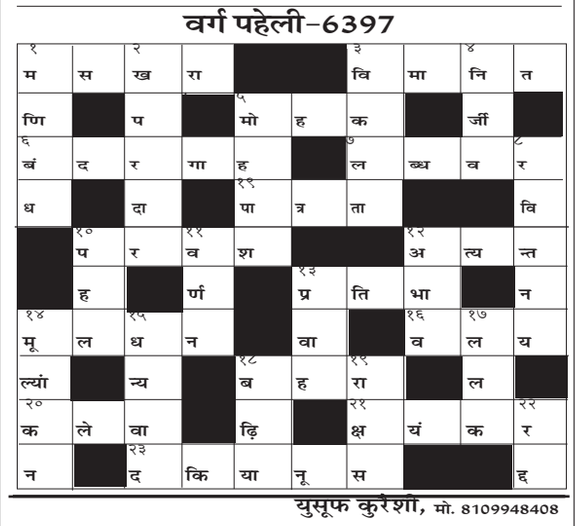

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : गुरूवार 7 दिसम्बर , 2023 अगहन कृष्ण पक्ष 10

राशिफल

मेष - आप का दिन आर्थिक एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण से लाभदायी है। धन लाभ के लिए आप लंबी अवधि का निवेश करने की योजना बनाएंगे। यदि आप व्यापार के साथ जुड़े हुए हों, तो उसके विस्तार की योजना बना पाएंगे।

वृषभ - आज परिश्रम की अपेक्षा कम फल प्राप्त कर सकेंगे। फिर भी आप दृढ़तापूर्वक अपना काम आगे बढ़ा सकेंगे। आप अपने व्यवहार और वाणी से लोगों को प्रभावित कर सकेंगे। उनकी तरफ से लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

मिथुन - अत्यधिक इमोशन आपके मन को विचलित रखेंगे। आपको पानी वाली जगहों पर जाने से आज बचना चाहिए। कोई महत्वपूर्ण डिसीजन लेने में आपको दिक्कत होगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क - आज आपका दिन शुभ रहेगा। नए काम शुरू ना करने की आपको सलाह दी जाती है। दोस्तों एवं परिजनों से मुलाकात होगी। दोस्तों से सुख एवं आनंद की प्राप्ति होगी।

सिंह - आज का आपका दिन मध्यम फलदायी कहा जा सकता है, परंतु आर्थिक रूप से लाभदायी रहेगा। खर्च अधिक होगा, लेकिन इनकम भी बनी रहेगी। दूर रहने वाले रिश्तेदारों से कोई अच्छा संदेश मिल सकता है।

कन्या - आपका दिन लाभदायी है। वैचारिक समृद्धता बढ़ेगी। आप अपने व्यवहार से लाभ प्राप्त कर सकेंगे। दोस्तों से मेलजोल बना रहेगा। व्यापार के लिए आज का दिन लाभदायी है। आप का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मन खुश रहेगा।

तुला - आपको अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा। असंयमित विचार आपको परेशानी में डाल सकते हैं। दुर्घटना से सावधान रहें। खर्च अधिक रहेगा। व्यापार में ज्यादा गुस्से से आज उग्र विवाद हो सकता है।

वृश्चिक - आपका आज का दिन लाभदायी रहेगा। नौकरी-व्यवसाय में लाभ प्राप्त होगा। मित्रों के साथ भेंट हो सकती है तथा प्राकृतिक स्थल पर घूमने की योजना भी बन सकती है।

धनु - आज का दिन आपके लिए शुभ है। आज आप आर्थिक मामलों में उचित योजना बना सकेंगे। अन्य लोगों की सहायता करने का प्रयत्न करेंगे। हर एक काम सफलतापूर्वक पूरा होगा। व्यापार बढ़ाने की योजना बनेगी।

मकर - आज का आपका दिन मध्यम फलदायी रहेगा। बौद्धिक काम के लिए आज का दिन शुभ है। आज लेखन प्रवृत्ति या साहित्य से जुड़े किसी काम में आप व्यस्त रहेंगे, इसके लिए आप योजना भी बना सकते हैं।

कुंभ - आज अत्याधिक सोचने-विचारने से मानसिक थकान का अनुभव करेंगे। मन में क्रोध की भावना रहेगी, इसे दूर करने के प्रयास से अनिष्ट से बच सकेंगे। चोरी, अनैतिक कृत्यों से, नेगेटिव विचारों से दूर रहें।

मीन - आज आप दैनिक काम से बाहर आकर घूमने-फिरने और मनोरंजन के पीछे अपना समय बिताएंगे। स्वजनों तथा मित्रमंडली के साथ पिकनिक पर जाने का आयोजन होगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

किर्गिस्तान में इन्फ्लुएंजा ए एच3एन2 के मामले सामने आए

बिश्केक, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान के दक्षिण में ओश शहर में इन्फ्लूएंजा ए एच3एन2 के मामले सामने आये है। यहां स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकरी दी। मंत्रालय के रोग निवारण और राज्य स्वच्छता और महामारी विज्ञान पर्यवेक्षण विभाग ने कहा कि प्रयोगशाला परीक्षण के नतीजों से पता चला है कि शहर में कई मरीज़ इन्फ्लूएंजा ए एच3एन2 पॉजिटिव है। मंत्रालय ने कहा कि यह बीमारी मौसमी है और देश में हर साल दर्ज की जाती है। प्रयोगशाला के परिणामों से देश में तीव्र श्वसन वायरल संक्रमण का पता चला है, जिसमें पैरेन्फ्लुएंजा, बोकावायरस, रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस, मौसमी कोरोनावायरस, एडेनोवायरस और मेटान्यूमोवायरस शामिल हैं। लेकिन बिश्केक में महामारी की स्थिति स्थिर है। किर्गिस्तान में पिछले सप्ताह में 5,737 तीव्र श्वसन वायरल संक्रमण और फ्लू के मामले दर्ज किए गए थे। बीमारों में 67.2 प्रतिशत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे हैं, इस तरह कुल 3,858 मामले हैं।

एक-दूसरे के लिए विकास का अवसर हैं चीन-ब्रिटेन : वांग यी

बीजिंग, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने 5 दिसंबर को ब्रिटिश विदेश मंत्री कैमरोन के साथ फोन पर बात की। उन्होंने कहा कि चीन और ब्रिटेन एक-दूसरे के विकास का अवसर हैं। आशा है कि ब्रिटेन चीन के प्रति सही समझ पर कायम रहकर द्विपक्षीय संबंधों के विकास की मुख्य दिशा अच्छी तरह पकड़ेगा। वांग यी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य के नाते चीन और ब्रिटेन अंतरराष्ट्रीय शांति व स्थिरता पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उठाते हैं। चीन-ब्रिटेन संबंधों का स्थिर व स्वस्थ विकास न सिर्फ दोनों देशों की जनता के मूल व दूरगामी हितों में है, बल्कि विश्व शांति व

समृद्धि बढ़ाने के लिए रणनीतिक व वैश्विक महत्व रखता है। मुठभेड़ और परिवर्तन से ओतप्रोत अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति और निरंतर उभरती वैश्विक चुनौतियों के सामने चीन और ब्रिटेन को संवाद बनाए रखकर समन्वय और सहयोग गहराना चाहिए।

वांग ने ताइवान के सवाल पर चीन की स्थिति पर दिया जोर

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बुधवार को ताइवान मुद्दे पर चीन की गंभीर स्थिति पर जोर दिया। श्री वांग ने अमेरिका से चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने, 'ताइवान की स्वतंत्रता' की किसी भी ताकत का समर्थन और मिलीभगत नहीं करने का आग्रह किया। श्री वांग, जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के भी सदस्य हैं, ने अमेरिका के साथ एक फोन कॉल पर यह टिप्पणी की। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से बुधवार को इस संबंध में टेलीफोन पर बातचीत की। गौरतलब है कि चीन ताइवान को अपने अधिकार क्षेत्र में होने का दावा करता है जबकि ताइवान खुद को 'आजाद देश' मानता है।

फिलीपींस में बस दुर्घटना में 17 की मौत

मनीला, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। फिलीपींस के मध्य एंटीक प्रांत में मंगलवार दोपहर हुई एक यात्री बस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या को पहले बतायी गयी संख्या 29 से संशोधित कर 17 कर दिया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को हुए हादसे पहले मृतकों की संख्या 29 बताई गई थी। प्रांतीय आपदा जोखिम प्रबंधन कार्यालय के प्रमुख ब्रोडरिक ट्रेन ने आज एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 16 लोगों की दुर्घटना स्थल पर मौत हो गई,

जबकि एक की स्थानीय अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने कहा कि सात अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका इलाज चल रहा है। एंटीक गवर्नर रोडोरा कैडियाओ ने पूर्व में घोषित मौतों और चोटों के आंकड़ों के लिए माफी मांगी उन्होंने दुर्घटना क्षेत्र में सेल फोन सिग्नल की कमी के लिए गलत संचार को त्रुटियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने यह भी सुधारा कि बस में केवल 24 लोग सवार थे, 53 लोग नहीं, जैसा कि पहले बताया गया था।

यूक्रेन को जनवरी-नवंबर तक 37.4 अरब डॉलर की सहायता मिली

कीव, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। यूक्रेन को इस साल जनवरी-नवंबर के दौरान 37.4 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता मिली। सरकार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस श्मिहाल ने कहा कि इस अवधि में देश को अनुदान के रूप में लगभग 11 बिलियन डॉलर अमेरिका, जर्मनी, स्पेन, फिनलैंड और आयरलैंड से मिले, जो सबसे बड़े दानदाता रहे। श्मीहल ने कहा, यूक्रेन को नवंबर में ही 2 अरब डॉलर का वित्तपोषण प्राप्त हुआ। यूक्रेन को पिछले साल अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता में 32.1 अरब डॉलर मिले थे। यूक्रेन को उसकी सुरक्षा, आर्थिक और मानवीय हितों की पूर्ति के लिए सहायता दी जा रही है। फरवरी, 2022 में रूस ने यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू किया था।

नाइजीरिया में सेना के ड्रोन हमले में मारे गए 85 नागरिक

लागोस। नाइजीरियाई सेना के ड्रोन से उत्तर पश्चिमी कडूना राज्य में सशस्त्र समूहों को निशाना बनाकर किये गये हमले में गलती से कम से कम 85 नागरिकों की मौत हो गयी है। देश की सबसे घातक सैन्य बमबारी दुर्घटनाओं में से एक पर जबरदस्त आक्रोश फैल गया। राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू ने मंगलवार को इस मामले की जांच के आदेश दिए। सेना ने स्वीकार किया कि उसके एक ड्रोन से रविवार को तुदुन बीरी गांव पर गलती से हमला हो गया। उस दौरान निवासी एक त्योहार मना रहे थे। सेना ने हताहतों का कोई आंकड़ा नहीं दिया, लेकिन आपातकालीन अधिकारियों और

आज का इतिहास

1660 -एक महिला पहली बार इंग्लैंड में एक पेशेवर अभिनेत्री के रूप में मंच पर दिखाई दी।
1662 -ब्लेज़ पास्कल नामक फ़्रांस के गणितज्ञ, लेखक और कैल्कयुलेटर मशीन के आविष्कारक का निधन हुआ।
1724 -रॉयल प्रूसिया के टोरून में, पोलिश अधिकारियों ने टेंशनबेटिन प्रोटेस्टेंट और कैथोलिक के बाद एस्किटी के मेयर और नौ अन्य लूथरन अधिकारियों को मार डाला।
1732 -थियेटर रॉयल कोवेन्ट गार्डन, लंदन (आधुनिक-रोज़ रॉयल ओपेरा हाउस) खोला गया।
1787- डेलावेयर यूनाइटेडस्टेट्स संविधान की पुष्टि करने वाला पहला अमेरिकी राज्य बन गया।
1815 -मार्शल ने को पेरिस में जर्डिन डु लक्ज़मबर्ग के पास मार डाला।
1815 -मिशेल ने, फ्रांस के मार्शल, नेपोलियन का समर्थन करने के लिए एक फायरिंग स्क्वाडर्न पेरिस %जार्डिन डू लक्जमबर्ग द्वारा किया गया था।
1835 -भविष्य के यू.एस. अध्यक्ष जेम्स के. पोलक सदन के अध्यक्ष बने।
1869 -अमेरिकी डाकू जेसी जेम्स ने अपनी पहली पुष्टि बैंकटोरी में गैलाटीन, मिसौरी में की।
1869 -अमेरिकी डाकू जेसी जेम्स ने गल्लतिण मिसौरी में अपनी पहली बैंक डकैती की पुष्टि की।
1877 -आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन ने %ग्रामोफोन% का प्रदर्शन किया।

कूटनीति *अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर बोले*

पन्नून पर भारत की जांच के नतीजों का उत्सुकता से इंतजार

वाशिंगटन, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका ने कहा है कि वह एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या की साजिश की भारत की जांच के नतीजे देखने के लिए उत्सुक है और जांच खत्म होने से पहले कोई आकलन नहीं करेगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मंगलवार को अपनी न्यूज ब्रीफिंग में कहा, हमने इस सरकार के सबसे वरिष्ठ स्तर पर संदेश दिया है - विदेश मंत्री ने सीधे अपने विदेशी समकक्ष (भारत के विदेश मंत्री) के समक्ष इसे उठाया है कि हम इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से लेते हैं।

उन्होंने हमें बताया कि वे एक जांच करेंगे। राजनयिक स्तर पर मामले के घटनाक्रम पर एक सवाल के जवाब में मिलर ने कहा, उन्होंने सार्वजनिक रूप से जांच की घोषणा की है। और अब हम जांच के नतीजे देखने का इंतजार करेंगे, लेकिन यह कुछ ऐसा है जिसे हम बहुत गंभीरता से लेते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि उनके लिए कानून प्रवर्तन मामले पर टिप्पणी करना अनुचित होगा क्योंकि न्याय विभाग अदालत में मामला पेश कर रहा है। मिलर ने संवाददाताओं से कहा, हम उस (भारत की) जांच के नतीजे देखने के लिए उत्सुक हैं और मैं जांच पूरी होने से पहले जाहिर तौर पर कोई आकलन नहीं करने जा रहा हूं। यह टिप्पणी व्हाइट हाउस के उस बयान के एक सप्ताह बाद आई है जिसमें कहा गया था कि वह इन

'हम इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से लेते हैं।'

आरोपों को बहुत गंभीरता से लेता है कि एक भारतीय उसकी धरती पर खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून को मारने की नाकाम कोशिश में शामिल था।

अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने पिछले महीने भारतीय खुफिया अधिकारी निखिल गुप्ता पर न्यूयॉर्क में पन्नून को कथित तौर पर मारने के लिए भारत से एक साजिश की योजना बनाने और निर्देशित करने का आरोप लगाया था।

आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह चिंता का विषय है और भारत सरकार की नीति के विपरीत है। भारत ने मामले के सभी प्रासंगिक पहलुओं पर गौर करने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया और कहा कि वह समिति के निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करेगी। खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर के मामले पर कनाडाई सरकार के साथ भारत के असहयोग के बारे में पूछे जाने पर मिलर ने कहा कि उन्होंने मंगलवार की ब्रीफिंग में नई दिल्ली से ओटावा के साथ सहयोग करने का आग्रह किया है।

सुडोकू 6398 का हल

4	5	7	9	6	1	3	8	2
6	3	8	4	2	5	7	1	9
1	2	9	3	7	8	5	4	6
3	4	5	7	8	6	9	2	1
7	8	1	5	9	2	4	6	3
9	6	2	1	4	3	8	7	5
2	7	3	6	5	4	1	9	8
5	9	6	8	1	7	2	3	4
8	1	4	2	3	9	6	5	7

दुनिया को जानें

ऑस्ट्रेलिया : गहरे अंतरिक्ष में संचार में सक्षम दूरबीन स्थापित

कैनबरा, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में बुधवार को अंतरिक्ष यात्रियों के साथ संचार करने में सक्षम एक नया टेलीस्कोप स्थापित किया गया। आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी में क्वांटम ऑप्टिकल ग्राउंड स्टेशन से अंतरिक्ष में डेटा भेजने और प्राप्त करने के लिए अनुकूली ऑप्टिकल तकनीक तथा लेजर का उपयोग करता है, जिससे अगली पीढ़ी के अंतरिक्ष मिशनों और उसके यात्रियों के साथ संचार और फिल्मांकन की अनुमति मिलती है। कैनबरा के पश्चिम में ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी (एएनयू) माउंट स्ट्रोमलो वेधशाला पर स्थापित यह स्टेशन उन्नत संचार प्रौद्योगिकियों पर अनुसंधान भी करेगा। एएनयू इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस के निदेशक अन्ना मूर ने सरकारी मीडिया ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) को बताया, वैश्विक संचार के लिए अगली पीढ़ी की क्षमता के मामले में यह विश्व में पहला है।

खेल जगत

फॉर्म नहीं, क्लास को प्राथमिकता दी जाए : ख्वाजा

पर्थ, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से डेविड वार्नर के इस प्रारूप से संन्यास लेने के बाद अगले टेस्ट ओपनर का चयन करते समय फॉर्म के बजाय क्लास को तरजीह देने का आह्वान किया है। अनुभवी बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज को 14 दिसंबर से पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की 14-खिलाड़ियों की टीम में नामित किया गया है। अब तक वॉर्नर के बाद कैमरून बैनक्रॉफ्ट, मैथ्यू रेनशॉ और मार्कस हैरिस प्रमुख दावेदार हैं। ख्वाजा ने एसईएन रेडियो पर कहा, ईमानदारी से कहूं तो, मेरा अगला ओपनिंग पार्टनर कौन होगा, वास्तव में मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता। चयनकर्ता जिसे भी चुनने जा रहे हैं, वे इसलिए चुनेंगे क्योंकि उन्हें लगता है कि वे इस भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं। मैं उस %बैट-ऑफ़% पर भी विश्वास नहीं करता जिसके बारे में लोग अभी बात कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह निर्णय इससे कहीं अधिक पर आने वाला है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जीत के लिए बल्लेबाजी अहम होगी : राहुल द्रविड़

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने प्रत्येक खिलाड़ी से दक्षिण अफ्रीका के एक महीने के लंबे दौरे में मैच जिताने वाला योगदान देने को कहा है। भारत रविवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20, तीन मैचों की वनडे और दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका का सामना करने के लिए तैयार है। डरबन में पहले टी20 मैच में सूर्यकुमार यादव भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे. द्रविड़ का मानना है कि दक्षिण अफ्रीकी पिचों पर बल्लेबाजी करना मुश्किल है और वह चाहते हैं कि बल्लेबाजों के पास जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करने के लिए गेम प्लान हो।

द्रविड़ ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, तो, यह बल्लेबाजी करने के लिए एक चुनौतीपूर्ण जगह है; आँकड़े आपको यह बताएंगे। यह बल्लेबाजी करने के लिए अधिक कठिन स्थानों में से एक है, खासकर यहां सेंचुरियन और जोहान्सबर्ग में। विकेट कुछ-कुछ करते रहते हैं और वे ऊपर-नीचे भी होते रहते हैं। प्रत्येक बल्लेबाज के पास एक गेम प्लान होगा कि वे कैसे जाना चाहते हैं, जब तक वे इसके बारे में स्पष्ट हैं और वे इसके लिए प्रतिबद्ध हैं और इसके लिए अभ्यास कर रहे हैं, यह ठीक है। द्रविड़ ने यह भी व्यक्त किया कि अफ्रीकी महाद्वीप पर खेलने के लिए शारीरिक दृढ़ता के बजाय मानसिक दृढ़ता की आवश्यकता होगी।

हम हर किसी से एक ही तरह से खेलने की उम्मीद नहीं करते हैं। हम चाहते हैं कि वे इस बारे में स्पष्ट रहें कि उनके लिए क्या काम करता है, और फिर उस पर अमल करने में सक्षम हों। लड़के, एक बार जब वे वहां पहुंच जाते हैं, तो इसका अधिकांश हिस्सा मानसिक होता है, और मुझे लगता है, आप जानते हैं, हम कोशिश करते

■ जीत के बावजूद भारत को आगे के मुकाबलों में गलतियों से बचना होगा

हैं और इस तथ्य पर जोर देते हैं कि अगर हम आगे बढ़ते हैं, अगर हमें सेट होने का अवसर मिलता है, तो वे ऐसा करने की कोशिश करते हैं यह मैच जिताने वाला योगदान है। भारत 26 दिसंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को कभी भी विदेशी धरती पर टेस्ट श्रृंखला में नहीं हराया है।

'कैप्टन साहब' शुभमन गिल ने राशिद खान से की मुलाकात

नई दिल्ली। भारत के बल्लेबाज शुभमन गिल ने ब्रिटेन में अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान से मुलाकात की और वह अपने गुजरात टाइटंस (जीटी) टीम के साथी को देखकर बहुत रोमांचित हुए, उन्होंने सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाली पोस्ट साझा की। अफगान सनसनी ने गिल के साथ एक तस्वीर खिंचवाई, जिन्हें हाल ही में हार्दिक पांड्या की मुंबई इंडियंस में आश्चर्यजनक वापसी के बाद आईपीएल 2024 के लिए गुजरात टाइटन्स का नया कप्तान नामित किया था। राशिद ने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, कप्तान साहब द्वारा रोकने के लिए धन्यवाद। राशिद की पोस्ट पर माइकल वॉन और टाइटन्स दोनों की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रियाएं आईं और दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की मुलाकात देखकर खुश हुए। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, मुझे यह पसंद है। दूसरी ओर, टाइटन्स ने नज़र ना लगे लिखा, यह उम्मीद करते हुए कि उनके सितारों पर कोई बुरी नज़र नहीं होगी। राशिद की 24 नवंबर को यूनाइटेड किंगडम में पीठ के निचले हिस्से की एक छोटी सी सर्जरी हुई। अफगानिस्तान की क्रिकेट सनसनी भी पीठ की चोट के कारण आगामी बिग बैश लीग सीजन 13 से हट गए हैं, जिसके लिए एक छोटी सी सर्जरी की आवश्यकता है। उन्होंने अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 2023 वनडे विश्व कप में उनकी सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ मैचों में उनका प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा।

भारत ने न्यूजीलैंड को जू. महिला हॉकी विश्व कप के रोमांचक मैच में हराया

सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (देशबन्धु)। गोलरक्षक माधुरी किंडो के शूटआउट में लगातार तीन बचाव के बाद सडनडेथ में किए बेहतरीन बचाव सहित किए कुल चार गजब के बचावों और मुमताज खान के निर्णायक गोल की बदौलत अंतिम आठ की होड़ से बाहर हो चुके भारत ने न्यूजीलैंड को मंगलवार रात सांतियागो में एफआईएच महिला जूनियर हॉकी विश्व कप 2023 में नौंवे से 16 स्थान के लिए खेले गए मैच मे सडनडेथ शूटआउट में 3-2 से शिकस्त दी। दोनों टीमें निर्धारित समय तक तीन-तीन से बराबर थीं। निर्धारित समय में भारत के लिए रुपानी कुमारी (आठवें मिनट), ज्योति छत्री (17 वें मिनट) और सुनीलिता टोपो (53 वें मिनट) ने जबकि न्यूजीलैंड के लिए इजाबेल स्टोरी(11 वें मिनट), मेडलिन हैरिस(14 वें मिनट) और रियाना फो(49 वें मिनट) ने एक एकगोल किया।

■ गोलरक्षक माधुरी के चार बचाव व मुमताज के सडनडेथ में गोल से भारत जीता

इस सांस रोक देने वाले बेहद रोमांचक मुंकाबले में भारतीय जूनियर हॉकी टीम दो बार पिछडने के बावूजद गोल निर्धारित समय में बराबरी पाने में कामयाब रही और मैच शूटआउट में खिंच गया। शूट आउट में भारत के लिए साक्षी राणा और कप्तान प्रीति ने और न्यूजीलैंड की ओर से हाना कोटर और रिआना फो ने गोल किए और मैच सडनडेथ में खिंच गया। मुमताज ने सडनडेथ में गोल कर भारत 3-2 से जीत दिला दी। भारत की गोलरक्षक माधुरी किंडो ने शूटआउट में तीन बेहतरीन बचाव करने के बाद सडनडेथ में न्यूजीलैंड के पहले प्रयास को नाकाम किया। मुमताज खान ने सडनडेथ में अपने पहले प्रयास में गोल कर भारत को जीत दिला कर ही दम लिया।

भारत ने अपने पिछले मैच की तरह भारत की जूनियर टीम ने बराबर न्यूजीलैंड के गोल पर दबाव बनाया। न्यूजीलैंड के जवाबी हमलों के बावजूद भारत की जूनियर टीम ने अपनी लय बनाए रखी। रूपानी कुमारी ने आठवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। इजाबेल स्टोरी ने तीन मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर न्यूजीलैंड को एक एक की बराबरी दिला दी। मेडलिन हैरिस ने तीन मिनट बाद बढ़िया मैदानी गोल कर न्यूजीलैंड को 2-1 से आगे कर दिया। ज्योति छत्री ने दूसरे क्वॉर्टर के छठे मिनट में बढ़िया मैदानी गोल से भारत को 2-2 की बराबरी दिला दी। रियाना ने चौथे और आखिरी क्वॉर्टर के चौथे मिनट में गोल कर न्यूजीलैंड को 3-2 से आगे कर दिया। सुनीलिता टोपो ने चार मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारत को 3-3 की बराबरी दिला मैच शूटआउट में खींच दिया।

मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ज्योति छत्री ने कहा, % हमने मैच में जिस तरह वापसी की उससे हमें खुद पर फख्र है। शूटआउट में दो गोल से पिछडने के बाद भी हमने हार नहीं मानी। खासतौर पर गोलरक्षक माधुरी किंडो के गजब के मुस्तैद प्रदर्शन को सलाम।

मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकता हूं : डुप्लेसी

अबु धाबी 6 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी ने कहा कि टी-20 विश्वकप से पहले वह एक बार फिर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं और उन्होंने टीम के रॉब वाल्टर के साथ इस संदर्भ में बात की हैं।

डुप्लेसी ने अबू धाबी टी-10 लीग में कहा, मुझे ऐसा लगता है कि मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिर से वापसी कर सकता हूं।

उन्होंने कहा, हम पिछले कुछ वर्षों से इस बारे में बात कर रहे हैं। हमने अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप के टीम संतुलन के बारे में बात की है। इसके अलावा नए कोच के साथ और कई चीज़ों के बारे में बात हुई है। उल्लेखनीय है कि डुप्लेसी ने आखिरी बार टी-20 में तीन साल पहले 2020 में और आखिरी अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच फरवरी 2021 में खेला था। डुप्लेसी घरेलू स्तर के साथ-साथ दुनिया भर की टी-20 लीगों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

इसी वर्ष आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स के लिए खेलते हुए डुप्लेसी ने 14 मैचों में 730 रन बनाए थे। वह इस साल आईपीएल में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। हालांकि सफेद गेंद के क्रिकेट से आधिकारिक तौर पर कभी संन्यास नहीं लेने के बावजूद टूर्नामेंट के पिछले दो संस्करणों के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया गया। सोमवार को दक्षिण अफ्रीका के सफेद गेंद के कोच वाल्टर ने कहा था कि डुप्लेसी, क्विंटन डिकॉक और राइली रूसो जैसे खिलाड़ियों के नाम पर अगले साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जाने वाले टी-20 विश्व कप के लिए विचार किया जाएगा।

रवि बिश्नोई बने आईसीसी टी-20 क्रिकेट में दुनिया के नंबर 1 गेंदबाज

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (देशबन्धु)। मेहमान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सम्पन्न पांच टी-20 मैचों की सीरीज में सबसे ज्यादा नौ विकेट चटका कर मैन ऑफ द सीरीज रहे भारत के बड़े दिल वाले नौजवान लेग स्पिनर रवि बिश्नोई आईसीसी टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में कुल 699 रेटिंग अंकों के साथ दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बन गए। 2022 में भारत के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज करने वाले लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने अब तक कुल 34 विकेट चटकाए।

भारत के रवि बिश्नोई दुनिया और अफगानिस्तान के सबसे अनुभवी और कंजूस लेग स्पिनर राशिद खान, श्रीलंका के वनिंदु हसरंगा, इंग्लैंड के आदिल राशिद और श्रीलंका के ऑफ स्पिनर महीश तीक्षणा को पीछे छोड़ कर अपने अब तक के छोटे से अंतरराष्ट्रीय करियर में पहली बार टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने हैं।

रवि बिश्नोई ने अपने घर में कुल सबसे ज्यादा नौ विकेट चटका कर भारत को मेहमान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की क्रिकेट सीरीज 4-1 से

■ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई टी-20 सीरीज में विश्नोई नहीं लिए थे 9 विकेट
■ टी-20 विश्वकप में विश्नोई ने ठोकी दावेदारी

जिताने में अहम भूमिका निभाई। रवि बिश्नोई ने भारत के लिए पावरप्ले में गेंदबाजी करने के साथ रनों पर लगाम लगाने के साथ विकेट चटकाए। रवि बिश्नोई ने ऑस्ट्रेलिया की भारत में ही सम्पन्न वन डे विश्व कप में सेमीफाइनल और फाइनल की जीत के हीरो ट्रेविज हेड, विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिश और ग्लेन मैक्सवेल जैसे धुरंधर बल्लेबाजों को अपना शिकार बना कर अपनी टीम को जिताने में अहम भूमिका निभाई। बिश्नोई ने भले ही लेग स्पिन की बजाय अपनी गुगली पर ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई विकेट चटकाए लेकिन अब अमेरिका और वेस्ट इंडीज की संयुक्त मेजबानी में 2024 के मध्य में होने वाले आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप से पहले अब बाकी छह टी-20 मैचों में स्पिन का जाल बुन कर विकेट चटका कर खुद का इसके लिए टीम इंडिया में लेग स्पिनर के रूप में अपना मजबूत दावा पेश कर सकते हैं। अब रवि बिश्नोई के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतरीन गेंदबाजी करने से अनुभवी लेग स्पिनर कुलदीप यादव पर आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप से पहले बाकी छह मैचों (तीन दक्षिण अफ्रीका व तीन अफगानिस्तान) में बढ़िया प्रदर्शन कर दबाव रहेगा।

सार संक्षेप

कमिंस, हेजलवुड और स्टार्क अब भी ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए अहम गेंदबाज : हैडिन

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ब्रैड हैडिन का मानना है कि पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क की तेज गेंदबाजी तिकड़ी के पास राष्ट्रीय टीम में बने रहने के लिए अभी काफी साल हैं। फॉक्स क्रिकेट पॉडकास्ट द फॉलो ऑन पर हैडिन ने कहा, यह तिकड़ी टेस्ट क्रिकेट में बड़ा प्रभाव छोड़ सकती है। मुझे अब भी लगता है कि उनमें काफी क्रिकेट बाकी है। मुझे लगता है कि वे टेस्ट मैच के मैदान पर एक बड़ी विरासत छोड़ना चाहते हैं और मुझे लगता है कि हम इन तीनों में बहुत कुछ देखने जा रहे हैं। कमिंस, हेजलवुड और स्टार्क ने खेल के कम से कम एक प्रारूप में शीर्ष रैंकिंग का दावा किया है और ये तिकड़ी वर्तमान में आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष 15 गेंदबाजों में शामिल हैं। हैडिन ने आगे कहा कि तेज गेंदबाजी तिकड़ी वास्तव में एक-दूसरे की अच्छी तारीफ करती है। मुझे नहीं लगता कि हम अन्य तीन को देखने जा रहे हैं जो इन तीनों की तरह एक-दूसरे की प्रशंसा करते हैं। जब उनके पास गेंद होती है तो उनमें कोई अहंकार नहीं होता। जब उन्हें ज़रूरत होती है तो वे अलग-अलग भूमिकाएं निभाते हैं। आपके पास मिचेल स्टार्क की बाएं हाथ की गति और स्विंग है। आपके पास हेज़लवुड की ऊंचाई और सटीकता है और आपको पैट कमिंस के रूप में कप्तान मिला है, जो टीम के लिए काफी सफल और चतुर गेंदबाज हैं।

होप्स पर टिकी है दिल्ली की होप

नई दिल्ली। देर से ही सही दिल्ली की फुटबॉल का ग्राफ दिन-पर-दिन और मैच-दर-मैच ऊपर चढ़ रहा है। सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले दिल्ली के पुरुष खिलाड़ियों के बाद अब महिला खिलाड़ी भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं, जिसका बड़ा प्रमाण है 'होप्स' फुटबॉल क्लब। 'होप्स' क्लब ने 2022-23 की दिल्ली महिला प्रीमियर लीग का खिताब जीतकर बड़ी पहचान बनाई थी। होप्स देश के शीर्ष आठ महिला क्लबों में शामिल है, जिसे इंडियन वुमन लीग (आईडब्लूएल) में खेलने का सम्मान मिला है। साल 2023-24 की आईडब्लूएल के लिए होप्स ने दिल्ली के डॉ. अम्बेडकर स्टेडियम को अपना होम ग्राउंड बनाया है। नौ दिसम्बर को खेले जाने वाले पहले मैच में होप्स को कर्नाटक के किक स्टार्ट क्लब से खेलना है, जिसके लिए क्लब के अध्यक्ष संजय यादव और कप्तान अनुष्का सैमुअल आशावान हैं। संजय ने कहा कि उनकी टीम अपने मैदान का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। कप्तान अनुष्का के अनुसार हम अपने होम मैदान पर खेलकर विजयी शुरुआत करना चाहती हैं और किसी प्रकार का कोई दबाव महसूस नहीं कर रही है।

दूसरे टेस्ट की पहली पारी में न्यूजीलैंड ने बंगलादेश को 172 रन पर समेटा

मीरपुर 6 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर के तीन-तीन विकेट और एजाज पटेल के दो विकेट की बदौलत मेजबान बंगलादेश को आज यहां दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 172 रनों पर समेट दिया। शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश अपने चार शीर्ष बल्लेबाजों जाकिर हुसैन आठ रन, महमुदुल हसन जॉय 14 रन, मोमिनुल हक पांच रन और नजमुल शान्तो को नौ रन को 15 ओवर तक टीम के 47 स्कोर पर पवेलियन भेज दिया था। मुशफिकुर रहीम 35 रन पर गेंद को हाथ से रोकने के प्रयास में आउट हुए। इसे क्रिकेट की भाषा में 'हैंडलिंग द बॉल' कहा जाता हैं। इसके साथ ही वह इस तरह आउट होने वाले पहले बंगलादेशी क्रिकेटर हैं। वह जब 41ओवर की चौथी गेंद पर आउट हुये उस समय टीम का स्कोर 104 रन था। इसके बाद शहादत हुसैन 31 रन फिलिप्स के हाथों कैच आउट करा दिया। नुरुल हसन सात रन पर आउट

होने वाले बंगलादेश के सातवें बल्लेबाज थे। मेहदी हसन मिराज 20 रन बनाकर आउट हुये। तैजुल इस्लाम छह रन, शोरिफुल इस्लाम 10 रन बनाकर आउट हुये। नईम हसन 13 रन बनाकर नाबाद रहे। और बंगलादेश की पूरी टीम पहली पारी में 66.2 ओवर में 172 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर ने तीन-तीन विकेट लिये। वहीं एजाज पटेल के दो बल्लेबाजों को आउट किया। टिम साउदी को एक विकेट मिला।

क्षेत्ररक्षण में बाधा पहुंचने पर आउट होने वाले पहले मुश्फिकुर बंगलादेशी बल्लेबाज

विकेटकीपर बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम क्षेत्ररक्षण में बाधा पहुंचाने के कारण आउट होने वाले बंगलादेश के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में आज बंगलादेश और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन के 41वें ओवर के दौरान काइल जेमीसन की गेंद को बल्ले से खेलने के बाद मुश्फिकुर ने अपने दाहिने हाथ से रोका। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों ने अपील की और टीवी अंपायर अहसान रजा ने मुश्फिकुर को आउट करार दिया। पहले ऐसे आउट होने को 'हैंडल्ड द बॉल' की श्रेणी में रखा जाता था।

टी-20 विश्वकप के मद्देनजर अधिक से अधिक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल में भाग ले : मैक्सवेल

सिडनी 6 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा है कि अगले साल होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अधिक से अधिक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भाग लेना चाहिए ताकि वे टी-20 विश्वकप की तैयारी कर सकें। मैक्सवेल ने कहा कि एकदिवसीय विश्वकप जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया की नजर अब अगले साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी-20 विश्वकप पर है। उन्होंने कहा कि जब तक उनके पैर चलेंगे वह आईपीएल खेलते रहेंगे। भारत से लौटकर एक सप्ताह आराम करने के बाद मैक्सवेल अब बिग बैश लीग (बीबीएल) में मेलबर्न स्टार्स के कप्तान के रूप में खेलेंगे। वह आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, आईपीएल में मैं अपने करियर के आखिर तक खेलता रहूंगा। संभवत: यह मेरे करियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा। जब तक मैं चल-फिर सकता हूं, तब तक मैं आईपीएल खेलता रहूंगा। आईपीएल का मेरे करियर में बहुत अहम योगदान रहा है। इस टूर्नामेंट में स्तरीय खिलाड़ी और कोच हिस्सा लेते हैं, जिनसे आपको बहुत कुछ सीखने को मिलता है। आप इस टूर्नामेंट में दो महीने तक एबी डीविलियर्स और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेलते हैं, जो किसी के जीवन का भी सबसे बड़ा अनुभव होगा। मुझे उम्मीद है कि इस बार के आईपीएल में अधिक से अधिक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भाग लें ताकि उन्हें टी-20 विश्व कप की तैयारियों में मदद मिले। अब वेस्टइंडीज में भी लगभग वही परिस्थितियां होती हैं, जैसा कि भारत में है- सूखी, धीमी पिच और स्पिनरों को अधिक मदद।

नौ ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन ब्रिस्बेन इंटरनेशनल 2024 में खेलेंगे

ब्रिस्बेन, 6 दिसंबर (एजेंसियां) राफेल नडाल, एंडी मरे, नाओमी ओसाका, आर्यना सबालेंका, एलेना रिबाकिना, जेलेना ओस्टापेंको, विक्टोरिया अजारेंका, सोफिया केनिन और स्लोएन स्टीफंस ब्रिस्बेन में 2024 सीज़न की शुरुआत करने वाले विश्व स्तरीय लाइन-अप में शामिल हैं। चार शीर्ष-20 पुरुष ब्रिस्बेन के लिए बाध्य हैं, जिनमें विश्व नंबर 8 होल्गर रूण भी शामिल हैं। नेक्स्ट जेन सुपरस्टार के साथ विश्व नंबर 14 और ब्रिस्बेन इंटरनेशनल 2017 चैंपियन ग्रिगोर दिमित्रोव, विश्व नंबर 17 बेन शेल्टन और विश्व नंबर 20 उगो हम्बर्ट भी शामिल होंगे।

विश्व की शीर्ष 20 में से आठ महिलाएँ डब्लूटीए 500 प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। अविश्वसनीय लाइन-अप में पूर्व विश्व नंबर 1 और तीन बार की ब्रिस्बेन इंटरनेशनल चैंपियन कैरोलिना प्लिस्कोवा के साथ-साथ ब्रिस्बेन 2020 फाइनलिस्ट और विश्व नंबर 12 मैडिसन कीज़ भी शामिल हैं। प्लिस्कोवा अजारेंका, मरे और दिमित्रोव के साथ इस क्षेत्र के चार पूर्व चैंपियनों में से एक है।

स्थानीय प्रशंसक पुरुष एकल प्रतियोगिता में एलेक्सी

पोपिरिन, मैक्स परसेल और जॉर्डन थॉम्पसन का समर्थन करने में सक्षम होंगे, गोल्ड कोस्ट स्टार किम्बर्ली बिरेल को महिला एकल मुख्य ड्रॉ में वाइल्डकार्ड प्राप्त होगा। सितंबर में करियर की सर्वोच्च डब्ल्यूटीए रैंकिंग 100 पर पहुंचने वाले बिरेल ने कहा, मैं 2024 ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में खेलकर अपने साल की शुरुआत करने को लेकर रोमांचित हूं। मेरे पास टूर्नामेंट से बहुत सारी अविस्मरणीय यादें हैं, जिसमें जूनियर के रूप में अपने आदर्शों को खेलते हुए देखना और 2019 में अपनी पहली शीर्ष -10 जीत हासिल करना शामिल है।

मैं अपने घरेलू टूर्नामेंट में खेलने के अवसर के लिए बहुत आभारी हूं और अपने दोस्तों और परिवार के सामने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने का इंतजार नहीं कर सकता। हम रोमांचित हैं क्योंकि दुनिया के कई सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ब्रिस्बेन आना चाहते हैं। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टूर्नामेंट के निदेशक कैम पियर्सन ने कहा, यह टूर्नामेंट में पुरुष और महिला दोनों क्षेत्रों में देखे गए सबसे मजबूत क्षेत्रों में से एक है। नौ ग्रैंड स्लैम चैंपियन, 12 डब्ल्यूटीए/एटीपी शीर्ष-20 खिलाड़ियों के साथ-साथ इतने सारे ऑस्ट्रेलियाई पसंदीदा खिलाड़ियों का होना टूर्नामेंट और हमारे प्रशंसकों के लिए बहुत अच्छी खबर है।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

विप्रो	3.60 प्रतिशत
आईटीसी	2.51 प्रतिशत
एलटी	2.31 प्रतिशत
टीसीएस	2.08 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	1.99 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एनटीपीसी	1.52 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.05 प्रतिशत
अल्ट्रासिमको	1.04 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	1.01 प्रतिशत
मारुति	0.87 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

'मासिक जीएसटी वसूली में और बढ़ोतरी की गुंजाइश'

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय अप्रत्यक्ष एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के विशेष सचिव एवं सदस्य (जीएसटी) शशांक प्रिया ने बुधवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की वसूली अच्छी चल रही है तथा इसमें अभी और वृद्धि की गुंजाइश है।

यहां जीएसटी पर उद्योगमंडल एसोचैम के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हमारा कर राजस्व (मासिक जीएसटी वसूली) लगातार 1.6 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो रहा है। हम इसे और बढाएंगे क्योंकि अभी ऐसे क्षेत्र हैं जहां राजस्व का दोहन किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, हम जीएसटी अनुपालन को आसान बनाने पर विचार कर रहे हैं, लेकिन साथ ही, हम यह भी देखना चाहते हैं कि अनुपालन में नियमितता बरती जाए, कर विवरण दाखिल करने तथा कर-भुगतान समय पर हो। हम एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की यात्रा पर निकले हैं और हमें मैदानी स्तर पर आने

सीबीआईसी ने एक बड़ा फैसला किया है कि अब उसका अपना अपना 'बैक एंड सिस्टम' यानी हिसाब-किताब रखने का प्रभाग नहीं होगा बल्कि इस काम को जीएसटीएन के बैक एंड सिस्टम पर ले जाया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्यों कि बोर्ड के सामने फील्ड स्तर पर, डेटा हानि की समस्याएं आ रही थीं : शशांक प्रिया

वाली इन समस्याओं के समाधान की दिशा में लगातार काम करते रहने की जरूरत है। श्री शशांक प्रिया ने यह भी कहा कि सीबीआईसी ने एक बड़ा फैसला किया है कि अब उसका अपना अपना 'बैक एंड सिस्टम' यानी हिसाब-किताब रखने का प्रभाग नहीं होगा बल्कि इस काम को जीएसटीएन के बैक एंड सिस्टम पर ले जाया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्यों कि बोर्ड के सामने फील्ड स्तर पर, डेटा हानि की समस्याएं आ रही थीं। उन्होंने कहा, 'हमने महसूस किया है कि अगर हम सभी एक ही बैक-एंड सिस्टम पर काम करेंगे तो राज्यों और केंद्र के बीच एक तालमेल होगा। उन्होंने यह भी कहा कि हर शिकायत के लिए केंद्र पर आश्रय ठीक नहीं होता। कानून के कुछ प्रावधानों के कार्यान्वयन में उत्पन्न होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए जमीनी स्तर पर शिकायत निवारण तंत्र, राज्य समन्वय समिति की बैठकों की व्यवस्था और तंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। श्री प्रतीक जैन, अध्यक्ष, एसोचैम की राष्ट्रीय अप्रत्यक्ष कर परिषद के चेयरमैन प्रतीक जैन ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि जीएसटी ने सभी राज्यों में एक कानून और समान कर दरों के साथ संरचनात्मक सरलता ला दी है। पर उद्योग जगत का मानना है कि अब विधायी पहलुओं से अधिक, कर प्रशासन को अब सुव्यवस्थित करने तथा हितधारकों को एक साथ आ कर परस्पर राय-मशवरा के साथ आगे बढ़ने का दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

एसोचैम की राष्ट्रीय अप्रत्यक्ष कर परिषद के सह-अध्यक्ष एसोचैम रितेश कनोडिया ने जीएसटी से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे जिन पर तत्काल विचार करने की आवश्यकता पर बल दिया जिनमें ऑडिट की बहुलता और नोटिसों की ऊंची संख्या , ऐसे पुराने मामले जिनमें कर की मांग की पुष्टि हो चुकी है, ब्याज जमा कर दिया गया है पर क्रेडिट का मुद्दा फंसा हुआ है तथा माफी योजना में कुछ कानूनी अस्पष्टताओं के आधार जीएसटीआर 2ए-3बी के नोटिस के संबंध में रियायत जैसे मुद्दे शामिल हैं।

मस्क की एआई कंपनी जुटाना चाहती है 1 बिलियन डॉलर का निवेश

सैन फ्रांसिस्को, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। एलन मस्क की एआई कंपनी एक्सएआई इक्विटी निवेश में 1 अरब डॉलर तक जुटाने की कोशिश कर रही है। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) के साथ एक फाइलिंग के अनुसार, टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने एक्सएआई के लिए अब तक 134.7 मिलियन डॉलर जुटाए हैं।

135 मिलियन डॉलर चार अनाम निवेशकों से आए, पहली बिक्री 29 नवंबर को हुई। एसईसी फाइलिंग में कहा गया है कि एक्सएआई बाहरी निवेशकों से न्यूनतम 2 मिलियन डॉलर ही स्वीकार करेगा।

सैम ऑल्टमैन द्वारा संचालित ओपनएआई के चैटजीपीटी पर निशाना साधते हुए मस्क ने पिछले महीने कहा था कि एक्सएआई के एआई चैटबॉट ग्रोक में पारंपरिक जीपीटी मॉडल की तुलना में वर्तमान जानकारी है। एक्सएआई ग्रोक एआई असिस्टेंट यूजर्स को एक्स प्रीमियम प्लस के हिस्से के रूप में प्रदान किया जा रहा है, जिसकी लागत वेब के माध्यम से प्रति माह 16 डॉलर है।

एक्सएआई टीम ने कहा, ग्रोक एक एआई है जिसे हिचहाइकर गाइड टू द गैलेक्सी के आधार पर तैयार किया गया है, इसका मकसद लगभग किसी भी सवाल का उत्तर देना है और इससे भी अधिक कठिन, यह भी सुझाव देना है कि कौन से प्रश्न पूछने हैं। मस्क ओपनएआई के सह-संस्थापक थे, लेकिन 2018 में कंपनी के लाभ के लिए बदलाव के कारण उन्होंने इसे छोड़ दिया और चैटजीपीटी को वोकजीपीटी कहा। अरबपति ने इस साल की शुरुआत में एक्सएआई लॉन्च किया था। टीम का नेतृत्व मस्क कर रहे हैं और इसमें टीम के सदस्य शामिल हैं, जिन्होंने एआई में अन्य बड़े नामों पर काम किया है। इनमें ओपनएआई, गूगल रिसर्च, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च और गूगल का डीपमाइंड शामिल हैं।

प्याज, टमाटर की ऊंची कीमतों से नवंबर में बढ़ी आपकी थाली की कीमत

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। वेज थाली की कीमत अक्टूबर की तुलना में नवंबर में 10 फीसदी बढ़ गई, जबकि प्याज और टमाटर की कीमतें बढ़ने से नॉन-वेज थाली की कीमत केवल 5 फीसदी बढ़ी। क्रिसिल की एक रिपोर्ट में ये बात कही गई है। नवंबर के दौरान बेमौसम बारिश ने प्याज और टमाटर की फसल को नुकसान पहुंचाया, जिससे बाजार में दोनों की कमी हो गई और कीमतें बढ़ गईं। क्रिसिल ने कहा, प्याज और टमाटर की कीमतों में क्रमश: 93 प्रतिशत और 15 प्रतिशत की वृद्धि के कारण वेज थाली की कीमत साल-दर-साल 9 प्रतिशत बढ़ गई। दालों की कीमत में भी 21 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिससे वेज थाली की कीमत 9 प्रतिशत बढ़ गई। शाकाहारी थाली में रोटी, सब्जियां, चावल, दाल, दही और सलाद होता है। इसकी औसत लागत की गणना उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत में प्रचलित इनपुट कीमतों के आधार पर की जाती है। नॉन वेज थाली के लिए, चिकन की कीमत में गिरावट के कारण कीमतों में वृद्धि कम हुई। नॉन वेज थाली में चिकन की लागत कुल लागत का 50 प्रतिशत है। नॉन-वेज थाली में दाल की जगह चिकन ले लेता है जबकि बाकी चीजें वैसी ही रहती हैं। सितंबर की तुलना में अक्टूबर में वेज और नॉन-वेज थाली की कीमत में 1 फीसदी और 3 फीसदी की कमी आई थी।

जेनरेटिव एआई टूल्स को संभावित सुरक्षा जोखिम के रूप में देखती हैं 92 प्रतिशत भारतीय कंपनियां

बेंगलुरू, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। जेनरेटिव एआई टूल्स भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के केंद्र में हैं। कम से कम 92 प्रतिशत ऑर्गेनाइजेशन जेनएआई को एक संभावित सुरक्षा जोखिम मानते हैं। क्लाउड सिक्योरिटी प्रोवाइडर जेडस्केलर की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 95 प्रतिशत ऑर्गेनाइजेशन किसी न किसी रूप में जेनरेटिव एआई टूल का उपयोग कर रहे हैं, उनमें से 75 प्रतिशत अभी तक चैटजीपीटी जैसे जेनरेटिव एआई टूल का उपयोग न करने के लिए स्किल या टैलेंट की कमी को स्वीकार करते हैं।

भारत में लगभग 71 प्रतिशत लोग इस बात से सहमत हैं कि सामान्य कर्मचारी नहीं, बल्कि आईटी टीमें उपयोग के पीछे जबरदस्त ताकत बनकर उभरती हैं। जेडस्केलर के एपीजे के सीटीओ सुदीप

बनर्जी ने कहा, हमारा सर्वे जेनरेटिव एआई अपनाने की गतिशीलता को रेखांकित करता है। जेनरेटिव एआई टेक्नोलॉजी की पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए जीरो ट्रस्ट प्रिंसिपल्स और स्किल्स डेवलपमेंट दोनों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। उन्होंने कहा, जीरो ट्रस्ट सॉल्यूशन को एकीकृत करने से हर एक यूजर और एप्लिकेशन के लिए टेक्नोलॉजी के उपयोग पर पूर्ण नियंत्रण मिल सकता है, जिससे ऑर्गेनाइजेशन को एक सुरक्षित और नियंत्रित वातावरण बनाए रखने की अनुमति मिलती है। सर्वे में शामिल 22 प्रतिशत लोग जेनरेटिव एआई के उपयोग की बिल्कुल भी निगरानी नहीं कर रहे हैं, और 36 प्रतिशत ने अभी तक किसी भी अतिरिक्त जेनरेटिव एआई-संबंधित सुरक्षा उपायों को लागू नहीं किया है, हालांकि कई लोगों ने इसे अपने रोडमैप पर रखा है।

जेडस्केलर के वीपी प्रोडक्ट मैनेजमेंट संजय कालरा ने कहा, उनके (जेनएआई टूल्स) सुरक्षा उपायों को लेकर मौजूदा अस्पष्टता के साथ, भारत में केवल 30 प्रतिशत ऑर्गेनाइजेशन इन्हें अपनाने को खतरे के बजाय एक अवसर के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा, यह न केवल उनके बिजनेस और कस्टमर डेटा इंटीग्रिटी को खतरे में डालता है, बल्कि उनकी जबरदस्त क्षमता को भी बर्बाद करता है।

सार संक्षेप

रुपया पांच पैसे मजबूत

मुंबई। यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के अगले साल मार्च तक ब्याज दरों में कटौती करने की उम्मीद में दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के दो सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बावजूद स्थानीय स्तर पर शेयर बाजार में लगातार जारी उछाल की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया पांच पैसे की बढ़त लेकर 83.32 रुपये प्रति डॉलर हो गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 83.37 रुपये प्रति डॉलर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया दो पैसे बढ़कर 83.35 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों और बैंकरों की बिकवाली से 83.3 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली होने से यह 83.37 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले दिवस के 83.37 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में पांच पैसे मजबूत होकर 83.32 रुपये प्रति डॉलर हो गया।

किआ ने चार्जिंग स्टेशनों के लिए की साझेदारी

नई दिल्ली। प्रीमियम कार निर्माता किआ इंडिया ने के-चार्ज का अनावरण करते हुये माइकिया ऐप के उपयोगकर्ताओं को देश भर में 1` से अधिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कई कंपनियों के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने आज यहां कहा कि किआ गैर-किआ ग्राहकों तक इस चार्जिंग नेटवर्क तक पहुंच बढ़ा रहा है, जिससे भारतीय ईवी उपयोगकर्ताओं को रेंज चिंता पर काबू पाने में सहायता प्रदान की जा रही है। यह रणनीतिक कदम विभिन्न कार्यों को एक उपयोगकर्ता-अनुकूल स्मार्टफोन ऐप में समेकित करके ग्राहक सेवाओं को बढ़ाने की किआ की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। किआ ने इस पहल को सक्षम करने के लिए 5 चार्जिंग प्वाइंट ऑपरेटरों (सीपीओ) के साथ सहयोग किया है जिसमें स्टेटिक, चार्जजोन, रिलक्स इलेक्ट्रिक, लायन चार्ज और ई-फिल चार्जिंग ऑपरेटर शामिल है। किआ ने अपने ग्राहकों को अपने चार्जिंग स्टेशनों के माध्यम से 3 महीने की मुफ्त चार्जिंग की पेशकश करने के लिए रिलक्स इलेक्ट्रिक के साथ एक विशेष गठजोड़ भी किया है।

फेडरल बैंक देगा ई-प्रोक्योरमेंट और ई ऑक्शन सेवाएं

नई दिल्ली। फेडरल बैंक अब ई-प्रोक्योरमेंट और ई-ऑक्शन सिस्टम से जुड़ गया है। निजी क्षेत्र के इस बैंक ने ये सुविधाएं देने के लिए एनसीडीईएक्स ई-मार्केट लिमिटेड (एनईएमएल) के साथ करार किया है। एनईएमएल एक नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव एक्सचेंज लिमिटेड (एनसीईएक्स) की स्वामित्व वाली सहयोगी ईकाई है। एनसीडीईएक्स 9 कमोडिटी के ट्रेडिंग प्लेटफार्म में अहम हिस्सेदारी रखता है। बैंक ने आज जारी बयान में कहा कि इस रणनीतिक साझेदारी से राज्य और केंद्र सरकारों को ई-प्रोक्योरमेंट के लिए एडवांस सॉल्यूशन मिलेगा। इस प्लेटफार्म के जरिए किसान एनईएमएल प्लेटफार्म पर अपनी उपज बिक्री के लिए दर्ज करवा सकेंगे। प्लेटफार्म पर दर्ज कृषि उपज को सरकार दिए गए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएनपी) पर खरीद लेगी।

सेंसेक्स और निफ्टी एक बार फिर नये रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका और भारत दोनों देशों में महंगाई में कमी और यील्ड में गिरावट से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश में तेजी आने से स्थानीय स्तर पर यूटिलिटीज़, पावर, तेल एवं गैस कैपिटल गुड्स और ऊर्जा समेत सोलह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत सेंसेक्स और निफ्टी आज एक बार फिर नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गये। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 357.59 अंक अर्थात् 0.52 प्रतिशत की छलांग लगाकर सार्वकालिक उच्चतम स्तर 69,653.73 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 82.60 अंक यानी 0.4 प्रतिशत उछलकर 20,937.70 अंक हो गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 35,115.78 अंक और स्मॉलकैप 0.18 प्रतिशत चढ़कर 41,174.45 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3895 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1930 लाभ जबकि 1824 नुकसान में रहे वहीं 141 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 29 कंपनियों में तेजी जबकि 21 में गिरावट रही।

वित्तीय सलाह देने वाली कंपनी जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनावों के बाद निवेशकों की उम्मीदें बढ़ी हैं, जो नीति की निरंतरता की पुष्टि करता है। अमेरिकी और

भारतीय दोनों बाजारों में मुद्रास्फीति में कमी और यील्ड में गिरावट से एफआईआई की लिवाली बढ़ी है। साथ ही चीन की क्रेडिट रेटिंग में कटौती और भू-राजनीतिक तनाव में कमी और तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू बाजार में तेजी आई। अमेरिकी मंदी के जोखिम में कमी और गर्मियों में मजबूत मांग की उम्मीद ने आईटी समूह में एक मजबूत उछाल और बिजली क्षेत्र की गति को बढ़ाया है।

वहीं, आशाजनक दृष्टिकोण के बावजूद घरेलू प्रीमियम मूल्यांकन चिंताओं के कारण अल्पकालिक मुनाफावसूली हो सकती है। इसके अलावा लंबे समय तक बने रहने वाले अल नीनो के जोखिम, जलाशयों के स्तर में गिरावट और कम बुआई के कारण रिज़र्व बैंक (आरबीआई) वित्त वर्ष 2024 की दूसरी छमाही की आर्थिक विकास वृद्धि दर को अनुमान को बढ़ाने और भविष्य के मुद्रास्फीति अनुमानों को कम कर सकता है।

इससे उत्साहित निवेशकों की लिवाली कि बदौलत बीएसई 16 समूहों में तेजी रही। इस दौरान यूटिलिटीज 3.00, कमोडिटीज़ 0.25, सीडी 0.24, ऊर्जा 1.12, एफएमसीजी 1.03, इंडस्ट्रियल्स 0.80, आईटी 1.46, ऑटो 0.07, कैपिटल गुड्स 1.25, धातु 0.47, तेल एवं गैस 1.96, पावर 2.41, टेक 1.18 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.12 प्रतिशत चढ़ गए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.27, जर्मनी का डैक्स 0.13, जापान का निक्केई 2.04, हांगकांग का हैंगसेंग 0.83 प्रतिशत मजबूत रहा। वहीं, चीन के शंघाई कंपोज़िट में 0.11 प्रतिशत की गिरावट रही। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 239 अंक की तेजी लेकर 69,534.93 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से दोपहर से पहले 69,395.01 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, लिवाली की बदौलत कारोबार के अंतिम चरण में यह 69,744.62 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत पिछले दिवस के 69,296.14 अंक के मुक़ाबले 0.52 प्रतिशत चढ़कर 69,653.73 अंक हो गया। इसी तरह निफ्टी 96 अंक बढ़कर 20,950.75 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 20,852.15 अंक के निचले जबकि 20,961.95 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 20,855.10 अंक की तुलना में 0.40 प्रतिशत मजबूत होकर 20,937.70 अंक पर रहा।

एप्पल ने आपूर्तिकर्ताओं से कहा, भारत से आईफोन 16 बैटरी लें : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अपनी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने और विनिर्माण को चीन से बाहर ले जाने के प्रयास में, ऐप्पल ने अपने आपूर्तिकर्ताओं को भारतीय कारखानों से आगामी आईफोन 16 के लिए बैटरी मंगाने के लिए कहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में बुधवार को ये बात कही गई।

फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार, चीन के डेसे जैसे बैटरी निर्माताओं को भारत में नए कारखाने स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जबकि ऐप्पल के लिए ताइवानी बैटरी आपूर्तिकर्ता सिम्पलो टेक्नोलॉजी को भविष्य के ऑर्डर के लिए भारत में विनिर्माण बढ़ाने के लिए कहा गया है।

इस सप्ताह की शुरुआत में, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा था कि जापानी इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स निर्माता टीडीके कॉर्प भारत में ऐप्पल आईफोन के लिए लिथियम-आयन (ली-आयन) बैटरी सेल का निर्माण करेगा। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि डेसे और सिम्पलो जैसी कंपनियां टीडीके और उनके समकक्षों द्वारा उत्पादित

इलेक्ट्रिक सेल को मॉड्यूल में पैकेज करती हैं और उन्हें ताइवानी अनुबंध निर्माता फॉक्सकॉन जैसे असेंबलरों को भेजती हैं।

फॉक्सकॉन की भारत में 1.54 अरब डॉलर निवेश करने की योजना है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में, फॉक्सकॉन ने कहा कि निवेश से उसे परिचालन जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस बीच, एप्पल ने भारत सरकार से अपने मौजूदा आईफोन को इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के लिए एक सामान्य चार्जिंग पोर्ट की आवश्यकता से छूट देने के लिए कहा है। केंद्र अधिकांश उपकरणों के लिए एक सामान्य चार्जर को अनिवार्य करने की संभावना का मूल्यांकन कर रहा है।

सोया रिफाइंड व पाम ऑयल महंगा

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में जारी गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग निकालने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में सोया रिफाइंड और पाम ऑयल महंगा हो गया

जबकि चना और दाल चना के भाव गिर गए वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में दिसंबर का पाम ऑयल वायदा 46 रिंगिट उतरकर 3590 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.06 सेंट फिसलकर 50.20 सेंट प्रति पौंड बोला गया।इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रूख रहा। सोया रिफाइंड 74 रुपये और पाम ऑयल 67 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। वहीं, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में मिश्रित रुझान रहा। इस दौरान चना 100 रुपये और दाल चना 100 रुपये प्रति क्विंटल उतर गई। वहीं, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सरकार ने खाद के भाव स्थिर रख किसानों को वैश्विक झटकों से बचाया : मांडविया

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि केंद्र ने किसानों के लिए रासायनिक उर्वरकों के दामों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पिछले 2-3 वर्ष के दौरान जिंसों की वैश्विक कीमतों में उछाल का पूरा बोझ अपने कंधे पर उठाया है। उन्होंने कहा कि यही कारण है भारत में एक ऐसे दौर में उर्वरकों की खपत में स्थिरता बनी रही और कृषि उत्पादन में नए रिकार्ड बने जबकि विश्व में उत्पादन में गिरावट दर्ज की गयी। श्री मांडविया यहां उर्वरक उद्योग के एक सम्मेलन का उद्घाटन कर रहे थे। इसका अयोजन फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएआई) ने किया था।

आत्मनिर्भरता के लिए सरकार के प्रयासों से यूरिया उत्पादन की करीब 30 लाख टन वार्षिक क्षमता के कारखानों का उद्धार किया गया जो बंद पड़े थे। एक दो साल में उर्वरक उत्पादन की नयी क्षमताएं चालू होंगी : मनसुख मांडविया

रसायन एवं उर्वरक मंत्री ने कहा कि सरकार ने देश में उर्वरकों का उत्पादन बढ़ाने , आपूर्ति के दौरान बिखराव और हेराफेरी रोकने के कई उपाय किए हैं। उन्होंने कहा कि इससे उत्पादकता के नए रिकार्ड बने हैं। आत्मनिर्भरता के लिए सरकार के प्रयासों से यूरिया उत्पादन की करीब 30 लाख टन वार्षिक क्षमता के कारखानों का उद्धार किया गया जो बंद पड़े थे। उन्होंने कहा कि एक दो साल में उर्वरक उत्पादन की नयी क्षमताएं चालू होंगी।'

श्री मांडविया ने कहा कि सरकार फॉस्फेट और पोटाश आधारित उर्वरकों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति की भरोसेमंद व्यवस्था करने में भी लगी है।

उन्होंने कहा कि 'प्रधानमंत्री प्रणाम' पहल के तहत धरती की पारिस्थितिकी को सुरक्षित रखने के लिए उर्वरक के संतुलित प्रयोग, वैकल्पिक उर्वरकों के प्रयोग को प्रोत्साहित करने ,जैविक खेती को बढ़ावा देने और संसाधनों के संरक्षण की प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा ।

उन्होंने इस क्षेत्र में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे नवाचारों तथा खेतों में ड्रोन से उर्वरकों और दवाओं के छिड़काव में महिलाओं को जोड़ने की नमो ड्रोन दीदी योजना जैसी पहल का जिक्र किया।

ठंड बढ़ने के साथ बूंदा-बांदी जारी,कोल्ड डे के हालात

मिचौंग का असर, प्रदेश के कई हिस्सों में आज बारिश होने की आशंका

वर्षा ने किसानों की बढ़ाई चिंता

बिलासपुर, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। चक्रवाती तूफान मिचौंग का प्रभाव छत्तीसगढ़ में भी पड़ा है। मंगलवार से प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला है। जिसकी वजह से बिलासपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हुई है वहीं ठंड बढ़ गई है। चक्रवाती तूफान मिचौंग के प्रभाव से सोमवार रात से छत्तीसगढ़ का मौसम बदला हुआ है। रात से शुरू हुई हल्की बारिश का दौर दिनभर जारी रहा है। तापमान में 9 डिग्री तक गिरावट आने की वजह से लोग दिन में ठिठुरते हुए अलावा का सहारा लेते रहे। मौसम विभाग ने बिलासपुर समेत मध्य और दक्षिण क्षेत्र में कोल्ड डे घोषित कर दिया। बुधवार के मौसम में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है और बारिश की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

मौसम विशेषज्ञ एच. पी. चंद्रा के मुताबिक ठंड के सीजन में चक्रवाती तूफान की वजह से आज दूसरी बार राज्य में कोल्ड डे के हालात बने। इसके पूर्व नवंबर में बिलासपुर और पेंड्रा में तापमान पांच डिग्री तक नीचे गया था। इस बार

समूचे दक्षिण और मध्य इलाके में तापमान सामान्य से नौ डिग्री तक नीचे चला गया। राज्य में तूफान का प्रभाव सोमवार से बादल के रूप में नजर आया और रात होने के बाद कई इलाकों में हल्की बारिश का दौर शुरू हो गया था। वहीं मंगलवार की सुबह धूप नहीं निकली और लगातार पड़ती फुहारों से मौसम सर्द हो गया। बदले मौसम का असर सामान्य कामकाज पर भी नजर आया। मौसम विभाग के अनुसार, भीषण चक्रवाती तूफान मिचांग के कारण आज प्रदेश के अधिकांश स्थानों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। साथ ही एक दो स्थानों में तेज हवा चलने के साथ भारी वर्षा हो सकती है। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 26.3एष्ट दंतेवाड़ा और सबसे कम न्यूनतम तापमान 16.8एष्ट्र पेण्ड्रा रोड में दर्ज किया गया। अगले दो तीन दिनों तक मौसम इसी तरह रहने की संभावना है।मौसम में हुए परिवर्तन ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है. मौसम विभाग के अनुसार आज भी प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश होगी।मौसम के बदले मिजाज ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से लगातार ठंडी हवा के चक्रवाती प्रभाव के कारण पूरे जिले में बादल छाए हुए हैं, वहीं किसानों की साल भर की मेहनत उनके खेतों में ही सहेजकर रखी फसल के बारिश से भीगकर खराब होने का चिंता बढ़ गया है। मौसम में बदली और हल्की बारिश से किसान धान की कटाई और मिजाई नहीं कर पा रहे है. वहीं दो दिनों से धान खरीदी भी बंद है. बाड़ी और खेतों में लगे धान की फसल के अलावा सब्जी और फूलों में भी इसका असर पड़ रहा है।वहीं मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 'मिचौंग' चक्रवाती तूफान के कारण राज्य के दुर्ग, बिलासपुर, बस्तर और रायपुर संभाग में हल्की बारिश हुई।

भाजपा ने जो घोषणा पत्र में वायदे किए हैं उसे बेलतरा क्षेत्र में जल्द लागू करेंगे-सुशांत

बिलासपुर, 6 दिसंबर(देशबन्धु)। विधायक सुशांत शुक्ला चुनाव में जीतने के बाद बिना सुरक्षा के क्षेत्र में दौरा कर रहे हैं आज सुबह से ही वे अपनी बाइक से भाजपा के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओं के घर पहुंच गए। विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा है कि वे बेलतरा क्षेत्र में इतना ज्यादा जनसंपर्क करेंगे की बेलतरा की जनता थक जाएगी लेकिन वह नहीं थकेंगे। वे लगातार 5 साल तक जनता के बीच ही रहेंगे।

अरपा पार सरकंडा को नया नगर निगम बनाने की मांग को लेकर विधायक शुक्ला ने कहा है कि अरपा पर को नया नगर नया नगर निगम बनाने का फैसला राजनीतिक रूप से नहीं होना चाहिए। सरकंडा क्षेत्र के लोगों की सुविधाओं को देखते हुए नगर निगम बनना चाहिए। बिलासपुर नगर निगम में बेलतरा क्षेत्र के 13 गांव को शामिल करने के बाद वहां आज एक लाइट भी नहीं लगी। नाली, सड़क बिजली नहीं है। नया नगर निगम बनने से मूलभूत सुविधाएं मिलेगी। एक सवाल के जवाब में सुशांत ने कहा है कि बेलतरा क्षेत्र की जनता ने लगातार भाजपा पर भरोसा जताया है। और यह सीट भाजपा की ही है। उन्होंने अभी कहा कि यदि कांग्रेस उम्मीदवार ब्राह्मण समाज से होता तो जीत का अंतर कम होता । शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्र से भी भाजपा को बढ़त मिली है। उन्होंने कहा है कि भाजपा ने कुछ जो घोषणा पत्र में वायदे किए हैं उसको उसे बेलतरा क्षेत्र में जल्द लागू करेंगे किसी भी गरीब का मकान नहीं टूटने देंगे। सभी गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाएंगे । लिंगियाडीह क्षेत्र में राजस्व विभाग के द्वारा कई परिवारों को नोटिस दिए जाने के मामले में उन्होंने कहां है कि इसकी जानकारी लेंगे। विधानसभा में वे बत्रा क्षेत्र के जनता के मुद्दे को उठाएंगे । क्षेत्र के कार्यकर्ता और जनता तय करेगी कि बेलतरा में कैसा विकास होना चाहिए । आज जब पार्टी के बड़े बुजुर्गों उनसे मिलने आ रहे थे तो उन्होंने कह दिया कि वह खुद आकर बुजुर्गों का आशीर्वाद लेंगे वरिष्ठ पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओं का आशीर्वाद लेंगे।

17 में से 13 वार्ड में कांग्रेसी पार्षद यहीं मिली कांग्रेस को करारी हार

बिलासपुर,6 दिसम्बर (देशबन्धु)। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 17 वार्ड बिलासपुर नगर निगम सीमा में शामिल है। जिन वार्डो और भरोसे के साथ ग्राम पंचायतों को निगम में शामिल कर वार्ड बनाए गए,बीते तीन वर्ष के दौरान ऐसा कुछ नहीं हुआ। विकास कार्य के लिए वार्डवासी तरसते रहे। धरना प्रदर्शन भी किया। विरोध भी जताया। इसके बाद भी निगम में काबिज कांग्रेस की शहर सरकार ने विकास के नाम पर इन वार्डों में एक ईंट नहीं कर रख पाई। वार्डवासियों की चुप्पी जब टूटी तो इसका खामियाजा बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी को भुगतना पड़ा। निगम के इन वार्डों में चले एंटीइंकंबेंसी का सीधा असर सत्ताधारी दल के उम्मीदवार पर ही देखने का मिला। बेलतरा विधानसभा के वोटों की गिनती के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय ने 18 चक्र तय किया था। तीन दिसंबर को कोनी स्थित इंजीनियरिंग कालेज में जब वोटों की गिनती शुरू हुई तब जिले के पांच विधानसभा क्षेत्रों में शुरुआत से ही कांग्रेस के उम्मीदवार पिछड़ गए थे। बेलतरा में स्थिति अलग थी। शुरुआती दौर से ही कांग्रेस के उम्मीदवार विजय केशरवानी अपने निकटम प्रतिद्वंदी भाजपा के सुशांत शुक्ला से बढ़त बनाए हुए थे। ग्रामीण क्षेत्र में यह दबदबा विजय के नाम रहा और बढ़त बनाए रहे। यह वह दौर था जब जिले की पांच सीटों पर भाजपा को लगातार बढ़त मिल रही थी। कांग्रेस के रणनीतिकार और दिग्गज भी यह मानकर चल रहे थे कि जिले में जीत का खाता बेलतरा से खुलेगा। ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं पर कांग्रेस के रणनीतिकारों ने जो भरोसा कायम किया था वह बरकरार भी रहा। ग्रामीण क्षेत्र के वोटों की गिनती 11 वें चक्र में पूरी हुई। कांग्रेस प्रत्याशी विजय केशरवानी साढ़े तीन हजार वोटों से आगे चल रहे थे। आखिरी के सात चक्र की गिनती शहरी इलाकों की होनी थी जिसमें निगम के 17 वार्ड हैं। शहरी इलाके के यही वार्ड भाजपा के लिए निर्णायक साबित हुआ। इन 17 वार्डों में 13 ऐसे हैं जहां कांग्रेस के पार्षद काबिज हैं। हार के बाद चल रहे मंथन और पड़ताल से एक बात खुलकर सामने आ रही है कि इन वार्डों में बीते तीन साल के दौरान विकास के कार्य हुए ही नहीं है। पार्षद अब दबी जुबान से यह भी कहने लगे हैं कि सत्ताधारी दल के पार्षद होने के बाद उनके साथ विपक्षी जैसा व्यवहार हो रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान यह बात खुलकर सामने भी आई थी जब कांग्रेस प्रत्याशी के साथ वार्ड में जनसंपर्क के दौरान मोहल्लेवासियों के गुस्से का सामना पार्षदों को करना पड़ रहा था। छोटी-छोटी समस्याएं भी हल नहीं हो पा रही है। मोहल्लेवासियों की तब नाराजगी भी खुलकर सामने आई थी। बड़ी पंचायतों का अस्तित्व समाप्त कर वार्ड बनाने के बाद वहां के लोगों की समस्याओं को सुलझाया ही नहीं गया। निगम ने वास्ता ही नहीं रखा। मोहल्लेवासियों की नाराजगी सीधे-सीधे कांग्रेस प्रत्याशी को झेलनी पड़ी। नगर निगम सीमा में शामिल होने से पहले मंगला, मोपका, चिल्हटी, कोनी, बहतराई, खमतराई, बिरकोना की हैसितय बड़ी ग्राम पंचायतों की थी। विकास कार्य के लिए 14वें -15 वें वित्त आयोग के भरपूर राशि मिलती थी। बड़ी पंचायतें होने के कारण खुद का आय का जरिया था। तब गांव की सड़कें रात के अंधेरे में भी बिजली की रोशनी से दमकते रहती थी। नालियां साफ सुथरी और गांव की गलियों में कांक्रीट की सड़कें बिछी नजर आती थी। विकास कार्य के लिए किसी का मुंह ताकना नहीं पड़ता था। निगम सीमा में शामिल होने के बाद बड़ी पंचायतों का अस्तित्व समाप्त हो गया है और वार्ड में बदल दिया है। अब स्थिति एकदम उलट हो गई है। बिजली के खंभों में बल्ब नहीं लग पा रहा है। रात में वार्ड की गलियां अंधेरे में डूबी रहती है। नालियां बजबजा रही है। शिकायत के बाद भी कोई देखने वाला नहीं है। सत्ताधारी दल के पार्षदों की शिकायत है कि उनकी बातों को निगम के अफसर और सत्ता से जुड़े जनप्रतिनिधि तव्वजो नहीं देते। निगम टैक्स की वसूली तो कर रहा है पर लोगों को बुनियादी सुविधा भी मुहैया नहीं करा पा रहा है।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने इस बार नई व्यवस्था की थी। जिन सीटों से उम्मीदवारों की घोषणा की गई थी नामांकन फार्म जमा करने के दौरान ही बी फार्म भी पीसीसी ने जारी कर दिया था। यह बात सभी को पता था। बेलतरा से कांग्रेस उम्मीदवार विजय केशरवानी ने नामांकन फार्म जमा करने के साथ ही बी फार्म भी जमा कर दिया था। इसके बाद भी महापौर रामशरण यादव ने बेलतरा से कांग्रेस उम्मीदवार की हैसियत से नामांकन जमा किया। ये अलग बात है कि नाम वापसी के दौरान उन्होंने नाम वापस ले लिया। पर इसमें भी चालाकी की चर्चा होने लगी है। नामांकन फार्म जमा करने और वापस लेने के पीछे समाज विशेष के लोगों और मतदाताओं के बीच यह संदेश देना था कि उनकी उपेक्षा की जा रही है। सियासी चतुराई के तहत पर्चा जमा करना और उसी अंदाज में वापस लेकर उनको जो संदेश बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में देना था उसमें सफल हो गए। इस बात की चर्चा चुनाव के दौरान पूरे समय चलती रही।

कॉलेज छात्रा पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

2 दिनों के भीतर पुलिस ने पकड़ा

बिलासपुर, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। जिले के कोटा थाना क्षेत्र स्थित शासकीय निरंजन कालेज के छात्रा पर एक सिरफिरे युवक ने एकतरफा प्रेम के चक्कर मे चापड़ से जानलेवा हमला कर दिया था। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को 2 दिनों के भीतर ही कब्जे लेकर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। ग़ौरतलब है कि थाना क्षेत्र के कलार तराई की निवासी छात्रा हेमा ठाकुर शासकीय निरंजन केशरवानी कालेज में एमए की पढ़ाई करती है, जो हमेशा की तरह कॉलेज आई थी और पढ़ाई खत्म कर वापस अपनी सहेली के साथ वापस लौट रही थी, तभी कॉलेज जाने के सुनसान रास्ते पर मौके की ताक में बैठे आरोपी योगेश साहू ने धारदार हथियार से छात्रा पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया जिससे छात्रा के गले, सिर पर गंभीर चोटें लगी है। हमले से घायल छात्रा मौके पर ही खून से लथपथ होकर गिर गई, जिसे आस पास के लोंगो ने पहले स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया जहाँ से उसे बिलासपुर रिफर कर दिया गया है। घटना की सूचना पर पहुँची पुलिस ने आरोपी के

खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी तलाश में जुट गई थी।

विवेचना दौरान घटना स्थल से फरार आरोपी योगेश कुमार उर्फ मोंटू साहू का साजापाली खैरझिटी, गोबरीपाट, कोटा बरद्वार, मोंहदी एवं कई स्थानों पर लगातार पतासाजी कर घेराबंदी कर बिलासपुर मुंगेली नाका के पास से पकड़ा है, आरोपी ने पूछताछ दौरान बताया कि एकतरफा प्रेम होने से कु. हेमा ठाकुर द्वारा शादी करने से मना करने पर घर से बैग में चापड़ लेकर हत्या करने की नीयत कॉलेज आया था। इस दौरान शासकीय निरंजन केशरवानी महाविद्यालय के पहाड़ी रास्ता के पास मौका मिलने पर लड़की द्वारा शादी से इनकार किए जाने पर हेमा ठाकुर के गला एवं सिर पर कई बार वार किया जिससे वह बेहोश होकर गिर गई और वह मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चापड़ जप्त कर आरोपी योगेश कुमार उर्फ मोटू साहू को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी टी. एस. नवरंग, स.उ.नि. ओंकार बंजारे, आरक्षक भोप साहू, खिलावन नेताम का सराहनीय योगदान है।

हाईकोर्ट से अवमानना नोटिस जारी होने पर स्त्रीरोग विशेषज्ञ निलम्बन से बहाल

बिलासपुर, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। हरीनगर, दुर्ग निवासी डॉ. वंदना भेले जिला-बेमेतरा में स्त्री रोग विशेषज्ञ के पद पर पदस्थ थी। 30 सितम्बर 2022 को डॉ. वंदना भेले का स्थानांतरण जिला-बेमेतरा से जिला-दुर्ग कर दिया गया परन्तु कुछ व्यक्तिगत कारणों से वे जिला दुर्ग में ज्वाईन नहीं कर पाई, समय पर ज्वाईनिंग ना देने पर सचिव स्वास्थ्य विभाग द्वारा डॉ. वंदना भेले को निलंबित कर दिया गया।

निलंबन आदेश के विरूद्ध डॉ. वंदना भेले द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष रिट याचिका दायर करने पर हाईकोर्ट द्वारा निलंबन से बहाली हेतु अभ्यावेदन का समयसीमा में निराकरण का निर्देश दिया गया परन्तु हाईकोर्ट बिलासपुर द्वारा पारित आदेश का पालन ना किये जाने से क्षुब्ध होकर डा. वंदना भेले द्वारा हाईकोर्ट अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं दुर्गा मेहर के माध्यम से हाईकोर्ट बिलासपुर में अवमानना याचिका दायर की गई।

अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं दुर्गा मेहर द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष यह तर्क प्रस्तुत किया गया कि स्वास्थ्य सचिव सिध्दार्थ कोमल सिंह परदेशी द्वारा सुप्रीम कोर्ट द्वारा अजय कुमार चौधरी विरूद्ध यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य के वाद में प्रतिपादित न्याय सिद्धांत का घोर उल्लंघन करते हुए याचिकाकर्ता के निलंबन से 90 दिवस के भीतर ठोस कारण बताते हुए निलंबन के विस्तारण का आदेश जारी नहीं किया गया और याचिकाकर्ता को निलंबन से बहाल भी नहीं किया गया। उच्च न्यायालय, बिलासपुर के समक्ष लगातार अवमानना याचिकाएं दायर किये जाने से उच्च न्यायालय का अत्यंत कीमती एवं महत्वपूर्ण समय व्यर्थ होता है एवं हजारों अन्य पीड़ित पक्षकार एवं याचिकाकर्तागण अपने मामलों की सुनवाई से संचित रह जाते हैं। हाईकोर्ट बिलासपुर द्वारा उक्त अवमानना याचिका को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य सचिव, सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी को अवमानना नोटिस जारी किया गया। अवमानना नोटिस प्राप्त होते ही स्वास्थ्य सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी द्वारा डॉ. वंदना भेले को तत्काल निलंबन से बहाल कर दिया गया।

डॉ. अम्बेडकर के आदर्शों को आत्मसात करें- प्रो. चक्रवाल

सीयू में डॉ. अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर हुआ कार्यक्रम

बिलासपुर , 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। गुरू घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में आज सुबह 9 बजे भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. विनोद तिवारी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने अपने अध्यक्षीय

उद्बोधन में कहा कि हम सभी को भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के आदर्शों, सिद्धातों एवं जीवन मूल्यों को जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

हमें भेदभाव रहित समाज के निर्माण के सपने को साकार करना है। डॉ. अम्बेडकर का संपूर्ण जीवन सामाजिक समरसता, न्याय, वंचित वर्ग के अधिकारों एवं उत्थान के लिये समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने बाबा घासीदास के बताये सूत्र वाक्य मनखे-मनखे एक समान को समाज में स्थापित करने के लिए प्रयास किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. विनोद तिवारी जी ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी महामानव थे। उन्होंने स्वयं के शारीरिक कष्टों को त्यागकर राष्ट्रहित में जीवन समर्पित किया। उनका जीवन समतामूलक समाज के निर्माण में बीता।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय नटराज कलामंच (जीजीवीएनकेएम) कुलपति प्रोफेसर चक्रवाल ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय नटराज कलामंच के स्थापना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि रजत जयंती सभागार के प्रांगण में मुक्तांगन नाट्य मंच पर विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुरूप संगीत, नाट्य कला एवं अभिनर्तन आदि से जुड़ी अपनी प्रस्तुति देंगे। विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति के लिए इसके माध्यम से मंच प्रदान किया जाएगा ताकि वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। इससे पूर्व अतिथियों द्वारा परिसर स्थित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जी की भव्य प्रतिमा पर पूजा अर्चना कर पुष्प अर्पित किया गया। तत्पश्चात रजत जयंती सभागार में दीप प्रज्जवलित कर मां सरस्वती, संत गुरु घासीदास जी एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण किया। अतिथियों का स्वागत नन्हें पौधों से हुआ। तरंग बैंड द्वारा सरस्वती वंदना एवं महानिर्वाण दिवस पर गीत की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम संयोजक प्रो. शैलेन्द्र कुमार अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने स्वागत उद्बोधन दिया। मंचस्थ अतिथियों का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन एवं संचालन डॉ. गरिमा तिवारी, सहायक प्राध्यापक वानिकी विभाग ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्यापीठों के अधिष्ठातागण, विभागाध्यक्षगण, शिक्षकगण, अधिकारी, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आध्यात्म को जीते हैं भारतवासी-वाजपेयी

कहा- हमारे डीएनए में बस गई है आध्यत्मिकता

प्रेस क्लब में पत्रकारों से रूबरू हुए एयू के कुलपति

बिलासपुर, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। भारत में शोषण, पोषण, अलग करने और जोड़ने के साथ ही कई तरह की संस्कृतियां हैं। हमारे यहां के लोग आध्यत्म को जीते हैं। यहां आध्यात्म एक परंपरा बन गई है। हमारे डीएनए में भी आध्यत्म बस गई है। ये बातें अटल बिहारी बाजपेयी यूनिवर्सिटी के कुलपति अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने बुधवार को बिलासपुर प्रेस क्लब में पत्रकारों से रूबरू कार्यक्रम में कहीं। उन्हें ब्रिटिश पार्लियामेंट के हाउस ऑफ लार्ड्स से इंटरनेशनल बुक ऑफ ऑनर अवार्ड से नवाजा गया है। उनकी इस उपलब्धि पर बिलासपुर प्रेस क्लब की ओर से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब के अध्यक्ष इरशाद अली ने की। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, सृजन पीठ के संस्थापक सतीश जायसवाल, प्राचार्य सिद्धेश्वर सिं रहे। उन्होंने कहा कि लंदन में 100 यूनिवर्सिटी के कुलपति को बुलाया गया था, उस कार्यक्रम में वे भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान भारतीय संस्कृति की विशेषताओं को दूसरे देशों की कल्चर से कैसे अलग और विशेष स्वरूप में स्थापित करने की चुनौती थी। उन्होंने कहा कि जितने भी विकसित देश हैं,वहां फुट डालो और शासन करो' नीति अपनाई जाती है। यह एक तरह से संस्कृति ही है। हमारे भारत देश में तरह-तरह की संस्कृति और परंपराएं चलन में हैं। हमारे देश के कुछ हिस्सों में शोषण संस्कृति है तो कुछ जगहों पर पोषण भी संस्कृति का स्वरूप है। लोगों को अलग करना और जोड़ना भी संस्कृति का हिस्सा है। आज के राजनीतिक परिवेश की बात करें तो अलग करो की संस्कृति दिखाई देती है। राजनीतिक दल फुट डालो और सत्ता में पाओ की नीति पर काम करते हैं। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन करते हुए वरिष्ठ पत्रकार रुद्र अवस्थी ने कहा कि यह एक ऐसा क्षण है, जिस ज्ञान को हम कई पुस्तकों को पढ़कर नहीं प्रा' कर पाते, यहां आए बुद्धिजीवियों केा चंद मिनटों में सुनकर उसे कहीं अधिक ज्ञान पा लेते हैं।

गंगा से लेकर महाभारत से विरासत में मिली है संस्कृति

कुलसचिव वाजपेयी ने कहा कि जब भी हमारे यहां पवित्रता की बात होती है तो सीधे गंगा मां को याद किया जाता है। यह हमारी संस्कृति बन गई है। इसी तरह से भाई-भाई में मतभेद को लोग विभीषण का नाम दे देते हैं। यही वजह है कि भारत देश में किसी का भी नाम विभीषण नहीं रखा जाता। हर समस्या के हल के लिए भगवत गीता का रास्ता दिखाया जाता है, जो महाभारत से जुड़ा हुआ है। महाभारत में धर्म और अधर्म के बारे में हमें बहुत कुछ सीख मिलती है।

सोने की दीवार देखकर चौंक गए

कुलपति वाजपेयी ने बताया कि उन्हें सौभाग्य से हाउस ऑफ लार्ड्स में महारानी से मुलाकात करने का अवसर मिला। जब हाउस ऑफ लार्ड्स में गए तो वहां की दीवारों को देखकर चौंक गए। दरअसल, दीवारें सोने से बनी हुई हैं। यह देखकर उनके मन में अलग ही अनुभूति हुई। उनके मन में विचार आया कि यह मेरा सम्मान है या फिर मैं खुद को अपमानित महसूस करूं, क्योंकि ये जो सोना है, वह तो भारत से लुटा गया धन है।

आज भी जिंदा है तहजीब

उन्होंने लंदन प्रवास के दौरान घटी दो घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि जब वे हाउस ऑफ लार्ड्स में थे, तब उन्हें पता चला कि पास में कोई मंदिर है, जहां यहां आने वाले हर भारतीय मत्था टेकने जाते हैं। संयोग से वहीं पर पुजारी मिल गया। उन्होंने बताया कि यहां मंदिर कुछ ही दूर है। कल ही यहां अंबानी आए थे। पुजारी की इस बात से उन्हें बड़ा ताज्जुब हुआ। मंदिर से बड़ा नाम अंबानी का कैसे हो गया। दूसरी घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जब वे सड़क पर पैदल लौट रहे थे। कुछ दूर जाने के बाद उन्हें लगा कि कहीं रास्ता तो नहीं भूल गया। उन्होंने एक टैक्सी वाले से पता पूछा। टैक्सी वाले के पूछने पर उन्होंने इंडिया से होने के साथ ही अपना परिचय दिया। टैक्सी वाले उनसे कहा कि बैठ जाइए। मैं छोड़ देता हूं। वे टैक्सी में बैठ तो गए, लेकिन उन्हें डर लग रहा था कि कहीं कुछ गलत तो नहीं हो रहा है। चोरी का डर तो नहीं था, लेकिन सूटकेस में पूंजी से अधिक इज्जत थी। मन में कई तरह के ख्याल आ रहे थे। इस बीच वे मंजिल तक पहुंच गए। टैक्सी वाले ने कहा कि यही वह जगह है। कुलपति टैक्सी से उतरे और पूछा कि कितने पैसे हुए। टैक्सी चालक ने अपना नाम जावेद बताते हुए कहा कि वह बंगलादेश से है। वह उनसे पैसे नहीं लेंगे। बस दुआओं में याद रखना। यहीं लगा कि विदेश में अब भी तहजीब जिंदा है।

क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी प्रेम कुमार को विदाई

प्रेस क्लब की ओर आयोजित कार्यक्रम में भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो के बिलासपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के प्रचार अधिकारी डॉ. प्रेम कुमार भी मौजूद रहे। उनका तबादला भारतीय जनसंचार संस्थान नई दिल्ली में हो गया है। यहां उन्हें विदाई दी गई। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यहां के पत्रकारों को दिल्ली में किसी भी तरह के सहयोग की जरूरत पड़ेगी तो उनका मदद जरूर करेंगे।

NECC
07.12.2023 अंडा मुर्गी काकरेल
फार्म 550 80 145
चिल्हर 665 95 175
डिलीवरी 650 सैकड़ा
दर्जन अंडा 75 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रू.
CSPFA

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 डाक पंजीयन 112-002/2002 सी जी फोन- 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188